शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 15 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-135

पीएम के नामांकन में दिखी एनडीए की एकजुटता

मोदी ने वाराणसी से तीसरी बार भरा नामांकन

- नामांकन से पहले प्रधानमंत्री ने काशी के कोतवाल कालभैरव से लिया आशीर्वाद
- योगी समेत कई सीएम, केंद्रीय मंत्री, गठबंधन के साथी और पार्टी नेता शामिल

वाराणसी,14 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिये मंगलवार को वाराणसी संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी के तौर पर तीसरी बार नामांकन दाखिल किया। पीएम मोदी के नामांकन के दौरान एनडीए गठबंधन की एकजुटता दिखाई दी। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों सहित एनडीए घटक दलों के प्रमुख नेता और उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे। पीएम मोदी ने पुष्य नक्षत्र में मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में पर्चा दाखिला किया। प्रधानमंत्री के नामांकन में चार प्रस्तावक शामिल रहे। इसमें गणेश्वर शास्त्री द्रविड़, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा व दलित समाज के संजय सोनकर शामिल थे। गणेश्वर शास्त्री ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकाला था, जबकि बैजनाथ पटेल जनसंघ के समय के कार्यकर्ता हैं।

इससे पहले गंगा सप्तमी पर मां गंगा को नमन करने के उपरांत प्रधानमंत्री काशी कोतवाल काल भैरव के दर पर पहुंचे, वहां उनसे अनुमति-आशीर्वाद लेकर नामांकन किया। श्री मोदी ने सोमवार को काशी विश्वनाथ व मंगलवार को काल भैरव बाबा से भाजपा की प्रचंड जीत का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। काल-भैरव मंदिर में पूजन व कलेक्ट्रेट में नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी साथ रहे।

प्रधानमंत्री ने मंगलवार सुबह सबसे पहले दशाश्वमेध घाट पर गंगा पूजन किया। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य के वेंकट रमन घनपाठी ने गंगा पूजन कराया। गंगा पूजन कराने वालों में तीन पुजारी तमिलनाडु व एक-एक पुजारी आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र के रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री स्वामी विवेकानंद क्रूज पर दशाश्वमेध घाट से गंगा विहार करते हुए आदिकेशव घाट तक गए, फिर नमो घाट उतरे।

नमो घाट से प्रधानमंत्री सीधे काशी के कोतवाल काल भैरव बाबा के दर्शन-पूजन व आरती करने पहुंचे। यहां उन्होंने बाबा से अनुमति व आशीर्वाद लिया, फिर कलेक्ट्रेट पहुंचे।

प्रधानमंत्री को रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं काशीवासी : सीएम योगी

लखनऊ, 14 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को वाराणसी से तीसरी बार नामांकन किया। नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। योगी ने कहा, 140 करोड़ भारतीयों के सुख, समृद्धि और संतुष्टि के लिए साधनारत, भारत के अमृतकाल के सारथी आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आज लोकसभा चुनाव के लिए वाराणसी से अपना नामांकन कियाय़ हर काशीवासी अपने गौरव, अपने प्रिय सांसद आदरणीय प्रधानमंत्री जी को रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाने के लिए पूरे मन और पूरी ऊर्जा के साथ प्रतिबद्ध है। हर हर महादेव! हर हर गंगे!

पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया

वाराणसी, 14 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वाराणसी में कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान सबसे पहले पीएम मोदी ने सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया और उन्हें धन्यवाद दिया। पीएम ने कार्यकर्ताओं को एक जून तक अपना उत्साह और उमंग बनाए रखने के साथ-साथ प्रत्येक पोलिंग बूथ पर विजय का मंत्र दिया।

पीएम मोदी ने कहा कि हम सब जानते हैं कि लोगों का विश्वास जीतना आसान नहीं होता है। पंचायत चुनाव में भी जीतना हो तो नाकों चने चबाने पड़ते हैं। 24 घंटे लोगों के प्रति समर्पित रहना पड़ता है तब जनता प्यार करती है और अपना आशीर्वाद देती है। ऐसे में इस बार भी जनता का ये प्यार, ये उत्साह, ये आशीर्वाद रोड शो के साथ-साथ ईवीएम में भी दिखाई देना चाहिए। पीएम ने कहा कि मोदी तो जीत जाएगा, क्योंकि आप जिताने वाले हो, लेकिन इस बार मुझे हर एक पोलिंग बूथ जीतना है, जिसकी जिम्मेदारी आपकी है।

प.बंगाल में अमित शाह का चार चरणों के चुनाव पर बड़ा दावा

380 में 270 सीट लेकर बहुमत प्राप्त कर चुके हैं पीएम मोदी

बोनगांव, 14 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दावा किया कि लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 338 लोकसभा सीटों में से 270 सीटें हासिल कर ली हैं तथा एक जून को चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने तक 400 से अधिक सीटें हासिल हो जाएंगी।

श्री शाह ने उत्तर 24 परगना में मतुआ समुदाय के गढ़ बोनगांव में केंद्रीय मंत्री एवं मौजूदा सांसद शांतनु ठाकुर के पक्ष में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को दोष देने के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी की आलोचना की। उन्होंने बंगाल के मतदाताओं से 42 में से 30 से अधिक सीटें भाजपा के लिए सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए कहा, ममता दीदी आप तब खुश थीं जब आपने ईवीएम वोटिंग के जरिये सत्ता हासिल की और मुख्यमंत्री के रूप में अपने तीन कार्यकाल पूरे किये, लेकिन अब आप आसन्न हार की आशंका के कारण उन्हीं इलेक्ट्रॉनिक मशीनों को दोष दे रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने

बंगाल में कटमनी, घुसपैठ, बम धमाके और सिंडिकेट राज चल रहा

सीएए पर पश्चिम बंगाल के लोगों को गुमराह कर रहीं ममता बनर्जी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बंगाल में अगली सरकार भाजपा की बनने का दावा करते हुए कहा ममता दीदी अब ईवीएम के बारे में शिकायत कर रही हैं। मैं कहूंगा, जब आप मुख्यमंत्री बनीं, तब भी ईवीएम वही थीं। आज जब आपके जाने की बारी है, तो आप ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा, मैं यहां खु-लेआम आपसे कहता हूं कि चिटफंड घोटाला, शिक्षक नियुक्ति घोटाला, नगर निकाय नियुक्ति घोटाला, मवेशी और कोयला तस्करी घोटाले के किसी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और सभी को जेल जाना होगा। श्री शाह ने यह भी आरोप लगाया कि सुश्री बनर्जी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के बारे में झूठ फैला रही हैं तथा वह अपने घुसपैठियों के वोट बैंक को खुश करने के लिए मतुआ समुदाय और दलितों को नागरिकता देने का विरोध कर रही हैं। उन्होंने कहा, सीएए उन हिंदुओं, बौद्धों, जैनियों और सिखों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने के लिए है, जिन्होंने भारत में शरण ली है और इसका लोगों को देश से बाहर निकालने से कोई लेना-देना नहीं है। मैं आपको बताता हूं कि नागरिकता देना देश का काम है। सरकार और किसी भी राज्य के पास इसे रद्द करने की कोई शक्ति नहीं है।

स्कूल-अस्पताल के बाद अब तिहाड़ को बम से उड़ाने की धमकी

एक महीने में ऐसी चौथी घटना, इससे पहले एयरपोर्ट और 100 से ज्यादा स्कूलों को ई-मेल मिले

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। स्कूलों, अस्पतालों और एयपोर्ट के बाद अब दिल्ली में तिहाड़ जेल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। जेल प्रशासन ने तलाशी अभियान चलाया लेकिन जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इससे पहले आज मंगलवार को ही अस्पतालों को फिर से बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। हर बार की तरह इस बार भी धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई। अब तक इस तरह की धमकी स्कूलों, अस्पतालों, एयरपोर्ट और उत्तर-रेलवे की सीपीआरओ बिल्डिंग को मिल चुकी है।

दहशतगर्द ने दीप चंद बंधु अस्पताल, जीटीबी अस्पताल, दादा देव अस्पताल, हेडगेवार अस्पताल और अन्य सहित कई अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल भेजा। बम डिस्पोजल स्क्वाड, बम डिटेक्शन टीम, फायर डिपार्टमेंट और स्थानीय पुलिस चारों अस्पताल में सर्च ऑपरेशन चला रही है। हालांकि, अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारी ने बताया कि उन्हें सबसे पहले दिल्ली के अशोक विहार स्थित दीप चंद बंधु अस्पताल से सुबह 9.45 बजे कॉल आया। इसके बाद सुबह 10.55 में डाबरी स्थित दादा देव अस्पताल, 11.01 बजे फर्श बाजार स्थित हेडगेवार अस्पताल और 11.12 बजे शाहदरा स्थित जीटीबी अस्पताल से सूचना मिली।हेडगेवार अस्पताल के सिक्योरिटी अफसर वी के शर्मा ने बताया कि उनके अस्पताल के एक डॉक्टर को धमकी भरा मेल मिला था। पुलिस और बम डिस्पोजल स्क्वाड की टीम तलाशी ले रही है।

आपा को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बनाया जाएगा आरोपी

दिल्ली शराब घोटाले मामले में ईडी ने हाईकोर्ट को बताया

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बनाया जाएगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट में यह जानकारी दी। ईडी ने यह दलील मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध करते हुए दी। ईडी के वकील ने जज स्वर्णकांत शर्मा के सामने दलील देते हुए बताया कि इस मामले हम अपनी अगली अभियोजन शिकायत (चार्जशीट) में आपा को सह-अभियुक्त बनाने वाले हैं। वकील ने आगे कहा कि आरोपी पक्ष इस मामले में आरोप तय करने की प्रक्रिया में देरी करने के लिए पूरा जोर लगा रहा है। वहीं दूसरी तरफ सिसोदिया के वकील ने

उनकी जमानत की मांग करते हुए कहा कि ईडी और सीबीआई अभी भी मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार मामले में लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं। यह मुकदमा जल्द नहीं निपटने वाला है। दोनों पक्षों की दलील को सुनने के बाद जज ने फिलहाल इस पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

सिसोदिया की 8 मई को हुई पिछली सुनवाई में ईडी और सीबीआई के वकीलों ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से कहा था कि हमें जवाब दाखिल करने के लिए एक हफ्ते का समय चाहिए। 3 मई की सुनवाई में कोर्ट ने ईडी-सीबीआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। साथ ही सिसोदिया को बीमार पत्नी सीमा से हफ्ते में एक बार मिलने की परमिशन भी दी थी।

आपा नेता संजय सिंह ने स्वीकारा, मालीवाल के साथ हुई बदसलूकी

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आपा) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई बदसलूकी के मामले में संजय सिंह ने मंगलवार को मीडिया से बात कर सफाई दी। उन्होंने कहा- 13 मई को बहुत ही निंदनीय घटना घटित हुई, जिसके बारे में आपको बताना चाहता हूं। संजय सिंह बोले- कल (13 मई) सुबह अरविंद केजरीवाल जी से मिलने स्वाति मालीवाल उनके आवास पर पहुंची थीं। ड्रॉइंग रूम में केजरीवाल का इंतजार कर रही थीं।

लिट्टे पर पर लगे प्रतिबंध को केंद्र सरकार ने फिर बढ़ाया

गृह मंत्रालय ने संगठन को देश की सुरक्षा के लिए बताया खतरा

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) पर लगाए गए प्रतिबंध को मंगलवार को 5 सालों के लिए बढ़ा दिया गया है। केंद्र सरकार ने यह निर्णय इसलिए लिया क्योंकि संगठन लगातार लोगों के बीच अलगाववाद की प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रहा है और अपने लिए भारत में, खासकर तमिलनाडु में समर्थन आधार बढ़ा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 की धारा 3 की उपधाराओं (1) और (3) को लागू करते हुए प्रतिबंध लगाया था।गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि केंद्र सरकार की राय है कि लिट्टे अब भी ऐसी गतिविधियों में लिप्त है जो देश की अखंडता और सुरक्षा के लिए नुकसानदेह हैं। इसमें कहा गया है कि मई, 2009 में श्रीलंका में अपनी हार के बाद भी, लिट्टे ने ईलम (तमिलों के लिए एक अलग देश) की अवधारणा को नहीं छोड़ा है और वह प्रचार गतिविधियों तथा धन उगाही के माध्यम से गुप्त रूप से ईलम के लिए काम कर रहा है। अधिसूचना के अनुसार बचे हुए लिट्टे नेताओं या कैडर ने भी बिखरे हुए कार्यकर्ताओं को फिर से संगठित करने तथा स्थानीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगठन को पुनर्जीवित करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। अधिसूचना में कुछ अन्य कारणों का हवाला देते हुए कहा गया है, लिट्टे समर्थक समूह/तत्व जनता के बीच लगातार अलगाववादी प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रहे हैं और भारत तथा विशेष रूप से तमिलनाडु में लिट्टे के लिए समर्थन आधार बढ़ा रहे हैं, जिसका अंततः भारत की क्षेत्रीय अखंडता पर एक मजबूत विघटनकारी प्रभाव होगा।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 22^0

आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का ऐलान

कंगाल पाकिस्तान बेचेगा अपनी सभी सरकारी कंपनियां

एयरपोर्ट और बंदरगाहों को पहले ही बेच चुकी है पाक सरकार

आईएमएफ के भारी-भरकम कर्ज तले दबा है पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 14 मई (एजेंसियां)। इस्लामनाद आर्थिक संकट और आईएमएफ की कड़ी शर्तों से जूझ रहे पाकिस्तान ने सभी सरकारी कंपनियों को बेचने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस्लामाबाद में प्राइवेटाइजेशन कमीशन की मीटिंग में मंगलवार को इसकी घोषणा की है। उन्होंने कहा, बिजनेस करना सरकार का काम नहीं है, सरकार का काम बिजनेस और देश में निवेश के लिए अच्छा माहौल देना है। शरीफ ने कहा कि सभी सरकारी कंपनियों को बेचा जाएगा चाहे मुनाफा कमा पा रही हों या नहीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार सिर्फ उन कंपनियों को अपने पास रखेगी जो रणनीतिक रूप से अहम हैं।

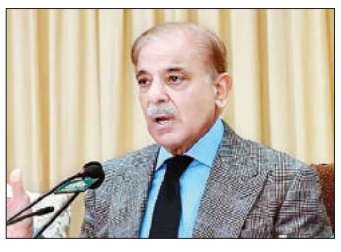

प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रियों से अपील की है कि वो प्रक्रिया का आसान बनाने में प्राइवेटाइजेशन कमीशन का सहयोग करें। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय की दिसंबर 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के पास 88 सरकारी कंपनियां हैं। शहबाज शरीफ ने कंपनियों को बेचने की घोषणा 12 मई को खचक्र की एडवांस टीम के पाकिस्तान दौरे के बाद की है। आईएमएफ के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में पाकिस्तान ने लंबे वक्त के लिए बड़े लोन की मांग की थी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि कंपनियों को बेचने की प्रोसेस को पारदर्शिता से पूरा किया जाएगा। पिछले हफ्ते 24 कंपनियों की लिस्ट बनाई गई, जिन्हें प्राइ-वेटाइजेशन के पहले फेज में बेचा जाएगा।सबसे पहले पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन कंपनी लिमिटेड को प्राइवेटाइज किया जाएगा। इसकी बोली लगेगी और उसे टीवी पर लाइव ब्रॉडकास्ट किया जाएगा। पाकिस्तान में कंपनियों को बेचने के प्रोग्राम को प्राइवेटाइजेशन प्रोग्राम 2024-2029 नाम दिया गया है। इसमें पाकिस्तान की बिजली कंपनियां भी शामिल हैं। सबसे पहले उन कंपनियों को बेचा जाएगा जो घाटे में हैं। उनके बाद मुनाफा कमाने वाली सरकारी कंपनियों को बेचा जाएगा। पाकिस्तान को आईएमएफ से बेलआउट पैकेज मिलने के बाद से कई कड़े फैसले लेने पड़े हैं। न्यूज एजेंसियों के मुताबिक पाकिस्तान ने आईएमएफ के दबाव में आकर सभी सरकारी कंपनियों को बेचने का फैसला किया है। इससे पहले जब पिछले साल पाकिस्तान को आईएमएफ से 10 हजार करोड़ रुपए का पैकेज मिला था, तब भी शरीफ सरकार को कई कड़े फैसले लेने को कहा गया था। आईएमएफ ने हर तरह की सब्सिडी खत्म करने, पेट्रोल-डीजल और बिजली 30% तक महंगी करने और टैक्स कलेक्शन 10% तक बढ़ाने की मांग की थी।पाकिस्तान आर्थिक तंगहाली से निकलने की हर संभव कोशिश कर रहा है। इस कड़ी में न सिर्फ सरकारी कंपनियां बल्कि पाकिस्तान अपने बंदरगाहों और एयरपोर्ट्स तक पर बेच चुका है। पाकिस्तान ने पिछले साल इस्लामाबाद एयरपोर्ट को ठेके पर देने का फैसला किया था। पूर्व एविएशन मिनिस्टर ख्वाजा साद रफीक ने संसद में इसकी जानकारी दी थी। हालांकि, साद रफीक ने कहा था कि ठेके पर देने का मतलब ये नहीं है कि सरकार एयरपोर्ट को बेच रही है, बल्कि अच्छे ऑपरेटर को एयरपोर्ट के काम में शामिल करने के लिए ऐसा किया जा रहा है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कविता संक्रामक होगी तो दुनिया सुंदर होगी : प्रो. श्रीप्रकाश शुक्ल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के रचनाकारों की सुप्रसिद्ध साहित्य संस्था शब्द की रविवार को आयोजित मासिक रचनागोष्ठी मुंबई, दिल्ली एवं बनारस से पधारे नामचीन कवियों एवं कथाकारों की शिरकत से अविस्मरणीय बन गयी । मुख्य अतिथि प्रो. श्री प्रकाश शुक्ल ने कहा कि विचारों के प्रसार का समर्थ वाहक शब्द बुनियादी तौर पर ज्योतिपुंज होता है। शब्द इकाई रूप में भले निजी विचारों का वाहक होता है, किंतु निज की भी सामूहिकता होती है और वह कितनी प्रभावकारी होती है, उससे आज परिचित होने का सुअवसर मिला। उन्होंने कहा कि कविता आदिम विधा है, जो आत्म को सामाजिक तथा सामाजिक को आत्मीय बनाती है। इस मायने में कविता संक्रामक विद्या है। कविता जितनी संक्रामक होगी दुनिया सुंदर होगी। समय लौटकर वापस नहीं आता, किंतु कविता बार-बार लौटकर आती है और सत्य, जो साहसिकता है तथा धर्म, जो नतिकता है, का पाठ पढ़ाती है।

इसलिए कविता का मूल उद्देश्य सत्य और धर्म की रक्षा करना है। प्रो. शुक्ल ने इस अवसर पर अपनी कविताएँ भी सुनाईं। रचनागोष्ठी में विख्यात कथाकार सुधा अरोड़ा ने साहित्यिक संस्मरणों के माध्यम से रचनाकार और समाज के रिश्ते को रेखांकित किया तथा कहा कि साहित्य की संगति सर्जक के जीवट को परम बनाती है। उन्होंने रविवार को विश्व मातृ दिवस होने की चर्चा करते हुए मानवीय संबंधों पर केंद्रित कविताएं भी सुनाईं। रचनागोष्ठी में विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कवि विनोद कुमार श्रीवास्तव ने मानवीय अनुभूति और संबंधों को उद्घाटित एवं व्याख्यायित करती कई उम्दा कविताएं सुनाईं। चर्चित कथाकार भालचंद्र जोशी ने इस अवसर पर मनुष्य-जीवन और साहित्य के लिए रचनाकार की अवलोकन दृष्टि को महत्त्वपूर्ण बताया। शब्द के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि यह समय विज्ञान का है और विज्ञान की चेतना में बुद्धि एवं विवेक का बोलबाला होता है, जबकि कविता में संवेदना और करुणा की भूमिका सर्वोपरि होती है। बाजार और टेक्नोलॉजी के आगमन से आज विवेक पर भोग हावी हुआ है। जो व्यवस्था आदमी को अविवेकी और भोगवादी बनाती हो, उसका विरोध करना कविता का स्वभाव है। आज के संकटपूर्ण समय में मनुष्य समाज को कविता की सर्वाधिक जरूरत है। संकट में मनुष्य मातृभाषा बोलता है और कविता मनुष्यता की मातृभाषा होती है। वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर के काव्य पाठ से शुरू हुई रचनागोष्ठी में युवा कवि दीपक सोपोरी, कविता भट्ट, ऋताशेखर मधु, नलिनी पोपट, विद्या कृष्णा, उषारानी राव, श्रीकांत शर्मा, राजेन्द्र गुलेच्छ, रामरतन सिंह, वरुण सिंह तन्हा, कुमार गोरख देवेन्द्र, मैथिली राव, बिंदु रायसोनी और किशोर कवयित्री श्रेयसी राव की कविताएं श्रोताओं द्वारा खूब सराही गई। इस मौके पर कुमार गोरख देवेन्द्र के काव्य संग्रह बिखरे रंग हजार का लोकार्पण भी हुआ। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन शब्द की सचिव उषारानी राव ने किया।

कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग का दीक्षांत समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का दीक्षांत समारोह केएलई स्कूल सोसायटी ऑडिटोरियम राजाजीनगर में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। दीक्षांत समारोह का विधिवत आगाज राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा किया गया।

भिक्षु श्रद्धा स्वर टीम ने विजय गीत का संगान किया। अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरना ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने सभी का स्वागत करते हुए मंगलकामना संप्रेषित की। सप्त दिवसीय कार्यशाला प्रशिक्षण ट्रेनर धर्मेश कोठारी, जिनी हीरावत एवं अरविंद पोखरणा ने सात दिनों में विभिन्न वक्तव्य कला को सिखाया।

सभी 30 प्रतिभागियों ने अपने वक्तव्य से उपस्थित श्रोताओं को ओत-प्रोत किया। नेशनल प्रोविजनल ट्रेनर अरविंद पोखरणा ने विशेष सात प्रतिभागियों की घोषणा की और अभातेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी को पुरस्कृत किया। तेयुप राजाजीनगर द्वारा अभातेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष, अभातेयुप परिवार, ट्रेनर्स का सम्मान करते हुए सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अथिति विमलजी कटारिया, विशिष्ट अतिथि अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक एवं सप्त दिवसीय सीपीएस कार्यशाला के प्रायोजक दिनेश पोखरना, अभातेयुप वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत, सीपीएस सलाहकार सतीश पोरवाड़ एवं सीपीएस सहप्रभारी सोनू डागा ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर मुख्य प्रशिक्षक अरविंद मांडोत, संभाग प्रमुख अमित दक, तेयुप गांधीनगर अध्यक्ष रजत बैद, तेयुप प्रबंध मंडल, तेयुप सदस्यों की उपस्थिति रही। आभार राजेश देरासरिया ने व्यक्त किया। सीपीएस कार्यशाला को सुव्यवस्थित आयोजन करने में संयोजक संजय मांडोत, जीतु मेहता एवं दीपक गिलुण्डिया का अथक परिश्रम नियोजित हुआ।

खांडल विप्र समाज ने मनाई परशुराम जयंती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

खांडल विप्र समाज ने भगवान परशुराम जयंती समारोह का आयोजन एयरपोर्ट रोड स्थित रॉयल पाम गार्डन में हर्षोल्लास के साथ किया। अध्यक्ष जसवंत बील ने पूजा अर्चना की। समारोह में उपस्थित समाज के लोगों को ट्रस्ट अध्यक्ष शंकर लाल चोटिया ने बताया कि भगवान परशुराम शस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन भगवान की आराधना में बिताया। उन्होंने कहा कि परशुराम ने सदा समाज में व्याप्त बुराइयों का विरोध करते हुए एक सशक्त समाज की स्थापना की और भावपूर्ण होकर पूजा अर्चना कर के जयंती के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को किसी भी तरह से सामाजिक कार्यक्रम के लिए समय जरुर आगे आना चाहिए। महिला अध्यक्ष ममता चोटिया ने प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया एवं विजेताओं को उपहार दिए गए। इस मौके पर पवन कुमार शर्मा के साथ प्रेमलता एवं खाण्डल विप्र महिला मंडल की महिलाओं ने भजन के साथ कार्यक्रम में समाँ बांध कर दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। मंत्री भंवरलाल बढ़ाडरा ने बताया कि कैसे भगवान परशुराम ब्राह्मण होते हुए भी उनमें छत्रिय गुण का समावेश हुआ। जयंती समारोह में मुरारी लाल रिनवा, पवन माटोलिया, चेनराज रिनवा, सुनील चोटिया, विष्णु बढ़ाडरा के साथ समाज के गणमान्य बन्धु तथा महिलाएं मौजूद होकर परशुराम भगवान के दर्शन किये। संचालन योगेश चोटिया ने किया।

भिक्षु भक्ति संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा केएलई सोसायटी स्कूल राजाजीनगर में भव्य भिक्षु भक्ति संध्या का आयोजन किया गया।

भक्ति संध्या की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। तेयुप अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने प्रधारे हुए भिक्षु भक्त का स्वागत करते हुए अपने आराध्या के प्रति अभ्यर्थना व्यक्त की। तेयुप राजाजीनगर द्वारा संचालित भिक्षु श्रद्धा स्वर समुह से संजय मांडोत एवं जितेंद्र कोठारी ने गीतिका की प्रस्तुति दी।

भीलवाड़ा से पधारे मधुर गायक ऋषि दुगड़ ने वातावरण को भिक्षु मय बनाते हुए स्वामीजी के अनेक दृष्टांत गीत एवं लघुकथा के माध्यम से उपस्थित श्रोताओं को ओत-प्रोत किया। प्रायोजक परिवार गुरु पुनवानी हनुमानमल संजय बैद, प्रकाशचंद, विकास बोल्या, रोशनलाल, दिनेश पोखरणा, मनोहरलाल, गौतम चंद गन्ना एवं गौतमचंद, संपतलाल दक परिवार का तेयुप राजाजीनगर द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर अभातेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा, पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत, अमित दक, अभातेयुप परिवार, तेरापंथ सभा ट्रस्ट राजाजीनगर अध्यक्ष रोशनलाल कोठारी समेत अन्य लोगों की उपस्थिति थी।

सीप बीनते समय युवक नदी में डूबा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के मुल्की पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में कोलाची कंबाला समुद्र तट के पास बाजपे आद्यापदी से ससिहिथलु मुंडा समुद्र तट पर अपने दोस्तों के साथ आया एक युवक नदी में डूब गया और लापता हो गया। लापता युवक की पहचान अभिलाष (24) के रूप में हुई है, जो ओल्ड एयरपोर्ट आद्यापदी बाजपे का निवासी है और अपने नौ दोस्तों के साथ कोलाची कंबाला समुद्र तट पर केकड़े पकड़ने और क्लैम चुनने आया था। चूंकि शांभवी नदी में जल स्तर कम था, इसलिए समूह नदी के बीच की ओर दो किलोमीटर तक चला। जब वे ससिहिथलू मुंडा समुद्र तट के मुहाने पर पहुंचे, तो जल स्तर बढ़ने के कारण धनुष और जीवन अचानक डूबने लगे। उन्हें तैरना नहीं आता था। अभिलाष ने उन्हें बचाने का प्रयास किया लेकिन वह भी डूब गया। टीम के बाकी सदस्यों की चीखें सुनकर सदाशिव कोटियन और हेजमाडी के अन्य मछुआरे घटनास्थल पर पहुंचे और धनुष और जीवन को बचा लिया, लेकिन वे अभिलाष को नहीं ढूंढ सके। अभिलाष अविवाहित था और मेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर अनुबंध के आधार पर काम करता था।

बॉलिंग कार्यक्रम बी बाउल-डी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेसीआई बेंगलूरु कॉस्मो ने रविवार को गो बाउल, गोपालन आर्केड मॉल में अपने सदस्यों के लिए एक मजेदार बॉलिंग कार्यक्रम बी बाउल-डी का आयोजन किया।

इस आयोजन का उद्देश्य सदस्यों को एक साथ लाना और अच्छी बॉन्डिंग साझा करना था। इसमें 67 सदस्यों ने भाग लिया और इसके अलावा उन्होंने केक काटने की रस्म के साथ वहां मौजूद सभी माताओं और सदस्यों के साथ मदर्स डे भी मनाया। यह शाम का एक विशेष क्षण था।

इस कार्यक्रम में कॉस्मो के अध्यक्ष जेसी भरत हंसराज, कोषाध्यक्ष जेसी जयेश जैन उपस्थित थे।

इस आयोजन को सफल बनाने में प्रोजेक्ट टीम वीपी जीएंडडी निखिल बाफना, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर जेसी मोहित जैन, प्रोजेक्ट डायरेक्टर जेसी नकुल डागा थे। गेंदबाजी, मेलजोल और केक के साथ मदर्स डे मनाने का संयोजन हर किसी के समग्र अनुभव में एक यादगार पहलू जोड़ता है।

ज्ञानशाला में बच्चों में दिखा उत्साह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बेंगलूरु सेंट्रल के तत्वावधान में रविवार को प्रातः 8.30 बजे से 10 बजे तक वासवी टेंपल रोड स्थित वीवीपुरम जैन कॉलेज में जैन धार्मिक बाल संस्कार ज्ञानशाला का आयोजन किया गया।

जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने उपस्थित रहकर जैनत्व, इतिहास के साथ संस्कार निर्माण की शिक्षा प्राप्त की। इस अवसर पर पूर्व में आयोजित परीक्षा में भाग लेने वाले ज्ञानशाला के बच्चों को कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ द्वारा प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने पर सभी बच्चों में खासा उत्साह दिखाई दिया। इस अवसर पर बड़ों के साथ युवा मंडल के अध्यक्ष प्रदीप धोका, युवा मंत्री गौरव लुंकड़, अनिल ओस्तवाल के साथ सभी युवा मंडल के साथियों ने व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया।

अध्यापन व्यवस्था में संजय कुमार कचोलिया, प्रेमचंद्र चंद्रावत, अलका कोचेटा, संजना मरलेचा ने अपनी सेवाएं प्रदान की। मंगलपाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

एसएसएलसी टॉपर अंकिता को दी बधाई

परिणाम ने साबित कर दिया कि सरकारी स्कूल के छात्र और शिक्षक भी सक्षम: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने एसएसएलसी में राज्य में प्रथम रैंक पाने वाली अंकिता बसवराज को 5 लाख रुपये के नकद पुरस्कार के साथ बधाई दी। शिवकुमार ने अंकिता के माता-पिता और स्कूल के शिक्षकों को अपने घर पर आमंत्रित किया और सरकार की ओर से एक प्रशंसा पत्र प्रस्तुत किया, जिस पर उन्होंने व्यक्तिगत रूप से तारीख दर्ज की। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से 5 लाख रूपये का चेक वितरित किया। उन्होंने तीसरी रैंक पाने वाले मांड्या के नवनीत को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की। इस मौके पर बोलते हुए डी.के.शिवकुमार ने कहा कि बागलकोट

की अंकिता ने 625 के मुकाबले 625 अंक हासिल किए और पहली रैंक हासिल की। जब मैं पढ़ रहा था तब भी बहुत से लोग रैंक प्राप्त कर रहे थे, बेंगलूरु के स्कूलों में रैंक प्राप्त करना कोई बड़ी बात नहीं है। लेकिन यह सराहनीय है कि एक सरकारी स्कूल के छात्र को विशेष रूप से ग्रामीण हिस्से में रैंक मिली। मैं स्वभाव से एक राजनीतिज्ञ हूं। लेकिन शैक्षणिक सेवा मेरी पसंद है। मेरा लक्ष्य राज्य के ग्रामीण हिस्सों में पंचायत स्तर पर 2000 मॉडल स्कूल शुरू करना है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सीएसआर अनुदान का उपयोग करके स्कूलों के निर्माण पर सहमत हुए हैं। उन्होंने

बताया कि रामनगर में ऐसे 20 स्कूलों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, जिसका प्रतिनिधित्व सांसद डीके सुरेश कर रहे हैं। आचार संहिता के कारण अभी तक बैठकें नहीं हो पाई हैं। अब नियमित बैठकें की जाएंगी और स्कूलों के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाएगी। डीके शिवकुमार ने कहा कि मोरारजी आवासीय विद्यालय, बागलकोट की छात्रा अंकिता के परिणाम ने साबित कर दिया कि सरकारी स्कूल के छात्र सक्षम हैं और शिक्षक भी सक्षम हैं। इस बीच डीके शिवकुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए मोरारजी स्कूल के प्रिंसिपल को बधाई दी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एसके क्रिएशन द्वारा कन्नड़ साहित्य परिषद के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं प्रशांत संवर्गी को सम्मानित किया गया। क्रिएशन के संतोष कश्यप एवं अन्य सदस्य मौजूद थे।

पेन ड्राइव मामले में प्रचार के लिए मेरे नाम का किया जा रहा इस्तेमाल : डीके शिवकुमार

केरल के नेताओं ने की शिवकुमार से मुलाकात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने स्पष्ट किया है कि हासन का पेन ड्राइव मामला एक ऐसी समस्या है जिसके बारे में हम नहीं जानते हैं। अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने अपहरण मामले में पीड़िता के वीडियो और ऑडियो पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जो भी पूछना है एसआईटी से पूछे, मुझे इसकी जानकारी नहीं है। कुछ लोग मेरा नाम इसलिए लेते हैं क्योंकि मेरे नाम का इस्तेमाल करने से प्रचार मिलेगा।

लेकिन सच तो यह है कि मैं इस बारे में कुछ नहीं जानता। उन्होंने विपक्षी नेता आर. अशोक और वरिष्ठ भाजपा नेता अश्वथ नारायण के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि यह सब एक साजिश है और हमें उचित समय पर जवाब देना चाहिए। मैं दो दिनों के लिए उत्तर प्रदेश के रायबरेली में लोकसभा चुनाव के प्रचार में शामिल होने जा रहा हूं। बुधवार को मेरा जन्मदिन है इसलिए कोई भी घर के पास न आये। उन्होंने कहा कि वह पहले ही जन्मदिन नहीं मनाने का अनुरोध कर चुके हैं।

पूरे देश में मौसम अच्छा है। विश्वास है कि भारत गठबंधन सरकार बनाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का बयान निर्णायक मोड़ साबित होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि जो विधायक उनके साथ हैं, वे लोकसभा चुनाव के बाद शिवसेना और एनसीपी में लौट आएंगे। इससे पहले केरल के संसद सदस्य एंटो एंटनी ने शिवकुमार से उनके गृह कार्यालय में मुलाकात की। एक दिन पहले राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने पीड़िता द्वारा दिए गए बयान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया था जिसके कारण पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना की गिरफ्तारी हुई थी। शहर में मीडिया ने हमेशा की तरह गृह मंत्री का बयान लेने की कोशिश की। परमेश्वर ने अपना चेहरा घुमा लिया और एसआईटी के कहे अनुसार जवाब देने से इनकार करते हुए कार में बैठ गए। जब उनसे अपहरण कांड की पीड़िता के बयान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि एसआईटी से पूछा जाना चाहिए। वह यह कहकर वहां से चले गए कि वह हर दिन एसआईटी जांच की जानकारी नहीं दे सकते। हासन में पाए गए पेन ड्राइव पर अश्लील वीडियो सामने आने के बाद से कई विकास हुए हैं, और कहा जाता है कि वीडियो में मौजूद पीड़ितों में से एक का अपहरण कर लिया गया था। महिला के बेटे ने पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना और संतोष बाबू के खिलाफ मैसूरु के केआर नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

इस मामले में एचडी रेवन्ना और उनके रिश्तेदार संतोष बाबू को गिरफ्तार किया गया था।

गुमनाम जगह से वीडियो संदेश

अब पीड़ित महिला ने गुमनाम जगह से वीडियो संदेश के जरिए अपना बयान दिया है। महिला ने साफ किया कि उसका किसी ने अपहरण नहीं किया है। मैं रिश्तेदार के घर आई हूं। मैं सुरक्षित और स्वस्थ हूं। उनके बेटे ने शिकायत की, क्योंकि वह मुझे नहीं देख रहे थे। मुझे किसी से कोई परेशानी नहीं है। यहां उनका अच्छे से ख्याल रखा जाता है। जब उन्होंने अपने रिश्तेदार के घर टीवी देखा तो पता चला कि रेवन्ना मुसीबत में हैं। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि मुझे रेवन्ना, भवानी अक्का या संतोष बाबू से कोई समस्या नहीं है, किसी ने मेरा अपहरण नहीं किया है। मैं कुछ दिन बाद आऊंगी। विवादित वीडियो से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। महिला ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उसे नहीं पता कि इस तरह का अभियान क्यों चलाया जा रहा है। हम दिहाड़ीदार हैं। पुलिस बेवजह हमारे घर जाकर हमें परेशान न करे। महिला ने अधीरता जाहिर करते हुए कहा कि घर में छोटे-छोटे बच्चे हैं, वे डर रहे हैं और पड़ोसी शक की निगाह से देख रहे हैं।

पेन ड्राइव मामले का विधान परिषद चुनाव पर कोई असर नहीं: सीएम

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि पेन ड्राइव मामले का शिक्षक और स्नातक क्षेत्र से विधान परिषद के लिए चल रहे द्वि-वार्षिक चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि स्नातक व शिक्षक मतदाता परिपक्व हैं। उनके पास यह सोचने का विवेक है कि क्या सही है और क्या गलत है और केंद्र सरकार के 10 वर्षों के प्रशासन और हमारी सरकार की उपलब्धियों की समीक्षा करें। इसलिए पेन ड्राइव मामले पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बेंगलूरु दक्षिण समेत सभी विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस समर्थक माहौल है। हमारी पार्टी ने चुनाव को गंभीरता से लिया है। उम्मीदवारों की घोषणा छह महीने पहले ही कर दी गई थी। इस प्रकार मतदाता भ्रमण का एक दौर पूरा हो चुका है। चूंकि जेडीएस-भाजपा पार्टियां गठबंधन में हैं, इसलिए हमारे पास खोने के लिए कुछ नहीं है। लोकसभा चुनाव में भी उन्होंने गठबंधन किया था।

लेकिन उन्होंने भरोसा जताया कि मतदाता हमारे पक्ष में झुक रहे हैं। सिद्धरामैया ने पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी के उस बयान, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके पास एक पेन ड्राइव है जो भ्रष्टाचार के मामले से जुड़ी है, पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर वे पेन ड्राइव को रिहा कर दें तो सरकार जांच कराएगी। उन्होंने कहा कि एचडी कुमारस्वामी के बयान पर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। वे एक साल से कह रहे हैं कि हमारी सरकार गिर जायेगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पहले अपनी सरकार बचाने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के बारे में बात करने की जरूरत नहीं है। कांग्रेस में कोई अंतर्कलह नहीं है। राजनीति के लिए विपक्ष को जो कहना है कहने दीजिए। अगर अंदरूनी कलह होती तो क्या लोकसभा चुनाव का मुकाबला इतनी एकजुटता से करना संभव होता?

ईश्वरप्पा ने चुनाव आयोग से शिकायत कर बीवाई राघवेंद्र की गिरफ्तार की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गैर-पार्टी उम्मीदवार केएस ईश्वरप्पा ने मंगलवार को राज्य चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कर शिवमोग्गा लोकसभा उम्मीदवार बीवाई राघवेंद्र की गिरफ्तारी की मांग की। इसके बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि शिवमोग्गा लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार बी वाई राघवेंद्र ने चुनाव से एक दिन पहले एक फर्जी वीडियो जारी किया था। वीडियो पिछले चुनाव का था जिसमें मैंने भाजपा उम्मीदवार का समर्थन किया था। इसमें कहा गया है कि मैं चुनावी मैदान से हट रहा हूं। इस प्रकार राघवेंद्र के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। उन्होंने वही वीडियो जारी किया है जो मैंने पिछले चुनाव में प्रचार किया था। चुनाव हारने के डर से बी.वाई.राघवेंद्र ने अपनी और नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ एक फर्जी वीडियो जारी किया है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के साथ धोखा है। जो वीडियो जारी किया गया है उसका अभी हुए चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है। महाराष्ट्र मॉडल पर सरकार गठन के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और डीसीएम शिवकुमार को इसका जवाब देना चाहिए। वे खोखले हैं या ठोस, जवाब तो उन्हें ही देना होगा। मुझे नहीं पता कि सरकार क्या करेगी। मैं कोई भविष्यवक्ता नहीं हूं। हासन के पेन ड्राइव मामले के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा ये केस सीबीआई को दिया जाना चाहिए।

एचडी रेवन्ना की रिलीज पर कुमारस्वामी बोले, जश्न मनाने का समय नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री और जद (एस) के राज्य प्रमुख एच.डी. कुमारस्वामी ने मंगलवार को कहा कि यह उनके और पार्टी के लिए जश्न मनाने का समय नहीं है। उन्होंने अदालत द्वारा एच.डी. रेवन्ना को जमानत दिए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बात कही। रेवन्ना कथित सेक्स वीडियो स्कैंडल मामले में आरोपी हैं।

उन्होंने कहा मैं घटनाक्रम से खुश नहीं हूं, यह जश्न मनाने का समय नहीं है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए भी जश्न मनाने का यह उचित समय नहीं है। मुझसे यह उम्मीद न करें कि मैं रिलीज का जश्न मनाऊंगा। यह एक घृणित घटना है। एच.डी. रेवन्ना को उनके बेटे जद (एस) सांसद और लोकसभा उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े एक सेक्स वीडियो घोटाले की पीड़िता के अपहरण मामले में जेल हुई थी। अदालत ने एच.डी. रेवन्ना को सोमवार को सशर्त जमानत दी और वह मंगलवार को रिहा हो गए। कुमारस्वामी ने आगे कहा कि एच.डी. रेवन्ना की गिरफ्तारी की घटना पूरे राज्य के लिए एक शर्मनाक घटना थी। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा हमारे राज्य में एक बड़ी शार्क है और राज्य के लोग इसके बारे में जानते हैं। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि एचडी रेवन्ना की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के परिवार को बदनाम करने के लिए रेवन्ना के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। रेवन्ना को जन प्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने जमानत दे दी है और यह समय पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए पटाखे फोड़ने और जश्न मनाने का नहीं है, क्योंकि जब दोषियों को सजा मिले तो जश्न मनाना चाहिए।

पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना जेल से रिहा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक महिला के अपहरण के मामले में अदालत द्वारा जमानत दिए जाने के बाद पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना की मंगलवार को न्यायिक हिरासत से रिहाई संभव हो सकी।

सुबह रेवन्ना के वकील ने परप्पाना अग्रहारा सेंट्रल जेल अधिकारियों को आदेश की एक प्रति दी और जमानत की शर्तें पूरी करने के बाद रेवन्ना को रिहा कर दिया गया। इससे रेवन्ना की 6 दिन की कैद खत्म हो गई। महिला अपहरण मामले में जन प्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने रेवन्ना को 6 दिन की न्यायिक हिरासत की सजा सुनाई थी। रेवन्ना के वकील ने कहा कि इस मामले में उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। उनके खिलाफ आरोप को साबित करने के लिए कोई परिस्थितिजन्य साक्ष्य नहीं है। रेवन्ना के वकील सीवी नागेश ने मजबूत दलील पेश करते हुए कहा था कि उन्होंने किसी को धमकी नहीं दी है। सरकार समर्थक विशेष अभियोजक जोयना कोठारी और अशोक नाइक ने एसआईटी की ओर से दलीलें दीं। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने सोमवार को कई शर्तों के साथ रेवन्ना को जमानत दे दी।

गलत ट्रेन में चढ़ने के दौरान मौत का मामला

कोर्ट ने महिला के परिवार को मुआवजा देने का दिया आदेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने रेलवे दावा न्यायाधिकरण के एक फैसले को पलट दिया है और उस महिला के परिवार को 8 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है, जिसने फरवरी 2014 में गलत ट्रेन में चढ़ने के प्रयास में अपनी जान गंवा दी थी। जयम्मा और उनकी बहन रत्नम्मा गलती से अशोकपुरम/मैसूरु जाने वाली तिरूपति पैसेंजर ट्रेन के बजाय तुत्तुकुड़ी एक्सप्रेस में चढ़ गईं। जैसे ही ट्रेन चलने लगी तो उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ, वे घबरा गए और उतरने का प्रयास करने लगे। दुर्भाग्यवश, जयम्मा मंच पर गिर गईं और उन्हें घातक चोटें आईं। प्रारंभ में, रेलवे दावा न्यायाधिकरण ने परिवार की याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें जयम्मा द्वारा उपलब्ध विकल्पों का उपयोग करने में विफलता का हवाला दिया गया, जैसे कि अगले स्टेशन तक यात्रा जारी रखना या अलार्म चेन खींचना। ट्रिब्यूनल ने जयम्मा की मौत को भारतीय रेलवे अधिनियम की धारा 124-ए के तहत खुद को पहुंचाई गई चोट माना, जिससे मुआवजे से इनकार कर दिया गया। उसके बाद कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एच पी संदेश ट्रिब्यूनल की व्याख्या से असहमत थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जयम्मा एक वास्तविक यात्री थीं और उनकी मृत्यु एक अप्रिय घटना के कारण हुई, जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने पुष्टि की थी। न्यायाधीश ने धारा 124-ए पर ट्रिब्यूनल की निर्भरता की आलोचना करते हुए कहा कि इसे इस मामले में गलती से लागू किया गया था। नतीजतन, अदालत ने हाल ही में रेलवे को 7 प्रतिशत ब्याज के साथ 4 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया, यह सुनिश्चित करते हुए कि परिवार को दी जाने वाली अंतिम राशि ब्याज सहित 8 लाख रुपये से कम न हो।

19 मई तक बेंगलूरु, तटीय कर्नाटक में मध्यम वर्षा की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार से 19 मई तक बेंगलूरु और तटीय और दक्षिणी कर्नाटक के आंतरिक हिस्सों में लगातार बारिश की भविष्यवाणी की है। आईएमडी ने कहा कि शहर में बारिश या गरज के साथ बौछारें और बारिश या तूफान की संभावना देखी जाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शहर में मई में अब तक 45.9 मिमी बारिश हुई है और महीने के अंत तक औसतन 128.7 मिमी तक पहुंचने का अनुमान है। 16 मई तक तटीय और दक्षिणी कर्नाटक में भारी बारिश की संभावना है। बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) पर उड़ान संचालन पिछले सप्ताह बुरी तरह प्रभावित हुआ था। 12 मई को भारी बारिश के कारण 11 उड़ानें पुनर्निर्देशित की गईं, 9 मई को टर्मिनल 2 को हुए नुकसान के बाद 17 उड़ानें डायवर्ट की गईं और 6 मई को आठ उड़ानें डायवर्ट की गईं। कथित तौर पर 6 से 12 मई तक तेज हवाओं के कारण लगभग 1,000 पेड़ गिर गए। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र के संस्थापक और सेवानिवृत्त विशेष निदेशक वीएस प्रकाश ने कहा कि शुक्रवार, शनिवार और रविवार को राज्य के तट और दक्षिणी अंदरूनी इलाकों में बारिश बढ़ने की संभावना है। प्रदेश के कई जिलों में प्री-मानसून बारिश छिटपुट हो रही है। यह अभी तीन दिन तक जारी रहेगा, लेकिन शुक्रवार के बाद बारिश बढ़ेगी। मौसम में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और शाम और रात के दौरान कई जगहों पर बारिश होगी। कुछ स्थानों पर तूफान, बिजली और गरज के साथ बारिश की भी संभावना है। सोमवार को भी बेंगलूरु, मैसूरु, चामराजनगर, बेल्लारी, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, यादगिरी, कलबुर्गी समेत कई जिलों में छिटपुट बारिश हुई थी।

एचडी रेवन्ना की जमानत का जश्न

पटाखे फोड़ रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने तितर-बितर किया

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस सोमवार रात को हासन जिले के होलनरसीपुर में महात्मा गांधी सर्कल पर पहुंची, ताकि जद (एस) के कार्यकर्ताओं को तितर-बितर किया जा सके, जो अपने विधायक एचडी रेवन्ना को उनके बेटे प्रज्वल के खिलाफ चल रहे यौन शोषण मामले में सशर्त जमानत मिलने का जश्न मनाने के लिए पटाखे फोड़ रहे थे। पुलिस ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आचार संहिता लागू होने के कारण पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं है। उल्लेखनीय है कि रेवन्ना मैसूरु जिले की एक महिला के कथित अपहरण मामले में 4 मई से जेल में थे। सोमवार शाम को उन्हें सशर्त जमानत दे दी गई। जब रेवन्ना के समर्थकों को पटाखे फोड़ने से रोका गया तो उनके समर्थकों और पुलिस के बीच कुछ देर तक तीखी बहस हुई। सोमवार शाम को जमानत दिए जाने के बाद, पार्टी के सदस्य सर्कल में एकत्र हुए और एचडी देवेगौड़ा और एचडी रेवन्ना के नाम के नारे लगाए। उन्होंने जश्न मनाने के लिए पटाखे फोड़ना शुरू कर दिया, तभी पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर-बितर कर दिया। उन्होंने मौके से पटाखों के रोल भी हटा दिए, जिससे जद (एस) सदस्य नाराज हो गए और तीखी नोकझोंक हुई। पार्टी कार्यकर्ताओं ने हासन जिले के अरसीकेरे तालुक के गंडासी हैंड पोस्ट पर भी पटाखे फोड़े और जश्न मनाया।

नफरती भाषण मामले में मोदी और ठाकुर के खिलाफ दायर याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई अन्य नेताओं की ओर से आम चुनाव 2024 में अप्रैल-मई के दौरान कथित तौर पर नफरती भाषण देने के खिलाफ उन पर कानूनी कार्रवाई करने के लिए चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग वाली याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने डॉ. इमानी अनंत सत्यनारायण सरमा और अन्य की याचिकाएं खारिज करते हुए कहा वह इस मामले में सुनवाई करने के इच्छुक नहीं है। पीठ ने कहा कि अदालत इस संबंध में चुनाव आयोग को कोई निर्देश जारी नहीं कर सकती है। पीठ की अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, हम हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं। हम अनुच्छेद 32 के तहत ऐसे निर्देश जारी नहीं कर सकते। इसलिए इन याचिकाओं को खारिज किया जाता है।याचिकाकर्ताओं का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने याचिका पर शीघ्र सुनवाई का अनुरोध करते हुए पहले कहा था कि चुनाव आयोग इस मामले में अपना काम ठीक से नहीं कर रहा है। इस पर पीठ ने शुरुआत में ही स्पष्ट कर दिया कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं है। इसके बाद हेगड़े ने पीठ के समक्ष दलील देते हुए कहा अदालत कम से कम यह स्पष्ट कर सकती है कि केवल इस स्तर पर वह याचिका पर विचार नहीं कर रही है। शीर्ष अदालत ने उनकी यह दलील भी ठुकरा दी और आदेश में इस स्तर पर शब्द जोड़ने से इनकार कर दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय श्री मोदी और अन्य के खिलाफ इस मामले में कार्रवाई करने की मांग वाली याचिकाएं पहले ही खारिज चुकी है।

देश की हॉट सीट मंडी से कंगना रनौत ने भरा नामांकन, किया मेगा रोड शो

मंडी, 14 मई (एजेंसियां)।

देश भर में हॉट सीट बन चुके मंडी संसदीय क्षेत्र से मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी व फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपना नामांकन पत्र निर्वाचन अधिकारी अपूर्व देवगन के समक्ष दाखिल कर दिया। नामांकन से पहले भाजपा ने पड्डल मैदान से लेकर डीसी ऑफिस तक मेगा रोड़ शो निकाला। इस रोड़ शो में हजारों की संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता शामिल हुए और नाचते-गाते पूरे शहर में नारे लगाते हुए डीसी ऑफिस के गेट तक पहुंचे। मेगा रोड़ शो के माध्यम से कहीं न कहीं भाजपा ने हाल ही में हुई कांग्रेस की नामांकन रैली का जबाव देने का प्रयास भी किया। इसके बाद कंगना, पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डा. राजीव बिंदल और अपनी माता संग निर्वाचन अधिकारी के समक्ष पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। कंगना ने

मीडिया कर्मियों से बातचीत में कहा कि आज उनके नामांकन को लेकर पूरे मंडी संसदीय क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिल रहा है। लोगों में इस बात को लेकर अधिक उत्साह है कि मंडी की बेटी आज चुनावी मैदान में है और उसे हर हाल में विजयी बनाना है। कंगना ने कहा कि जो भीड़ यहां पर एकत्रित हुई है वो तो भाजपा के पक्ष में वोट करेंगे ही लेकिन जो लोग नहीं आए हैं वो भी भाजपा के पक्ष में मतदान करेंगे। पूछे गए सवाल का जबाव देते हुए कंगना ने कहा कि फिल्मी दुनिया में उन्होंने जो नाम कमाया है, अब राजनीति में भी उनका यही प्रयास रहेगा कि वह इसमें भी बड़ा नाम कमाए। उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने का मौका मिला है।

भाजपा नेता सत्यनारायण सिन्हा हत्याकांड में रीतलाल यादव समेत चार बरी

पटना, 14 मई (एजेंसियां)।

बिहार में पटना की एक विशेष सत्र अदालत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सत्यनारायण सिन्हा की हत्या के मामले में दानापुर विधायक रीतलाल यादव समेत चार आरोपियों को मंगलवार को बरी कर दिया।

सांसदों एवं विधायकों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित विशेष सत्र अदालत के न्यायाधीश विनय प्रकाश तिवारी ने सुनवाई के बाद मामले में आरोपित दानापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रीतलाल यादव, सुनील यादव उर्फ काना, संजय यादव उर्फ बेगा और श्रवन यादव को भारतीय दंड विधान की धारा 302, 307, 149 और 148 तथा शस्त्र अधिनियम की धारा 27 के आरोपों से बरी किए जाने का निर्णय सुनाया।

मामले की प्राथमिकी मृतक सत्यनारायण सिन्हा की पत्नी पूर्व विधायक आशा सिन्हा के लिखित आवेदन

पर 01 मई 2003 को दर्ज की गई थी। दर्ज प्राथमिकी के आरोपों के अनुसार, सूचक आशा सिन्हा जब अपने वाहन से इलाज के लिए खगौल जा रही थी तो रास्ते में रोककर रीतलाल यादव एवं अन्य लोगों ने गोली मारकर सत्यनारायण सिन्हा की हत्या कर दी थी और उनपर भी जानलेवा हमला किया था। इस मामले में अनुसंधान के बाद पुलिस ने रीतलाल यादव समेत चार लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था।

इस मामले में दो सत्रवाद दर्ज किए गए थे। सत्रवाद संख्या 246/2006 में सुनील यादव उर्फ काना, रंजन यादव उर्फ बेगा और श्रवण यादव आरोपित थे, जिनके खिलाफ 08 अगस्त 2007 को आरोपों का गठन किया गया था।

दूसरी ओर सत्रवाद संख्या 246ए/2006 में विधायक रीतलाल यादव के खिलाफ सुनवाई हुई जिनके खिलाफ 12 अप्रैल 2012 को आरोपों का गठन किया गया था। सत्रवाद संख्या 246/2006 में अभियोजन ने कुल 11 गवाहों का बयान अदालत में कलम बंद करवाया था जबकि सत्रवाद संख्या 246 ए/ 2006 में नौ गवाहों को न्यायालय में गवाही के लिए पेश किया गया था।

जम्मू-कश्मीर में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर 11 प्राथमिकी दर्ज

श्रीनगर, 14 मई (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में 11 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पांडुरंग के पोल ने कहा कि उन्हें 16 मार्च से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की 234 शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा, हमने इन शिकायतों का संज्ञान लेने के बाद 11 प्राथमिकी दर्ज की है। हमने 80 शिकायतों में नोटिस भी जारी किया है और 29 शिकायतों में जांच शुरू कर दी है।

चुनाव अधिकारियों ने कहा कि श्रीनगर जिले में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की सर्वाधिक की सूचना मिली है। उन्होंने कहा, श्रीनगर जिले में 46 शिकायतें मिली हैं और जम्मू में 34। चुनाव अधिकारियों ने कहा कि कुल शिकायतों में से 15 को जिला शिकायत कक्षों को भेज दिया गया है। श्रीनगर में चुनाव अधिकारियों ने कहा कि आधिकारिक मेल के माध्यम से 36 शिकायत प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 21 सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ और 15 उम्मीदवारों या पार्टियों के खिलाफ थीं।

उन्होंने कहा, सरकारी कर्मचारियों के मामले में जांच चल रही है और चार सरकारी कर्मचारियों को राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने से निलंबित कर दिया गया है। आदर्श आचार संहिता उल्लंघन पर पार्टियों, उम्मीदवारों, कार्यकर्ताओं को नोटिस दिये गये हैं। चुनाव अधिकारियों ने कहा कि राज्य और केंद्रीय एजेंसियों ने चुनाव अवधि के दौरान 10 स्थानों पर 40 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, शराब, ड्रग्स आदि जब्त किये हैं। जम्मू-कश्मीर की पांच लोकसभा सीटों में से तीन सीटों जम्मू, उधमपुर और श्रीनगर पर मतदान हो चुका है। श्रीनगर लोकसभा में सोमवार को 38 प्रतिशत मतदान हुआ जो 1996 के बाद सबसे अधिक है। अन्य दो लोकसभा सीटों -बारामूला और अनंतनाग-राजौरी पर 20 और 25 मई को अगले दो दौर में मतदान होगा।

भारतीय वायुसेना ने एयरड्रॉप किया अस्पताल एक साथ 200 लोगों का हो सकता है इलाज

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

भारतीय वायुसेना ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के आगरा में हवाई जहाज से पोर्टेबल हॉस्पिटल भीष्म को एयरड्रॉप किया। यह अपनी तरह का पहला ऐसा परीक्षण है, जिसमें एयर फोर्स ने जब हॉस्पिटल क्यूब्स को जहाज से नीचे गिराया। आपातकालीन परिस्थितियों में ये पोर्टेबल हॉस्पिटल बेहद काम आ सकते हैं और इन्हें जहाज से एयरड्रॉप करके कहीं भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए प्रोजेक्ट भीष्म को स्वास्थ्य मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। भीष्म प्रोजेक्ट (बैटलफील्ड हेल्थ इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर मेडिकल सर्विसेज) के तहत न केवल भारत में, बल्कि विदेश में भी प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय संकटों या शांति और युद्ध के समय में भी तेजी से तैनाती के लिए डिजाइन किया गया है। ताकि इस दौरान तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए भीष्म पोर्ट्बल हॉस्पिटल्स का इस्तेमाल किया जा सकता है।

एयर फोर्स सूत्रों के मुताबिक इस मोबाइल क्यूब हॉस्पिटल में 200 लोगों का इलाज किया जा सकता है। इन मॉड्यूलर मेडिकल यूनिट्स को दूरस्थ या आपदाग्रस्त क्षेत्रों में तेजी से तैनात करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो चुनौतीपूर्ण माहौल में भी चिकित्सा सहायता देने में मदद करते हैं। वहीं, आगरा में भीष्म को सफलतापूर्वक एयरड्रॉप करके एयर फोर्स ने यह साबित किया है कि आपातकालीन मानवीय संकट के दौरान जरूरतमंद क्षेत्रों में चिकित्सा संसाधनों की तेजी से तैनाती कर सकता है।

सूत्रों ने बताया कि भीष्म पोर्टेबल हॉस्पिटल क्यूब्स में तमाम तरह की चिकित्सा सुविधाएं हैं। साथ ही इन्हें इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इन्हें वायु, भूमि और समुद्र में आसान से ले जाया जा सके। प्रत्येक क्यूब में सर्जिकल सुविधाएं, डायग्नोस्टिक टूल्स और रोगी के देखभाल से संबंधित सुविधाएं शामिल हैं। इन पोर्टेबल हॉस्पिटल क्यूब्स का विकास और परीक्षण भारतीय वायु सेना, भारतीय स्वास्थ्य सेवा संस्थानों और डिफेंस टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स ने मिल कर किया है। वहीं ये क्यूब मात्र 12 मिनट में तैयार हो जाते हैं। इसमें मास्टर क्यूब केज के दो सेट होते हैं, प्रत्येक में 36 मिनी क्यूब होते हैं। ये क्यूब्स बेहद मजबूत होने के साथ वाटरप्रूफ और बेहद हल्के होते हैं। मास्टर केज के भीतर प्रत्येक मिनी-क्यूब को सावधानीपूर्वक पैक किया जाता है, ताकि खुलने में कोई दिक्कत न हो। इसे दोबारा भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इस परियोजना को हाल ही में जी20 शिखर सम्मेलन में विभिन्न देशों से आए गणमान्य प्रतिनिधियों के सामने भी पेश किया था और इसकी काफी सराहना हुई थी।

देश हितों को सर्वोपरि प्राथमिकता दें नागरिक :धनखड़

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नागरिकों से देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। श्री धनखड़ ने मंगलवार को संसद भवन परिसर में भगवद गीता पर संविधानविद् डॉ. सुभाष कश्यप की एक पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि गीता की प्रेरणा से संविधान की मूल प्रति में 22 लघु चित्र रखे गए हैं।

उपराष्ट्रपति ने नागरिकों से भगवद गीता की शाश्वत शिक्षाओं से मार्गदर्शन लेते हुए देश के हितों को सर्वोपरि प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गीता उदात्तता, आध्यात्मिकता, धार्मिकता, कर्तव्य प्रतिबद्धता और स्वयं को खोजने का मार्ग रोशन करती है। श्री धनखड़ ने कहा कि डॉ. कश्यप ने गठबंधन सरकार की दुर्दशा देखी है। डॉ. कश्यप की संवैधानिक नैतिकता, औचित्य, उच्च नैतिक मूल्यों की सराहना करते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि उन्होंने कभी भी मुद्दों को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा, बल्कि अपने विचारों को दृढ़ विश्वास और ईमानदारी के साथ रखा।

श्री धनखड़ ने बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य की ओर ध्यान आकर्षित किया, जहां भारत फ्रांस, ब्रिटेन, ब्राजील और कनाडा जैसी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए पांचवी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया है।

बारामूला में पाकिस्तान के दो आतंकवादियों की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर, 14 मई (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को बारामूला जिले में पाकिस्तान स्थित दो आतंकवादियों की संपत्ति कुर्क की। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उप न्यायाधीश उरी से कुर्की आदेश प्राप्त करने के बाद पुलिस ने पाकिस्तान स्थित दो आतंकवादियों की लाखों की एक कनाल और 11 मरला सहित संपत्ति कुर्क की।

नवारुंडा निवासी मोहम्मद आरिफ बादल और गौहल्लन उरी के मोहम्मद बशीर के खिलाफ कार्रवाई 83 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीसी) की धाराओं के तहत की गई। पुलिस ने बताया कि इस साल अब तक बारामूला जिले में 20 आतंकवादी संचालकों की करोड़ों की संपत्ति कुर्क की गयी है।

जम्मू के खौर सेक्टर में पाक नागरिक हिरासत में लिया गया

जम्मू, 14 मई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को जम्मू शहर के बाहरी इलाके खौर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब एक पाकिस्तानी नागरिक को हिरासत में लिया। पुलिस ने कहा कि खौर के मिलन दी खुई इलाके में आज सुबह एक पाकिस्तानी नागरिक को हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने कहा कि हिरासत में लिया गया व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ लगता है और उसने अपनी पहचान पाकिस्तान के कराची निवासी 35 वर्षीय जाकिर खान के रूप में बताई है।

उसके पास से कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला और हो सकता है कि वह अनजाने में इस तरफ चला आया हो। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पाकिस्तानी नागरिक को हिरासत में लिए जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

आंध्र, यनम और रायलसीमा में अगले 24 घंटों में भारी बारिश का अनुमान

अमरावती, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण-पूर्व अरब सागर और इससे सटे केरल से मराठवाड़ा तक चक्रवात की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग द्वारा मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून के 19 मई के आसपास दक्षिण अंडमान सागर, दक्षिणपूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और निकोबार द्वीप समूह में आगे बढ़ने के आसार हैं। जिससे आंध्र प्रदेश और यनम पर दक्षिण पूर्वी, दक्षिण-पश्चिमी हवाएं प्रबल हैं। उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर अगले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश होने का अनुमान है।

उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर अगले पांच दिनों के दौरान बिजली और गरज के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति से तेज हवा चलने और बारिश होने के आसार हैं। उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में अगले सात दिनों के दौरान एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान जताया गया है।एसपीएसआर नेल्लोर जिले के उदयगिरि में पिछले 24 घंटों के दौरान बहुत भारी बारिश हुई। आंध्रप्रदेश के बापटला जिले के अडांकी और अन्नामय्या जिले के थंबलापल्ले में भारी वर्षा हुई।

तटीय आंध्रप्रदेश में कुछ स्थानों पर, रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर पिछले 24 घंटों के दौरान बारिश हुई और यनम में शुष्क मौसम बना रहा। रिपोर्ट के अनुसार, रायलसीमा के तिरुपति में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अग्रवाल समाज श्याम मन्दिर शाखा की वार्षिक साधारण सभा आयोजित

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज श्याम मन्दिर शाखा की वार्षिक साधारण सभा बीते रविवार को श्री नगर कॉलोनी स्थित होटल विन फ्लोरा रेजीडेंसी मे मनाई गई। सभा में शाखा के करीब 130 सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन कोमल अग्रवाल ने किया। मातृ दिवस के उपलक्ष्य में उपस्थित सभी मातृ शक्ति का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत महाराज श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना के बाद पांच पदाधिकारियों और केंद्रीय समिति से पधारे अध्यक्ष मनीष अग्रवाल एवं पुरषोत्तम अग्रवाल का स्वागत पुष्प गुच्छ द्वारा किया गया।

अध्यक्ष सीमा मोदी ने अपने संबोधन में सभी शाखा सदस्यों का शाखा द्वारा की जाने वाली गति विधियों में बढ़चढ़ कर भाग लेने और हर प्रोग्राम में उत्साह के साथ आयोजकों का हौसला बढ़ाने पर आभार प्रकट किया। मानद मंत्री पीयूष अग्रवाल ने शाखा के वर्ष 2023-2024 की गतिविधियों का विस्तार से विवरण प्रस्तुत किया। अगस्त 2023 मे तीन दिन का कर्नाटक स्थित ऐतिहासिक शहर हम्पी का दौरा किया गया। दिसंबर 2023 मे मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया जिसका करीब 200 लोगों ने लाभ उठाया। जनवरी 2024 में शाखा के रजत जयंती वर्ष केसीआर रिसोर्ट में पतंग उत्सव के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। सुरेशजी अग्रवाल ने वित्तीय वर्ष 2023-2024 के आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया

डॉक्टरों ने अधेड़ के मुंह में फंसी मटन की हड्डी को सफलतापूर्वक निकाला

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एलबी नगर स्थित कामिनेनी अस्पताल के डॉक्टरों ने एक अधेड़ व्यक्ति की आहारनली में फंसी मटन की हड्डी को निकालने में सफलता हासिल की। अस्पताल के सूत्रों द्वारा मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, एक विचित्र घटना में, यदाद्री भुवनगिरी जिले के कक्किरेन गांव के निवासी श्रीरामुलु (66) ने करीब एक महीने पहले शादी में मटन खाते समय 3.5 सेंटीमीटर की हड्डी निगल ली। हड्डी निगलने का प्रमुख कारण उनके दांत नहीं होना था। समय बीतने के साथ-साथ उनको सीने में दर्द के साथ-साथ खाना खाने में दिक्कत होने लगी। उन्होंने नार्केटपल्ली के कामिनेनी अस्पताल के डॉक्टरों से परामर्श लिया, जहां उनका एंडोस्कोपी किया गया, जिसमें पता चला कि हड्डी उनकी आहार नली में फंसी हुई है।

अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, उन्हें एलबी नगर कामिनेनी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया, जहां सलाहकार मेडिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. राधिका निट्टाला और उनकी टीम ने एंडोस्कोपिक के माध्यम से आहारनली में फंसी हड्डी को दो भागों में विभाजित करके सफलतापूर्वक बाहर निकाला।

डॉ. राधिका निट्टाला ने मामले की जटिलताओं के बारे में विस्तार से बताया, लंबे समय तक आहारनली में हड्डी फंसे होने के कारण श्रीरामुलु की हालत गंभीर थी। हड्डी के कारण उनकी आहारनली की दीवार में छेद हो गया था, जिससे उन्हें अल्सर हो गया। समय रहते, एंडोस्कोपिक के माध्यम से हड्डी को दो भागों में काटकर निकाला गया।

उन्होंने कहा, अगर हड्डी को समय पर नहीं हटाया गया होता, तो अल्सर के कारण आहारनली में और बड़ा छेद हो जाता, जिससे बड़ी सर्जरी की आवश्यकता होती। हम इसे हटाने के दौरान सावधानीपूर्वक एंडोस्कोपिक के माध्यम से इस समस्या को टालने में कामयाब रहे। श्रीरालुल का अल्सर को ठीक करने के लिए शुरू में उन्हें नारियल पानी सहित तरल आहार लेने की सलाह दी। अब उन्हें दर्द से राहत मिल गई है और उन्होंने नरम आहार लेना शुरू कर दिया है।

काशी में पीएम मोदी के स्वागत और अभिनंदन के लिए आतुर रही जनता

वाराणसी, 14 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी का हर जनमानस अपने सांसद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत-अभिनंदन के लिए आतुर दिखा। देश के कोटि-कोटि और लोकतंत्र के प्रति आग्रही, मानवता के कल्याण के प्रति सजग दुनिया के हर नागरिक की निगाह रोड शो व नामांकन कार्यक्रम पर रही। प्रधानमंत्री के नामांकन और सोमवार को उनके आगमन पर काशीवासियों का उमंग, स्नेह देखकर देश-दुनिया अभिभूत है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के प्रधानमंत्री के रूप में मोदी जी ने दस वर्ष तक बिना रुके, बिना डिगे, बिना थके कार्य किया है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में उन्होंने मंगलवार को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में वाराणसी संसदीय सीट के लिए आयोजित भाजपा के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। सीएम ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि काशी को नए रिकॉर्ड बनाने की तरफ अग्रसर होना है, क्योंकि काशीवासियों से जनप्रतिनिधि व संगठन के लोगों से मार्गदर्शक के रूप में पीएम का जुड़ाव प्रेरणादायी है।

सीएम ने कहा कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में मोदी जी ने भारत को दुनिया में सम्मान दिलाने, सुरक्षा को पुख्ता करने, आतंकवाद-नक्सलवाद का स्थायी समाधान निकालने, विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित करने, गरीब कल्याणकारी योजनाओं की नई श्रृंखला को बढ़ाने और आजाद भारत में आस्था को पहली बार सम्मान व प्रतिष्ठा दिलाने में अतुलनीय योगदान दिया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत, श्रेष्ठ भारत के रूप में आत्मनिर्भर व विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। काशी में उनके नामांकन पर दुनिया कौतूहल व आश्चर्य से निगाह लगाई थी।

सीएम ने कहा कि काशी नई पहचान बना रही है। दस वर्ष में हुए परिवर्तन का मूर्त रूप नई काशी में दिखने को मिलता है। काशी ने दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित किया है। काशी किसी भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समिट को सकुशल संपन्न करती है। काशी आकर हर व्यक्ति अभिभूत होता है। नया काशी सब कुछ दे रहा है। सरकार के साथ साथ संगठन के मार्गदर्शक के रूप में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना के दौरान 'सेवा ही संगठन' मंत्र दिया था। कोरोना महामारी के दौरान जनता-जनार्दन की सेवा करते हुए भाजपा संगठन और कार्यकर्ता सड़कों पर दिखाई दे रहा था।

प्रधानमंत्री ने काशी से तीसरी बार नामांकन किया है। दस वर्ष में देश के अंदर सांस्कृतिक नवजागरण का जो अभियान चला है, काशी से आपका नामांकन इसे नई ऊंचाई तक ले जाने की प्रेरणा है। काशी से प्रधानमंत्री का नामांकन न केवल उप्र, बल्कि देशवासियों और उसकी आस्था का सम्मान है। आपके नामांकन पर काशी, उप्र, पूरा देश 'फिर एक बार मोदी सरकार' के स्वर के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। काशी का हर नागरिक, हर तबका इस अभियान के साथ जुड़ा है। विपक्ष की विभाजनकारी-विखंडनकारी नीतियों की बदौलत अफवाह, समाज को गुमराह व विभेद पैदा करने की नकारात्मक राजनीति को समाप्त करने के संकल्प के साथ पूरा देश नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में तीसरी बार प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगा और काशी उसकी अगुआई करेगा। कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, केंद्रीय मंत्री व चंदौली से भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, मछलीशहर के सांसद व प्रत्याशी बीपी सरोज, क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल, लोकसभा प्रभारी सतीश द्विवेदी, काशी के जिलाध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास न कार, न खुद का घर

पांच साल में संपत्ति 87 लाख बढ़कर 3.02 करोड़ हुई, 52 हजार 920 रुपए नकद

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वाराणसी से तीसरी बार नामांकन दाखिल किया। हलफनामे के मुताबिक, पीएम मोदी के पास न कोई घर है न जमीन और न ही कार। 2019 में उनके पास गांधीनगर में 1.10 करोड़ की प्रॉपर्टी थी, लेकिन इस बार उसका जिक्र नहीं है। पीएम ने 15 साल से कोई ज्वेलरी भी नहीं खरीदी। मोदी के पास 52 हजार 920 रुपए कैश है। उन्होंने कुल 3.02 करोड़ की संपत्ति बताई है। 5 साल में यह संपत्ति 87 लाख रुपए बढ़ी। वाराणसी से अपने पहले चुनाव (2014) में मोदी ने अपनी कुल संपत्ति 1.65 करोड़ रुपए बताई थी। दूसरे चुनाव (2019) में यह 2.15 करोड़ हो गई थी। पीएम ने मोबाइल नंबर भी बताया है।

पीएम ने अपना एड्रेस- सी/1, सोमेश्वर टेनमेंट्स, रानीप, अहमदाबाद बताया है। नामांकन पत्र में पत्नी जशोदाबेन का नाम लिखा है। हालांकि, पत्नी की आय की जानकारी नहीं दी। मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब अक्टूबर 2002 में उन्होंने एक जमीन खरीदी थी। इसमें तीन हिस्सेदार थे। 2019 में इसकी मार्केट वैल्यू यानी कीमत 1.10 करोड़ रुपए थी। मोदी ने यह जमीन मानमंदिर फाउंडेशन को दान कर दी, जिस पर नाद ब्रह्म कला केंद्र बनाया जाएगा। इसलिए, इस बार उनकी अचल संपत्ति शून्य हो गई है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी के नाम किसी भी तरह की कृषि या गैर

कृषि भूमि और कॉमर्शियल बिल्डिंग नहीं है। मोदी के पास 4 अंगूठी हैं। 2014 और 2019 में भी 4 सोने की अंगूठी थीं। इनका वजन 45 ग्राम है। 2019 में इस गोल्ड की कीमत 1.13 लाख रुपए बताई थी। 5 साल में यह कीमत बढ़कर 2.67 लाख रुपए हो गई। पीएम ने बॉन्ड, शेयर या फिर म्यूचुअल फंड (एमएफ) में कोई निवेश नहीं किया है। पोस्ट ऑफिस में 9.12 लाख रुपए की एनएससी है। 2019 में एनएससी में 7.61 लाख रुपए और 1.90 लाख का जीवन बीमा था। हालांकि, इस बार जीवन बीमा नहीं बताया है।

वित्त वर्ष 2018-19 के मुकाबले 2022-23 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कमाई दोगुनी बढ़ गई है। 2018-19 में पीएम मोदी ने अपनी इनकम 11.14 लाख रुपए रुपए घोषित की थी, जबकि बीते वित्त वर्ष में उनकी इनकम 23.57 लाख रुपए रही। 2019-20 में उनकी इनकम 17.21 लाख रुपए, 2020-21 में 17.08 लाख रुपए और 2021-22 में 15.42 लाख रुपए थी। नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के तौर पर मिलने वाली सैलरी और बैंक इंट्रेस्ट को उनकी कमाई का जरिया बताया है। पीएम मोदी ने फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में 3 लाख 33 हजार 179 रुपए का इनकम टैक्स भरा है। नरेंद्र मोदी के पास किसी भी तरह के हथियार नहीं है। वहीं उनके ऊपर किसी भी तरह का क्रिमिनल केस भी दर्ज नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के पास 2019 में 38 हजार 750 रुपए कैश था, जबकि अब उनके पास 52 हजार 920 रुपए कैश है। मोदी के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की गांधीनगर शाखा के बैंक अकाउंट में 73 हजार 304 रुपए कैश जमा है। वहीं वाराणसी के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 7 हजार रुपए जमा है। साथ ही उसी बैंक में 2 करोड़ 85 लाख 60 हजार 338 रुपए का फिक्स डिपॉजिट भी है। 2019 में नरेंद्र मोदी के पास करीब 1.27 करोड़ रुपए का फिक्स डिपॉजिट था।

पीएम मोदी ने कुछ पैसा सेविंग, इंश्योरेंस और इन्वेस्टमेंट स्कीम में भी लगा रखा है। हलफनामे के मुताबिक, पीएम मोदी ने नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी) में 9 लाख 12 हजार 398 रुपए जमा किए हैं। पहले उनके नाम करीब 2 लाख रुपए वैल्यू की एलआईसी पॉलिसी भी थी। इसके अलावा 2012 से 20 हजार रुपए का एल एंड टी इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड (टैक्स सेविंग) था, जो अब नहीं है।

अमेठी की बनी राइफल एके-203 से थर्राता है पाकिस्तान : सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी अमेठी लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को किया संबोधित

अमेठी, 14 मई (एजेंसियां)। आज अमेठी में दुनिया की सबसे अच्छी असॉल्ट राइफल क्लाशनिकोव एके 203 का निर्माण हो रहा है, जिसे रशिया के साथ मिलकर भारत तैयार कर रहा है। इसकी सौगात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेठीवासियों को दी है। अमेठी की राइफल एके 203 जब देश के जवानों के हाथों में होती है तो पाकिस्तान थर्राता है। आज यह अमेठी का गौरव है जबकि कांग्रेस और सपा के लोग यहां के नौजवानों के हाथों में तमंचे थमाती थी। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जगदीशपुर के अमेठी लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के पक्ष में वोट की अपील की।

सीएम योगी ने कहा कि वाराणसी में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में जनता जनार्दन ने अभूतपूर्व स्वागत किया। यह तब होता है जब एक राष्ट्र नायक अपनी जनता जनार्दन के लिए

सब कुछ समर्पित कर देता है। काशी की सड़कों पर लाखों लोग घंटों तक रोड शो का हिस्सा बने। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए काशीवासी इसलिए उत्साहित थे क्योंकि पिछले 10 वर्षों में उन्होंने काशी को पहले से ज्यादा दिव्य और भव्य बना दिया है। उन्होंने काशी को चमका कर रख दिया है। वहीं अमेठी ने भी अपना प्रधानमंत्री चुना था, लेकिन उन्होंने इसे एक जिला मुख्यालय तक नहीं दिया। इतना ही नहीं कनेक्टिविटी के लिए फोर लेन तक नहीं दी। इसी अमेठी को लोकसभा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के आग्रह पर एक्सप्रेस-वे से जोड़ा गया ताकि यहां के नौजवानों को रोजगार मिल सके। साथ ही औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज अमेठी में मेडिकल कॉलेज, जिला मुख्यालय, पुलिस लाइन, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट का निर्माण भारतीय जनता पार्टी कर रही है जबकि पहले लोग सिर्फ वोट के लिए यहां आते थे। इतना ही नहीं डबल इंजन की सरकार पेशेवर गुंडों और अपराधियों का भी इलाज कर रही है। सीएम ने कहा कि यह अवध क्षेत्र है, जहां लोग भूखे तो रह सकते हैं, लेकिन प्रभु श्रीराम को नहीं भूल सकते हैं। श्रीराम तो आपके रोम-रोम में बसते हैं। वहीं पहले जिनको आप चुनते थे, वही प्रभु राम को नकारते थे, अपमानित करते थे और उनके बारे में अनर्गल टिप्पणी करते थे। यह आपके ही वोट से देश में सरकार बनाते थे और यहां से निकलने के बाद अमेठी वासियों को बुरा भला कहते थे। वहीं अमेठी की जनता ने रामलला पर हमला कराने वालों को जवाब दिया और आज उनकी चुनी मोदी सरकार ने 500 वर्षों के इंतजार के बाद अयोध्या में दिव्य, भव्य रामलला का मंदिर बना दिया है। सीएम योगी ने अमेठी की जनता से आग्रह किया कि इस बार फिर उन लोगों को करारा जवाब देना है, जो सिर्फ वोट के लिए आते हैं।

वहीं चुनाव खत्म होते ही भूल जाते हैं। उन्होंने अमेठी से लिया तो बहुत कुछ है, लेकिन देने के नाम पर शून्य रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा ने जब रामलला के दर्शन से अपने विधायकों को मना किया तो रायबरेली के विधायक मनोज पांडेय ने विद्रोह कर दिया और पार्टी से नाता तोड़ लिया। उन्होंने कहा कि हमारा प्रभु श्रीराम से जन्म जन्मांतर का संबंध है, हम प्रभु श्रीराम को नहीं छोड़ सकते हैं।

निर्वाचन आयोग का मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर जोर

मतदाता पर्ची का हो शत-प्रतिशत वितरण

लखनऊ 14 मई (एजेंसियां)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन में भारत निर्वाचन आयोग के संकल्प को पूरा करने के लिए उत्तर प्रदेश में मतदान को एक उत्सव के रूप में मनाने की दिशा में अहम कदम उठाए गए हैं। प्रदेश में मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता संबंधी गतिविधियों को और गति प्रदान किये जाने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मंगलवार को अपने कार्यालय स्थित सभाकक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पांचवें एवं छठवें चरण के जिला निर्वाचन अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों, स्वीप के नोडल अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ मतदान प्रतिशत बढ़ाये जाने के लिए किये जा रहे प्रयासों एवं रणनीतियों के संबंध में चर्चा की।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस दौरान मतदाता जागरूकता संबंधी आयोजित किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में और गति लाने के निर्देश दिये। लोकतंत्र के इस महापर्व में प्रत्येक मतदाता का उत्साह के साथ भागीदारी हो। मतदाता के पास मतदाता पर्ची न होने पर भी मतदाता सूची में उसका नाम देखते हुए मतदान कराया जाए। निर्वाचन क्षेत्रों में स्वीप गतिविधियों के लिए जारी दिशा निर्देशों का अनुपालन किया जाय। उन्होंने प्रत्येक मतदान केन्द्र पर वोटर असिस्टेंस बूथ बनाने और इस पर बीएलओ की उपस्थिति तथा मतदाता सूची की उपलब्धता सुनिश्चित कराने को कहा। वोटर असिस्टेंस बूथ की पहचान के लिए संकेतक भी लगाये जाएं। मतदाता पर्ची का शत-प्रतिशत वितरण कराया जाए और प्रमाण स्वरूप मतदाता पर्ची प्राप्तकर्ता का नाम व मोबाइल नम्बर भी लें। मतदान हेतु परिवार को ले जाने के लिए किसी व्यक्ति द्वारा अपने वाहन का प्रयोग करने पर उसे बूथ पर निर्धारित स्थान तक जाने से न रोका जाए। प्रत्येक मतदान केन्द्र के प्रवेश द्वार पर ही पोलिंग बूथ की जानकारी, शीतल पेयजल की सुविधा, शौचालय आदि के लिए संकेतक बनाये जाएं।

दोनों लड़के जीते तो मिलकर लूटेंगे और हारेंगे तो फिर टूटेंगे: सीएम

बाराबंकी, 14 मई (एजेंसियां)। इस देश में रामभक्त और रामद्रोही हैं। रामभक्त राम मंदिर से उत्साहित हैं तो रामद्रोही नाखुश हैं। रामभक्तों पर गोलियां चलाने वाले यह लोग कहते हैं कि राम मंदिर बेकार है। मोदी का विरोध सिर्फ रामद्रोही और पाकिस्तान ही कर रहे हैं। रामभक्त ही राष्ट्रभक्त हैं। वे भारत के उत्थान के बारे में सोचते हैं तो रामद्रोही पाकिस्तान का राग अलाप रहे हैं। वे कहते हैं कि पाकिस्तान के खिलाफ मत बोलो- उसके पास एटम बम है। पाकिस्तान समर्थक रामद्रोही जान लें कि हमारे पास भी एटम बम है, हमारा एटम बम फ्रिज में रखने के लिए नहीं बना है। यह लोग एक तरफ एटम बम की धमकी से भारत के दुश्मनों का उत्साह बढ़ा रहे हैं तो दूसरी तरफ राम मंदिर का विरोध कर राम को अपमानित कर रहे हैं। सपा-कांग्रेस पर बरसते हुए यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। फैजाबाद के सांसद व भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह के लिए दरियाबाद रेलवे स्टेशन के पास मैदान में मंगलवार को जनसभा में योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस-सपा की नीतियों और नेताओं को खूब धोया। बोले कि रामद्रोही नाखुश हैं। वे कहते हैं कि राम मंदिर बेकार है, यह राम भक्तों पर गोलियां चलाते थे। इनके समय में जन्मभूमि पर आतंकी हमला होता था और आतंकियों पर दायर मुकदमे वापस लिए जाते थे।

सीएम ने कहा कि रामलला के विराजमान होने में अयोध्या के

आमजन का बड़ा योगदान है, क्योंकि आपके वोट के बल पर मोदी जी को ताकत मिलती है। विदेशी आक्रांताओं ने हमारी आस्था से खिलवाड़ कर अयोध्या में रामलला के मंदिर को क्षतिग्रस्त कर गुलामी के ढांचे को स्थापित किया था, लेकिन आपके वोट की बदौलत इसे हटाने और मंदिर बनाने की ताकत मिली। 22 जनवरी को जब 500 वर्ष का इंतजार समाप्त हुआ और प्रभु रामलला अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान हुए। आपके दर्शन करने से प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद का सर्वाधिक सौभाग्य मुझे और मोदी जी को प्राप्त होता है, क्योंकि आप की दुआ हमें लगती है। अब अयोध्या में लाखों का जनसैलाब दर्शन करने उमड़ रहा है।

सीएम ने कहा कि भारत में शासन की सबसे अच्छी व्यवस्था रामराज्य मानी गई। फिर भी ऐसे कौन लोग थे, जिनकी वजह से रामलला को उनकी जमीन से वंचित किया गया। विडंबना है कि स्वतंत्र भारत में 70 वर्षों तक कहना पड़ा कि अयोध्या धाम राम की जन्मभूमि है। यहां मंदिर बनना चाहिए। हमें प्रमाण और श्रीराम को खुद साक्ष्य जुटाना पड़ा। यह परिस्थिति उन लोगों ने पैदा की, जो राम मंदिर बनने से प्रसन्न नहीं हैं। आपने लल्लू सिंह को वोट दिया तो मोदी जी प्रधानमंत्री बने और सतीश शर्मा को वोट दिया तो मैं मुख्यमंत्री बना। आपकी वजह से रामभक्त सत्ता में आए तो रामलला विराजमान हुए।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या का अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट त्रिकालदर्शी महर्षि वाल्मीकि के नाम पर बना। गरीबों के लिए बने भोजनालय माता शबरी के नाम पर हैं। आश्रय स्थल निषादराज के नाम पर हैं। विकास के अनेक कार्य हुए। यहां एयरपोर्ट, भव्य रेलवे स्टेशन व फोरलेन-सिक्सलेन सड़के हैं। पहले माफिया हावी होते थे। अब उनका राम नाम सत्य हो रहा है। हमें रामराज्य की परिकल्पना को साकार करना है तो इसके लिए भारत को आत्मनिर्भर व विकसित बनाना है।सीएम ने अपील की कि जो राम को लाए हैं, कमल पर बटन दबाकर आप उनको लाएंगे। सीएम ने 20 मई को अधिक से अधिक मतदान कर लल्लू सिंह को कमल के फूल पर बटन दबाकर पिछली बार से दोगुने वोट से जिताने का संकल्प दिलाया। बोले तब मेहनत सार्थक होनी चाहिए अन्यथा कांग्रेस व सपा के लोग पहले से ही हमें कठघरे में खड़ा करते हैं। मोदी जी ने बिना चेहरा देखे सबका विकास किया है। अयोध्या में महाराजा राजर्षि दशरथ के नाम पर मेडिकल कॉलेज भी बन गया। जो कभी नहीं हुआ, वह मोदीराज में हुआ है। दोनों लड़के (राहुल-अखिलेश) झूठ बोलकर गुमराह कर रहे हैं। यह जीते तो मिलकर लूटेंगे और हारेंगे तो टूटेंगे।

सीएम ने कहा कि महाराज दिलीप ने गोमाता को बचाने के लिए शेर के सामने अपना शरीर प्रस्तुत कर दिया था।

कितनी लंबी हैं ये महिलाएं...

अमिताभ बच्चन की फिल्म 'लावारिस' का वह गाना तो आपने सुना ही होगा, 'जिसकी बीवी लंबी, उसका भी बड़ा नाम है।' गाने की इसी लाइन को सच साबित कर दिया है इन महिलाओं ने। बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन, दीपिका पादुकोण जैसी लंबाई तो आमतौर पर हम सबने देखी होगी, लेकिन जितनी लंबी ये महिलाएं हैं, शायद ही आपने देखीं हों।

याओ डेफेन

याओ डेफेन ने दुनिया की सबसे लंबी महिला होने का दावा किया है। इनकी लंबाई 7 फीट 8 इंच यानी 233 सेंटीमीटर है। इनका वजन 200 किलो है। उनके शरीर की ग्रंथि में ट्यूमर बताया जाता है।

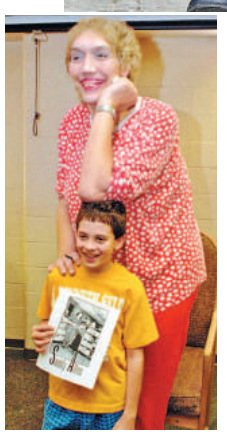

सैंडी एलेन सैंडी

सैंडी ने 1976 में अपना नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया। 2008 तक इनका नाम उस किताब में यथावत रहा। 2008 तक इसलिए क्योंकि इस सन में उनकी मृत्यु हो गई थी। इनकी लंबाई 7 फुट 7 इंच थी।

माल्गोर्जेटा डायडेक

माल्गोर्जे टा डायडेक यूएस की बास्केटबॉल खिलाड़ी थीं। इनकी लंबाई 7 फुट 2 इंच थी।

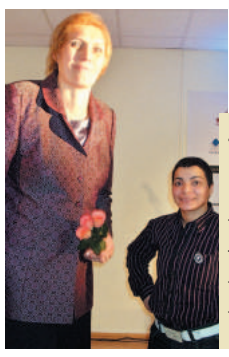

उल्जाना सेमजोनावा

7 फुट यानी 213 सेंटीमीटर लंबी लातवियाई उल्जाना 1970 से 1980 तक दुनिया के बास्केटबॉल खेल की लीडिंग वूमेन रहीं।

जैनब बीबी

जैनब बीबी को हाल ही में ब्रिटेन में हमेशा-हमेशा के लिए रहने की इजाजत मिली है। दरअसल इनका कहना था कि इनकी लंबाई के कारण पाकिस्तान में लोग इनको अपनी बातों का निशाना बनाए रहते थे, तो वह ब्रिटेन आ गईं। इनकी लंबाई 7 फुट 2 इंच है।

समाजशास्त्र में बेहतर करियर ...

मानव समाज के अध्ययन को समाजशास्त्र कहते हैं। भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार पूरी दुनिया में मनुष्य की सामाजिक संरचना बदल जाती है। हर समाज की अलग- अलग परंपराएं होती हैं। आधुनिकीकरण और बढ़ती सामाजिक जटिलताओं के कारण अब समाजशास्त्र के अंतर्गत चिकित्सा, सैन्य संगठन, जन संपर्क और वैज्ञानिक ज्ञान का भी अध्ययन किया जाता है।

आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रणालियों सहित समाजशास्त्र की शुरुआत भी पश्चिमी देशों से ही हुई। समाजशास्त्र, समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधा समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्त्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण है बल्कि रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है। यही वजह है कि इस विषय का इतना महत्त्व है।

शैक्षणिक योग्यता

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए कला संकाय में स्नातक होना आवश्यक है। इसके साथ सोशल साइंस, पोलिटिकल साइंस, इंटरनेशनल रिलेशन, साइकोलॉजी और ह्यूमेनिटी का व्यावहारिक ज्ञान होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद इसमें पीएचडी की जा सकती है।

समाज शास्त्र का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि 14वीं शताब्दी के उत्तर अफ्रीकी अरब विद्वान इब्न खल्दून प्रथम समाजशास्त्री थे, जिन्होंने सामाजिक एकता और सामाजिक संघर्ष के वैज्ञानिक सिद्धांतों को पहली बार उजागर किया। एक विषय के रूप में समाजशास्त्र की शुरुआत सबसे पहले 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में हुई। 1891 ई. में कंसास विश्वविद्यालय में इतिहास और समाजशास्त्र विभाग की स्थापना की गई। समाजशास्त्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग 1895 में शुरू हुआ। 1905 में सारी दुनिया के पेशेवर समाजशास्त्रियों के संगठन की स्थापना हुई। एक विषय के रूप में समाशास्त्र सर्वप्रथम 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में पढ़ाया गया।

क्यों खास है समाजशास्त्र

मनुष्य एक समाजिक प्राणी है। बिना समाज के मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। इस वजह से समाज का महत्त्व बढ़ा है और जरूरत बढ़ी है समाजशास्त्र की। समाजशास्त्र यह जानने के लिए जरूरी है कि जिन परिस्थितियों में हम रह रहे हैं, उनकी विसंगतियों को कैसे दूर किया जाए।

इस तरह यह अपने पारंपरिक मूल्यों व बाहरी दुनिया के बीच संतुलन बनाने तथा व्यक्तिगत व सार्वजनिक क्रियाओं को पूरा करने का विवेक भी देता है। एक तरह से कहा जाए तो सभी तरह की नीतियों और रणनीतियों का संबंध मानव जीवन की उन्नति से जुड़ा होता है। इसलिए करियर के लिहाज से इस विषय का महत्त्व स्वता ही बढ़ जाता है। मानव सभ्यता, संस्कृति, सोसायटी, जातीयता और सामाजिक संगठन आदि की जानकारी से हम अपने वर्तमान को अधिक बेहतर बना सकते हैं। इन सारे विषयों के बारे में बच्चों को शिक्षित कर उनका बेहतर सामाजिकरण किया जा सकता है। इससे समाज में हमारी अपनी संस्कृति की तादात्मयता बनी रहती है।

रोजगार के अवसर

आज दुनिया में हजारों की संख्या में स्वयंसेवी संस्थाएं, मानवीय, सामाजिक, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान में जुटी हुई हैं और इसी कारण संस्थानों को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जिनमें न केवल सेवा का जज्बा हो, अपितु संबंधित क्षेत्र की जानकारी भी हो। अंतरराष्ट्रय स्तर पर काम करने वाली संस्थाएं जैसे यूनीसेफ, रेडक्रॉस तो हर वर्ष समाजशास्त्र एवं समाज कार्य में विशेषज्ञों की खोज में बड़े-बड़े शहरों में सेमिनार का आयोजन करती हैं।

इन संस्थाओं में निदेशक, प्रोग्राम आफिसर, टीम लीडर जैसे उच्च पदों पर अच्छे वेतनमान के साथ नियुक्ति दी जाती है। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां छात्रों को को.आर्डिनेटर, सर्वे आफिसर या पब्लिक रिलेशन आफिसर जैसे उच्च पदों पर कार्य करने का मौका मिलता है। अपराध विज्ञान और सुधारात्मक प्रशासन में विशेषज्ञता रखने वाले सामाजिक कार्यकर्ता, जेल, सुधारगृहों, बालगृहों जैसे स्थानों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

एनजीओ के माध्यम से भी एड्स जागरूकता, महिला कल्याण, गरीबी उन्मूलन, आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में काम किया जा सकता है। सामाजिक कार्य क्षेत्र में आप निजी और सरकारी कंपनियों में कार्मिक अधिकारी, समुदाय संगठनकर्ता या समन्वयक, सामाजिक कार्यकर्ता आदि के रूप में भी काम कर सकते हैं। इसके अलावा अध्यापन के क्षेत्र में बेहतरीन करियर बनाया जा सकता है।

रोजगारपरक है विषय

देश में नए उद्योग, विद्युत प्रोजेक्ट और सीमेंट कारखाने लग रहे हैं। यहां पर इस विषय के जानकारों की जरूरत है। यह एक प्रोफेशनल विषय है। यदि आपको नौकरी नहीं करनी है तो आप एनजीओ बनाकर समाजसेवा कर सकते हैं। कंपनियां जहां अपना प्रोजेक्ट लगाती हैं, वहां श्रमिकों के पुनर्वास के लिए योजना बनाने के लिए समाजशास्त्रियों की मदद लेती हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य को देखते हुए यह करियर ज्यादा रोजगारपरक है। स्कूलों और कालेजों में इस विषय की काफी डिमांड होने से इस का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा कई गैर सरकारी संगठन भी हैं, जिनमें समाजशास्त्रियों की बहुत डिमांड रहती है।

शिक्षण संस्थान

- बरकतउल्ला विश्व विद्यालय भोपाल
- देवी अहिल्या विवि इंदौर
- हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला
- पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- कर्नाटक यूनिवर्सिटी हुबली,धरवाड़ (कर्नाटक)
- जम्मू यूनिवर्सिटी, जम्मू
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र

विभिन्न कोर्सेज

अप्लाइड सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ रिलीजन
इकॉनोमिक सोशोलॉजी
पोलिटिकल सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ किनशिप

समाजशास्त्र के उद्देश्य

- सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तनों की पहचान करना।
- समाज से अंधविश्वास एवं नकारात्मक सोच को दूर करने का प्रयास
- समाज विशेषताओं की पहचान कर मानवता को एकसूत्र में बांधने का प्रयास

कितनी होगी सैलरी

इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने के अवसर उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में शुरुआती वेतनमान लगभग 15 से 20 हजार रुपए है। कार्य अनुभव और पद के अनुसार वेतनमान बढ़ता जाता है। समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के बाद रोजगार की संभावनाएं काफी होती हैं। ये अवसर अपने देश में भी काफी हैं, पर विदेशों में भी समाजशास्त्र विशेषज्ञों की कमी नहीं है। यूनिसेफ और रेडक्रॉस जैसी संस्थाएं समाजशास्त्र के विशेषज्ञों को काफी अच्छे पैकेज पर अवसर उपलब्ध करवाती हैं। यानी कि इसका करियर विस्तार विदेशों तक संभावनाएं पैदा करता है।

कई मर्ज की दवा है देसी गुलाब

भारत में गुलाब की बहुत सी प्रजातियां पाई जाती हैं। जिनमें से देसी गुलाब बहुत ही लाभदायक फूल है। यह केवल गुलाबी और लाल रंग की मनमोहिनी खुशबु में पाया जाता है। सर्दी का मौसम आते ही गुलाब का पौधा प्रत्येक घर की शोभा बढ़ाता है क्योंकि गर्मी की अपेक्षा यह सर्दी के मौसम में जल्दी बढ़ता है। इनकी जितनी देखभाल की जाए उतना ही यह महकेंगे। देसी गुलाब की कलमें सितम्बर के अंत में लगाई जाती है जो अक्टूबर माह में तैयार हो जाती है। मौसम ठंडा होते ही इनकी कलमों को लगाया जा सकता है। इनको लगाने के लिए मिट्टी में गोबर की खाद का प्रयोग सबसे बेहतर विकल्प है। गुलाब सौंदर्य प्रसाधन के रूप में तो लाभदायक होता ही है, साथ ही सेहत का भी खजाना है।

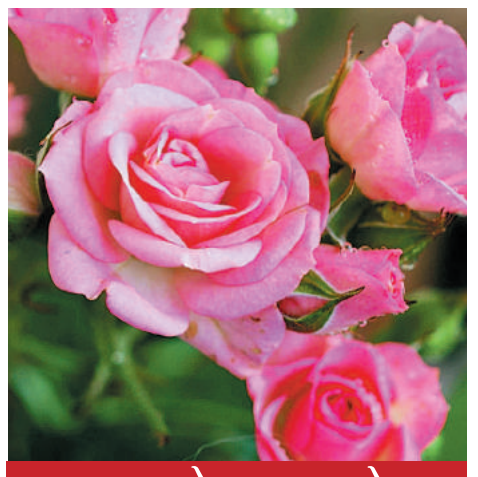

गुलाब के अन्य फायदे

- आंखों में जलन हो रही हो तो गुलाब जल से आंखों में छिट्टे मारें।
- सिर दर्द में गुलाब का तेल लगाने से राहत मिलती है।
- गुलाब का इत्र लगाने से बदन महक उठता है।
- गुलाब के फूलों में भरपूर मात्रा में रेशे पाए जाते हैं इसलिए यह कब्ज नाशक होता है। पुराने से पुराना कब्ज जड़ से खत्म करने के लिए 4 मुनक्के, आधा चम्मच सौंफ और 250 ग्राम गुलाब की पत्तियां 1 गिलास पानी डालकर उबाल लें। जब पानी आधा रह जाए तो इसे सर्दी में गर्म और गर्मी में ठंडा करके पीएं।
- 2 चम्मच गुलकंद रात को सोते समय गर्म दूध के साथ खाने से कब्ज में आराम मिलता है।
- मुंह में छाले हो गए हो तो गुलकंद वाला पान खाने से राहत मिलती है।
- गुलाब की पंखुड़ियों से उबटन बना कर चेहरे पर लगाने से निखार आता है।
- मुंह की बदबू को दूर करने के लिए कुछ भी खाने के उपरांत थोड़ा सा गुलकंद खाएं।
- सर्दी के मौसम में होंठ सुखने लगते हैं अथवा फट जाते हैं। गुलाब की पत्तियों को पीसकर उसके रस को ग्लिसरीन में मिला कर लगाने से होंठ लाल, नरम और चमकदार हो जाते हैं।
- चेचक के रोगी के बिस्तर पर गुलाब की पंखुड़ियां का सूखा चूर्ण डालने से दानों के जख्म ठंडक पा कर सूख जाते हैं।
- टीवी के रोगी को प्रतिदिन गुलाब की पंखुड़ियों का सेवन करना चाहिए।
- पायरिया के रोगियों को प्रतिदिन गुलाब की पंखुड़ियां चबानी चाहिए। इससे रोग में लाभ के साथ-साथ दांत मजबूत होते हैं।

नौकरी पाने के लिए न दें झूठी जानकारी

जल्द नौकरी हासिल करने या अत्यधिक महत्वाकांक्षा के चलते उम्मीदवार नौकरी मांगने के दौरान कई बार योग्यता संबंधी ऐसी जानकारी दे देते हैं, जो उनके पास होती ही नहीं। हकीकत सामने आने पर वे जॉब से तो वंचित हो ही जाते हैं, उनके आगे की राह भी कठिन हो जाती है।

एक सर्वे के अनुसार वर्तमान समय में ज्यादातर संस्थान अपने कर्मचारियों द्वारा दिए जाने वाले शिक्षा संबंधी प्रमाण-पत्रों में गड़बड़ियों की समस्या से जूझ रहे हैं। एक कंपनी छोड़ दूसरी ज्वाइन करने पर दोनों में दी गई जानकारी में भी काफी अंतर देखने को मिल रहा है। यह सही है कि कंपनियां जॉब देते समय उम्मीदवार के पिछले तीन-चार साल का अनुभव, शैक्षिक योग्यता और अंतिम 4-5 साल का पता खंगालती हैं, लेकिन ज्यादातर कंपनियां सीनियर पद पर किसी को ज्वाइन कराते वक्त लचीला रुख अपनाती हैं।

वे उम्मीदवार के प्रोफाइल व पैकेज को ही आधार बनाती हैं। सर्वे बताते हैं कि भारत ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन और अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी ऐसे उम्मीदवारों की संख्या ज्यादा है, जो बायोडाटा में अपनी उपलब्धियों, अनुभव और शैक्षिक योग्यताओं के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर लिखते हैं। बाद में वेरिफिकेशन के दौरान उनकी गलतियां उजागर होती हैं। इन नेगेटिव वेरिफिकेशन रिपोर्ट से न सिर्फ उनकी नौकरी जाती है, बल्कि इंडस्ट्री में उनकी प्रतिष्ठा भी धूमिल होती है।

नहीं मिल पा रहे सही लोग

ग्लोबलाइजेशन और जॉब मार्केट में कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते हर कंपनी चाहती है कि वह कुशल व प्रतिभाशाली कर्मचारियों को नियुक्त करे। देश में जितनी ज्यादा नौकरियां हैं, उससे कई गुना ज्यादा नौकरी ढूंढने वाले लोग। हर साल देश में लगभग 23 लाख ग्रेजुएट पैदा होते हैं, लेकिन इनमें से ज्यादातर को उनकी पढ़ाई और स्किल्स के मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय कंपनियों में 61 प्रतिशत पद खाली हैं। सबसे ज्यादा अवसर सेल्स, आईटी, अकाउंटिंग, फाइनेंस व ऑफिस सपोर्ट जैसे सेक्टरों में मौजूद हैं। इनमें सही टैलेंट नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि आवेदन के समय उम्मीदवार अपनी उपलब्धियों को बढ़ा-चढ़ा कर लिख रहे हैं या झूठी सूचनाएं दे रहे हैं।

दें सही जानकारी

एक अच्छी नौकरी पाने की तलाश में जुटे उम्मीदवार कई बार अपने रेज्यूम में भ्रामक सूचनाएं दे जाते हैं। इसके चलते उन्हें शर्मिंदगी का सामना भी करना पड़ता है। इसलिए यदि आप किसी नई नौकरी के लिए रेज्यूम देने जा रहे हैं तो अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों और उपलब्धियों के बारे में बताने से पहले विशेष सावधानी बरतें। जॉब की जरूरत के हिसाब से अपनी स्किल्स मैच कराएं। एक-एक बिन्दु का स्पष्ट उल्लेख करें, दूसरों का सीवी कॉपी करने से पहले बचें।

कंपनी का नुकसान

गलत सूचना देकर नौकरी हासिल करने वाले कर्मचारियों की मंशा कंपनी को नुकसान पहुंचाने की बेशक न हो, लेकिन वह उसकी कार्यनीति और परंपरा को गहरा नुकसान पहुंचा सकती है। गलत सूचना देकर नौकरी हासिल करने पर कंपनी को अपने प्रोजेक्ट में निवेश करने से पहले अयोग्य प्रोफेशनल्स की ट्रेनिंग में पैसा लगाना पड़ता है। इससे उनको भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सुरक्षा की दृष्टि से घातक

अपने बारे में गलत सूचना देने वाले किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिम्मेदार पद पर बैठाना कंपनी की सुरक्षा की दृष्टि से घातक हो सकता है। चूंकि कंपनियों को गोपनीय सूचनाएं या डेटा लीक होने का खतरा रहता है, इसलिए ज्यादातर कंपनियां किसी व्यक्ति को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने से पहले उसकी पूरी छानबीन कराती हैं। कोई कंपनी कभी नहीं चाहती कि ऐसे लोगों को अपने यहां जॉब दे, जिनकी बुनियाद ही झूठ के सहारे रखी गई हो।

ऑनलाइन मॉनीटरिंग

आजकल कई ऐसे एप प्रचलन में हैं, जिनके जरिए उम्मीदवार अपनी योग्यता, अनुभव व अन्य विवरण ऑनलाइन भेज सकते हैं।

इसके लिए आवेदनकर्ता और नियोक्ता दोनों का रजिस्ट्रेशन होना जरूरी है। इस आईडी नंबर के जरिए वे उम्मीदवार का पूरा वेरिफिकेशन कर सकते हैं। यह ऐप जल्द ही सोशल मीडिया 'डिजिटल टैलेंट पूल' के जरिए लोगों को नौकरी पर रखे जाने की प्रक्रिया में अहम भूमिका अदा करेंगे। कंपनियां भी एप्लिकेंट ट्रैकिंग सिस्टम का इस्तेमाल कर रही हैं, जो सीवी का विश्लेषण करता है।

इसलिए आ रही दिक्कत

एक सर्वे के मुताबिक भारत में जितनी नौकरियां पैदा हो रही हैं, उनमें से करीब 90 प्रतिशत के लिए खास स्किल्स की जरूरत पड़ती है।

इसकी ट्रेनिंग स्कूल-कॉलेज अथवा इंस्टीट्यूट में नहीं मिल पा रही, लिहाजा बड़ी आबादी बेरोजगारी का दंश झेल रही है। जल्दी नौकरी पाने की चाहत में उम्मीदवार कई बार झूठी सूचनाएं देकर नौकरी हासिल करने की कोशिश करते हैं या अपने नकारात्मक पहलुओं को छिपाने का प्रयास करते हैं।

ऐसे होती है हेराफेरी

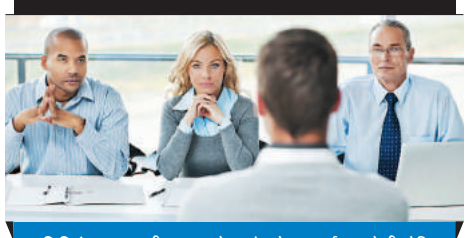

क्वालिफिकेशन : उम्मीदवार आवेदन के दौरान कई बार ऐसी शैक्षिक योग्यता का जिक्र कर बैठते हैं, जो उनके पास होती ही नहीं या गलत तरीके से हासिल की गई होती है। ज्यादातर संस्थानों में आवेदन के दौरान ऐसा देखने को मिलता है। बैकग्राउंड चेकिंग फर्म्स के जरिए ऐसे फ्रॉड को पकड़ा जाता है।

फर्जी डिग्री: देश में कई ऐसे संस्थान चल रहे हैं, जिनकी मान्यता नहीं है या उनके कोर्स को संबंधित अथॉरिटी से मान्यता प्राप्त नहीं है। वहां की डिग्री फर्जी डिग्री की श्रेणी में आती है। कई बार अज्ञानता में तो कई बार जान-बूझ कर उम्मीदवार इन डिग्रियों का इस्तेमाल करते हैं।

सेलरी पैकेज: एक कंपनी से दूसरी कंपनी ज्वाइन करने पर सबसे अहम फैक्टर सैलरी पैकेज होता है। मोटा पैकेज पाने की चाहत में उम्मीदवार या तो अपनी स्लिप से छेड़छाड़ करते हैं या फर्जी सेलरी स्लिप बनवाते हैं। एचआर डिपार्टमेंट की छानबीन में इस तरह के मामले पकड़ में आ जाते हैं।

एक्सपीरिएंस: उम्मीदवार एक्सपीरिएंस सर्टिफिकेट के रूप में अकसर किसी ऐसे संस्थान से 2-3 साल का अनुभव दर्शाते हैं, जो वर्तमान में बंद हो चुका होता है या उसकी पुष्टि नहीं हो पाती। कई बार वे अनुभव के साल बढ़ा-चढ़ा कर दिखाते हैं। वे मान कर चलते हैं कि उनका खेल पकड़ में नहीं आएगा, पर वेरिफिकेशन में इस खेल से पर्दा उठ जाता है।

मैरिटल स्टेटस: सैन्य अथवा कई ऐसे सेवा क्षेत्र हैं, जिनमें अविवाहित उम्मीदवारों से आवेदन मांगा जाता है। ऐसे नौकरी के लिए विवाहित उम्मीदवार अकसर अपनी पहचान छुपा लेते हैं। इस आधार पर वे कई साल नौकरी भी कर लेते हैं। बैकग्राउंड अथवा एड्रेस वेरिफिकेशन में इसका पता चलता है।

क्रिमिनल रिकॉर्ड: उम्मीदवारों पर नौकरी के लिए आवेदन देने से पूर्व यदि कोई आपराधिक मामला दर्ज हुआ है तो वे आवेदन में इसका उल्लेख नहीं करते। इस तरह की प्रवृत्ति वाले उम्मीदवारों को कोई भी अपने यहां नहीं रखना चाहता। हेल्थकेयर व फाइनेंशियल कंपनियां ऐसी पृष्ठभूमि की जांच करवाती हैं।

जापान क्यों है खास...?

एक छोटा सा देश जहां अमेरिका या दूसरे विकसित देशों की तरह न तो प्रचुर मात्रा मे प्राकृतिक संसाधन मौजूद हैं और न ही उसके पास प्रचुर मात्रा मे ह्यूमन रिसोर्सेज ही है,जिस एकलौते देश ने दो-दो बार परमाणु हमले झेले है! इन सब मुश्किलों के बावजूद भी उस देश को एशिया महाद्वीप का एकमात्र विकसित देश होना का गौरव प्राप्त हुआ है वो देश है जापान! आखिर जापान में ऐसा क्या है जो इसे इतना खास बनाता है, यही जानने की कोशिश है यह आलेख।

मोटा होना अवैध

जापान में मोटा होना अवैध है हालांकि जापान ने दुनियाभर को मोटे लोगों की सूमो कुश्ती से परिचित करवाया है लेकिन वर्ष 2009 में कानून निर्माताओं ने पेट के आकार को सीमित कर दिया था। इसके तहत 40 साल से अधिक उम्र वाले पुरुषों का पेट 31 इंच और महिला का 35 इंच से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

सफाई का पाठ

जापान ही एक ऐसा देश है, जहां हर जापानी बच्चा शिक्षक के साथ मिलकर प्रतिदिन 15 मिनट अपने स्कूल की सफाई करता है, जो वाकई ये दिखाता है कि यहां के बच्चे तक साफ सफाई को लेकर कितने उत्सुक है। जापान में पहली से छठी कक्षा तक के बच्चो को सर्वप्रथम नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाता है। इस दौरान उन्हें ये सिखाया जाता है की मनुष्य को आखिर अपने अंदर नैतिकता लाना क्यों आवश्यक है। जापान के स्कूलों में बच्चे मध्यांतर भोजन के बाद भी अपने दांत अनिवार्यरूप से साफ करते है।

अर्थव्यवस्था को लेकर गंभीर

इस देश में हर साल लगभग 1500 भूकम्प आते है। इतना सबकुछ होने के बाद भी जापान देश की अर्थव्यवस्था दूसरे नंबर पर है और ये बात साबित करती है की यहां के लोग देश की अर्थव्यवस्था को लेकर कितने गंभीर है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दरम्यान जापान के हिरोशिमा और नागासाकी मे परमाणु बम से हमला किया गया था।

बच्चों की परीक्षा नहीं

जापान में पहली कक्षा से लेकर तीसरी कक्षा तक बच्चो का कोई एक्जाम नहीं लिया जाता क्योंकि इस देश की शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य बच्चों के अंदर कांसेप्ट और करैक्टर की महत्वता का बोध कराना है, न की परीक्षा प्रणाली के बारे में बच्चों को अवगत कराना।

भोजन को लेकर जागरूक

जापान देश के बच्चे भोजन ग्रहण को लेकर बहुत जागरूक है। वो अपना भोजन खत्म करने में लगभग आधे घंटे का समय लेते हैं, जो कि भोजन की पाचन प्रक्रिया के हिसाब से बिलकुल सही है और ये दिखाता है बच्चे अपने शरीर को लेकर किसी भी तरह का समझौता नहीं करते।

कुत्ते के साथ सड़क पर

जापान में हर एक व्यक्ति कुत्ते के साथ सड़क पर चलते समय उस जानवर की गन्दगी को उठाने के लिए अपने साथ एक बैग लेकर चलता है, जो ये दर्शाता है कि वहां के लोग स्वछता के प्रति कितने सजग हैं। जापान देश में सफाई कर्मचारी को स्वास्थ्य इंजीनियर का दर्जा दिया गया है। इस देश के सफाई कर्मचारी को प्रत्येक महीने 5000 से 8000 अमरीकी डॉलर वेतन दिया जाता है। सफाई कर्मचारी की भर्ती से पहले उनके मौखिक एवं लिखित परीक्षण भी होते हैं।

मोबाइल फोन मना है

जापान में ट्रेन, होटल और इंडोर्स में मोबाइल का उपयोग करना सख्त मना है। मोबाइल के उपयोग की खामियों को देखते हुए वाकई ये एक अच्छा कदम भी है। जापानी आज भले ही दुनिया के अमीर लोगों में से एक है, मगर वो कभी भी नौकरों की जरुरत महसूस नहीं करते। चाहे कोई व्यक्ति कितना भी अमीर क्यों न हो, वो अपने घर और बच्चो का ख्याल खुद ही रखता है।

संपादकीय

पीएम की मुस्लिम अपील

बीते दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ टीवी चैनलों को साक्षात्कार दिए थे। उनमें उन्होंने मुसलमानों को 'आत्मचिंतन' करने की अपील की थी और नसीहत भी दी थी। यह पहला मौका है कि देश के प्रधानमंत्री को मुसलमानों की इस तरह मनुहार करनी पड़ी है। प्रधानमंत्री ने किसी पार्टी का वोट बैंक या बंधक बनने के बजाय खुले दिमाग से सोचने की नसीहत भी दी है। प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि एक सीधी लकीर की तरह वोट देना और वह भी हिंदू वर्चस्व या हिंदू-विरोध के नाम पर भाजपा जैसे राष्ट्रवादी दलों के खिलाफ मुसलमानों का वोट करना एक गलत और पूर्वाग्रही ट्रेंड है। मौजू सवाल है कि चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री को मुसलमानों को, एक हद तक, मनाने या अपील करने को बाध्य क्यों होना पड़ा? हिंदू-मुस्लिम का चुनावी विभाजन तो 'जनसंघ' के दौर से रहा है। पहले जनसंघ और बाद में भाजपा बुनियादी और वैचारिक तौर पर हिंदूवादी पार्टी रही है। यह दीगर है कि अच्छी तादाद में मुसलमान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में भी भाजपा को वोट देते थे और आज प्रधानमंत्री मोदी के सूत्रवाक्य-'सबका साथ, सबका विकास...' का समर्थन करते हुए 12-15 फीसदी मुसलमान भाजपा के पक्ष में वोट कर रहे हैं, लेकिन वह कभी भी 'निर्णायक' साबित नहीं हुआ। यकीनन देश की आजादी के बाद कांग्रेस अधिकांश समय सत्तारूढ़ रही। 1951 से 1975 तक तो कांग्रेस को कोई चुनौती ही नहीं थी, लिहाजा उसने अपनी चुनावी रणनीति के तहत मुसलमानों को 'वोट बैंक' की तरह बांधे रखा और दलितों, आदिवासियों, कुछ पिछड़ी जातियों में भी कांग्रेस के जनाधार बनाए। हालांकि केंद्र में वाजपेयी सरकार के 6 साल और मोदी सरकार के 10 साल के अलावा या तो कांग्रेस सत्ता में रही है अथवा बाहरी समर्थन से लड़खड़ाती सरकारें बनवाई हैं। दरअसल जब कांग्रेस से अलग होकर या उसका विरोध करते हुए क्षेत्रीय दलों के उभार का दौर आया, तो मुसलमान सपा, बसपा, राजद और तृणमूल कांग्रेस आदि क्षेत्रीय दलों की ओर भी ध्रुवीकृत हुए। नतीजतन मुस्लिम वोट बंटते रहे हैं, लेकिन मुस्लिम आज भी मानसिक तौर पर कांग्रेस के साथ हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'आत्मचिंतन' की नसीहत इसलिए दी है, ताकि मुसलमान सोच सकें कि जिन्होंने उन्हें वोट बैंक का बंधक बनाए रखा, उन्होंने आखिर क्या दिया है? मुसलमानों को क्या फायदे मिले हैं? इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने 1992 के कथित बाबरी मस्जिद विध्वंस, 2002 के गोधरा सांप्रदायिक दंगों का जिक्र किया है। किसी प्रधानमंत्री ने शायद यह भी पहली बार कहा है कि यदि एक सांप्रदायिक वृत्तांत गढने की कोशिश न की गई होती और मुसलमानों के रहनुमा बनकर अपने खेमे में बांधे रखने की सियासत नहीं की गई होती, तो ये दोनों दौर उतने भयावह न होते! उप्र के मुख्यमंत्री के तौर पर मुलायम सिंह को 'रामसेवकों' पर गोलियों की बौछार नहीं करनी पड़ती! प्रधानमंत्री ने तीन तलाक से लेकर शाहबानो तक के संदर्भ भी उठाए हैं। 'सच्चर कमेटी' के निष्कर्षों का भी जिक्र किया, लेकिन रंगनाथ मिश्रा आयोग का हवाला देने भूल गए अथवा उसे जरूरी नहीं समझा। उसी आयोग ने अनुशंसा की थी कि धार्मिक आधार पर भी आरक्षण दिया जा सकता है। मुसलमानों को अल्पसंख्यक के तौर पर 15 फीसदी में से 10 फीसदी आरक्षण दिया जाए। आयोग ने ओबीसी आरक्षण में से मुसलमानों को आरक्षण मुहैया कराने का भी रास्ता सुझाया था। बहरहाल संसद ने इस आयोग की सिफारिशें पारित नहीं होने दीं। दरअसल आज यह सवाल नहीं, बल्कि हकीकत है कि औसत मुसलमान को गरीबी, अशिक्षा, बदहाली और भुखमरी ही मिली। अब आम चुनाव में मुस्लिम आरक्षण के जरिए वोट बैंक को भुनाने की सियासी कवायद जारी है, जिसके पलटजवाब में प्रधानमंत्री मोदी को अपने दलित, आदिवासी और ओबीसी समर्थक जमातों को विश्वास दिलाना पड़ रहा है कि मोदी मुस्लिम आरक्षण लागू नहीं होने देगा। सारांश यह है कि मौजूदा दौर 'मुस्लिममय' हो गया है और हिंदू-मुस्लिम में विभाजित चुनाव हो गया है, लिहाजा प्रधानमंत्री को 'आत्ममंथन' करने की मनुहार तक करनी पड़ी है। इससे चुनाव के रुझान बदलने वाले नहीं हैं, क्योंकि करीब 90 फीसदी मुसलमान, गोधरा दंगों के दौर से, मोदी और भाजपा के प्रति कट्टर पूर्वाग्रही हो गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि एक सीधी लकीर की तरह वोट देना और वह भी हिंदू वर्चस्व या हिंदू-विरोध के नाम पर भाजपा जैसे राष्ट्रवादी दलों के खिलाफ मुसलमानों का वोट करना एक गलत और पूर्वाग्रही ट्रेंड है। मौजू सवाल है कि चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री को मुसलमानों को, एक हद तक, मनाने या अपील करने को बाध्य क्यों होना पड़ा? हिंदू-मुस्लिम का चुनावी विभाजन तो 'जनसंघ' के दौर से रहा है। पहले जनसंघ और बाद में भाजपा बुनियादी और वैचारिक तौर पर हिंदूवादी पार्टी रही है। यह दीगर है कि अच्छी तादाद में मुसलमान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में भी भाजपा को वोट देते थे और आज प्रधानमंत्री मोदी के सूत्रवाक्य-'सबका साथ, सबका विकास...' का समर्थन करते हुए 12-15 फीसदी मुसलमान भाजपा के पक्ष में वोट कर रहे हैं।

कुत्सित राजनीति के माध्यम से भारत की जनता के मानस में ऐसे बीज बोने का ही काम करते हैं

लोकसभा चुनाव के दौरान रंग भेद की राजनीति

सुरेश हिंदुस्तानी

लोकसभा चुनाव के दौरान राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की मीमांसा की जा रही है। इसके तारतम्य यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं, जो कभी सफल नहीं होने चाहिए। भारत में जिस प्रकार से सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किये गए, जिसके कारण समाज के कई हिस्से अलग अलग दुकान खोलकर बैठ गए और इसकी आज की राजनीति ने इसे मुंह मांगा इनाम भी दिया। जिसके कारण भारतीय समाज के बीच जो विविधता की एकता को दर्शाने वाली परंपरा रही, उसकी जड़ों में मट्ठा डालने का अनवरत प्रयास किया गया। यह सभी जानते हैं कि जिस देश का समाज कम से कम राष्ट्रीय मामलों पर एक स्वर व्यक्त करता है, वहां किसी भी प्रकार की सामाजिक बिखराव के प्रयास धूमिल ही होते है। लेकिन कुछ राजनीतिक दलों को यह सामाजिक एकता अच्छी नहीं लगती, इसलिए वह अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाते हुए ही अपनी राजनीति करते हैं। ऐसे लोगों को भारत की सांस्कृतिक एकता खटकती है। ऐसे लोग कुत्सित राजनीति के माध्यम से भारत की जनता के मानस में ऐसे बीज बोने का ही काम करते हैं, जो प्रथम दृष्टया विभाजनकारी ही कहे जा सकते हैं। ऐसे बयानों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। क्योंकि यह विचार देश का भला नहीं कर सकता। अगर ऐसा विचार लेकर कोई राजनीतिक दल राजनीति करता है तो उसकी प्रासंगिकता पर भी सवाल हो सकते हैं। राजनीतिक दलों ने अपना स्वार्थ साधने के लिए पूर्व और पश्चिम को अलग पहचान के रूप में प्रचारित करने में जोर लगाया, तो वहीं उत्तर और दक्षिण के लोगों के मन में नफ़रत की दरार को और ज्यादा चौड़ा किया। जबकि हमारे देश के नायकों ने एक भारत के रूप में स्वतंत्रता प्राप्त की। आज की राजनीति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि उनके सपनों को पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास नहीं किया जा रहा। इसी कारण कहीं जातिवाद को हवा दी रही है तो कहीं तुष्टिकरण का प्रयास किया जा रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हमारे राजनीतिक दल समाज को एक करने की दिशा में कदम उठाएं। इससे समाज का तो भला होगा ही, देश भी मजबूत होगा। वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अस्तित्व बरकरार रखने के जिस प्रकार का परिश्रम किया जा रहा है, वह निसंदेह आवश्यक भी था, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पिछले दो चुनावों की तरह इस बार भी पार्टी के इस अभियान को पलीता लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल विदेशी अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उसे अनजाने में दिया बयान समझकर खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि सैम पित्रोदा कांग्रेस नेताओं के बहुत ख़ास रहे हैं। यहां तक कि राहुल गांधी के विदेशी दौरे भी यही प्रबंधित करते हैं। सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उससे भारत की कांग्रेस ने भले ही किनारा कर लिया हो, लेकिन विदेशों में सैम पित्रोदा भारत को किस रूप में प्रस्तुत करते होंगे, इस बात का सहज़ अनुमान लगाया जा सकता है। सैम पित्रोदा के बयान का आशय यह भी निकाला जा सकता है कि वे भारत को एक देश के रूप में नहीं देख सकते। उनकी नजरों में शायद भारत की चारों दिशाओं में अलग अलग देश दिखाई देते हैं। कुछ ऐसे ही बयानों के कारण कांग्रेस अपने अस्तित्व से जूझ रही है। कुछ इसी प्रकार के बयान कांग्रेस के अन्य नेता भी देते रहे हैं। एक बार मैंने अपने एक लेख में लिखा था, जिसका उल्लेख अन्य लेखक भी कर चुके हैं कि कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते करते अनजाने में देश का विरोध करने लगती है। हालांकि कांग्रेस नेताओं का आशय देश विरोध का नहीं होगा, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस के नेता ऐसे बयान देते ही क्यों हैं, जिसका एक अर्थ ऐसा भी निकलता है, जिससे देश का विरोध होने का संकेत मिलता है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा कांग्रेस के लिए कोई छोटा नाम नहीं है। वे कांग्रेस के मुख्य कर्ता धर्ताओं में गिने जाते हैं। हालांकि चुनाव में उनके बयान का विपरीत प्रभाव न हो, इसलिए सैम पित्रोदा का इस्तीफ़ा देना एक राजनीतिक कदम भी हो सकता है। अगर सैम पित्रोदा का इस्तीफ़ा लेना ही था तो उनके पहले दिए बयानों पर भी तो लिया जा सकता था। लेकिन कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया। इससे कांग्रेस की सोच का पता चलता है और बैठे ठाले ही कांग्रेस ने भाजपा को एक और मुद्दा दे दिया। सैम पित्रोदा के बयान ने कांग्रेस की एक बार फिर से फ़जीहत करा दी। राहुल गांधी के इर्द गिर्द राजनीति करने वाले कांग्रेस के बड़े नेताओं के पलायन करने के बाद भी अगर शीर्ष नेतृत्व इस बात से अनभिज्ञ है कि कांग्रेस की ऐसी दुर्दशा क्यों हो रही है? तो स्वाभाविक ही है कांग्रेस को अपनी पिछली दो शर्मनाक पराजय का बोध भी नहीं हो सकता। अभी तक के राजनीतिक इतिहास में अपने सबसे बड़े दुर्दिनों का सामना कर रही कांग्रेस पार्टी समूहों में विभाजित होकर अवनति के मार्ग पर बेलगाम बढ़ती जा रही है। यह समस्याएं उसकी खुद की देन हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में कांग्रेस की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसके पीछे बहुत सारे कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि आज की कांग्रेस में स्पष्ट दिशा और स्पष्ट नीति का अभाव सा पैदा हो गया है। उसके जिम्मेदार नेताओं को यह भी नहीं पता कि कौन से मुद्दे पर राजनीति की जानी चाहिए और किस पर नहीं। इसी कारण कांग्रेस का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है, वह अविश्वसनीयता के घेरे में समाता जा रहा है। यह स्थिति जहां एक ओर कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व के प्रति अनास्था की धारणा को जन्म देने वाला कहा जा सकता है, वहीं यह भी प्रदर्शित कर रहा है कि राहुल गांधी युवाओं को आकर्षित करने में असफल साबित हुए हैं। इसमें उनकी अनियंत्रित बयानबाजी भी कारण है। हम जानते हैं कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार नहीं, बल्कि कई बार झूठे बयान दिए हैं, जिसमें वे माफी भी मांग चुके हैं। यह बात सही है कि झूठ के सहारे आम जनता को भ्रमित किया जा सकता है, लेकिन जब सत्य सामने आता है, तब उसकी कलई खुल जाती है। सबसे बड़ी विसंगति तो तब बनती है, जब अपने नेता के बयान को कांग्रेस के अन्य नेता समर्थन करने वाले अंदाज में निरर्थक रूप से पुष्ट करने का असफल प्रयास करते हैं। ऐसे प्रयासों से भले ही यह भ्रम पाल ले कि उसने केन्द्र सरकार को घेर लिया, लेकिन वास्तविकता यही है कि इसके भंवर में वह स्वयं ही फंसी नजर आती है।

राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की मीमांसा की जा रही है। इसके तारतम्य यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं, जो कभी सफल नहीं होने चाहिए। भारत में जिस प्रकार से सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किये गए, जिसके कारण समाज के कई हिस्से अलग अलग दुकान खोलकर बैठ गए और इसकी आज की राजनीति ने इसे मुंह मांगा इनाम भी दिया।

दृष्टि कोण

क्या कहते हैं जीएसटी के आंकड़े?

कुछ समय से जीएसटी की बढ़ती प्राप्तियां देश की आर्थिकी में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। एक मई 2024 को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में जीएसटी प्राप्तियां पहली बार 2 लाख करोड रुपए को लांघती हुई 2.10 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई हैं। पिछले साल के इस माह की तुलना में यह 12.4 प्रतिशत की वृद्धि है। लेकिन यदि रिफण्ड देने के बाद जीएसटी राशि की बात की जाए, तो यह अप्रैल 2024 में 1.92 लाख करोड़ रुपए है, जो अप्रैल 2023 की तुलना में 15.5 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। यूं तो जीएसटी के प्रारंभ से ही, इसकी प्राप्तियों में निरंतर वृद्धि होती रही है, लेकिन वर्ष 2023-24 में जीएसटी की प्राप्तियां 20.18 लाख करोड़ रुपए की रही, जो वर्ष 2022-23 के 18.1 लाख करोड़ रुपए से 11.7 प्रतिशत अधिक थी। गौरतलब है कि 2022-23 की प्राप्तियां 2021-22 से 22 प्रतिशत अधिक थी। गौरतलब है कि जुलाई 2017 में देश के अधिकांश अप्रत्यक्ष करों (वस्तुओं व सेवाओं पर कर) को समाप्त करते हुए, उसके स्थान पर जीएसटी लगाया गया था। यह जीएसटी केंद्र और राज्यों को बीच बराबर बांट दिया जाता है। उसके अलावा वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार केंद्र के द्वारा लगाए गए करों का एक निश्चित प्रतिशत (जो वर्तमान में 42 प्रतिशत है), राज्यों को स्थानांतरित करने का प्रावधान है। इसके अनुसार भी राज्यों को जीएसटी का एक बड़ा हिस्सा मिलता है। जीएसटी के विभिन्न हिस्सों को यदि समझने का प्रयास करें तो अप्रैल 2024 में 2.1 लाख करोड़ रुपए की कुल जीएसटी प्राप्तियों में सेंट्रल जीएसटी 43846 करोड़ रुपए, स्टेट जीएसटी 53538 करोड़ रुपए, इंटीग्रेटिड जीएसटी 99623 करोड़ रुपए, जिसमें 37826 करोड़ रुपए आयातित वस्तुओं पर जीएसटी से प्राप्त हो रहा है। इसके अलावा 13260 करोड़ रुपए उपकर (सेस) के रूप में प्राप्त हुए, जिसमें 1008 करोड़ रुपए आयातित

वस्तुओं पर उपकर से प्राप्त हुए। जीएसटी वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन पर लगता है। इसकी खासियत यह है कि यह उत्पादन प्रक्रिया में हर बार के मूल्य संवद्र्धन यानी वैल्यू एडीशन पर लगता है। स्वाभाविक है कि देश में जैसे-जैसे वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन बढ़ता है, जीएसटी की दर समान रहने पर भी जीएसटी की प्राप्तियां बढ़ जाती हैं। कोविड के बाद पिछले कुछ वर्षों में जीडीपी ग्रोथ न केवल पहले से बेहतर हुई है, बल्कि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत लगातार सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। वर्ष 2021-22 में जीडीपी ग्रोथ 9.1 प्रतिशत, 2022-23 में 7 प्रतिशत रिकॉर्ड की गई। वर्ष 2023-24 के लिए अग्रिम अनुमानों के अनुसार 7.6 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया गया है। इस ग्रोथ में सभी क्षेत्रों का योगदान रहा। पिछले कुछ वर्षों में औद्योगिक ग्रोथ की दर बढ़ी है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक अप्रैल 2021 में 126.1 की तुलना में जनवरी 24 तक 153.0 तक पहुंच गया है। सेवा क्षेत्र में भी उल्लेखनीय ग्रोथ देखने को मिल रही है। औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की ग्रोथ के चलते जीएसटी की प्राप्तियां बढ़ना अस्वाभाविक नहीं है। चूंकि जीएसटी वस्तुओं के मूल्य पर लगता है, यह मात्र वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन बढ़ने से ही नहीं, बल्कि मुद्रास्फीति, यानी कीमतों में वृद्धि के कारण भी बढ़ता है। पिछले तीन वर्षों में देश में मुद्रास्फीति की दर में भी वृद्धि हुई है। यह वृद्धि घरेलू कारणों से कम, विदेशी कारणों से ज्यादा हुई है। अमरीका, यूरोप समेत दुनिया के अधिकांश मुल्क मुद्रास्फीति से जूझ रहे हैं। लेकिन कारण जो भी हो, मुद्रास्फीति भी कुछ मात्रा में जीएसटी में वृद्धि का कारण बन रही है। भारत में उत्पादन का बहुत बड़ा क्षेत्र अनौपचारिक यानी नॉन-फार्मल रहा है और कुछ हद तक आज भी है। लेकिन पिछले कुछ समय से कुछ स्वाभाविक कारणों से और कुछ हद तक जीएसटी लागू होने से अर्थव्यवस्था का औपचारीकरण बढ़ा है। समझना होगा कि पूर्व की उत्पादन प्रक्रिया पर लगे जीएसटी का क्रेडिट आगामी उत्पादन में तभी मिल सकता है, जब उत्पादन प्रक्रिया में संलग्न सभी घटक जीएसटी में पंजीकृत हों। इस कारण से भी अर्थव्यवस्था का औपचारीकरण बढ़ा है, जिसके चलते जीएसटी की प्राप्तियां भी बढ़ रही हैं। देखा गया है कि जीएसटी की प्राप्तियों में आयात पर लगाए गए कर और उपकर (सेस) भी शामिल हैं। उस दृष्टि से उपकर मिलाकर अप्रैल 2024 में आयात से कुल जीएसटी प्राप्तियां 38834 करोड़ रुपए की हैं।

कुछ अलग

भविष्य पुराण...

दिलीप कुमार अभिनीत फिल्म 'गोपी' में राजेन्द्र कृष्ण के गीत 'रामचंद्र कह गए सिया से ऐसा कलियुग आएगा' पर भविष्य पुराण का कितना असर है, इस बारे कहना कठिन है। गीत में हंस के दाना दुनका चुगने और कौए के मोती खाने का जिक्र तो है, पर गधों और घोड़ों का कहीं उल्लेख नहीं आता। जबकि केन्द्र सरकार के एक प्रभावशाली मंत्री पिछले दिनों अपने सम्बोधन में कह रहे थे कि अजब दौर है कि घोड़ों को घास नहीं मिलता, पर गधे च्यवनप्राश खा रहे हैं। इससे इतना तो तय है कि वह ख़ुद को घोड़ा बता रहे थे। लेकिन वह जिन गधों की तरफ इशारा कर रहे थे, वे सत्ता का भरपूर आनन्द लूट रहे हैं। भविष्य पुराण में न गधों और घोड़ों का जिक्र है और न ही 21वीं सदी का। सत्ता का चरित्र हर युग में एक जैसा ही रहता आया है और आम आदमी की किस्मत भी। भविष्य पुराण के चार पर्वों में शामिल प्रतिसर्ग पर्व में घटनाएं घटित होने के बाद कालान्तर में जोड़ी गई हैं। ऐसे में इसे भविष्य पुराण कहा जाए या अतीत पुराण, इसका फैसला आप ही करें। लेकिन मैं कलियुग के उन लक्षणों का हवाला अवश्य देना चाहूंगा जिसके बारे में श्रीराम ने सीता को बताया था। पंचवटी में सावन की घटाओं का आनन्द उठाते हुए अपनी कुटिया में बैठे प्रभु श्रीराम से जब सिया ने कलियुग के लक्षणों के बारे में पूछा तो प्रभु ने कहा कि घोर कलियुग के दौर में न धर्म बचेगा और न ही कर्म। ऐसे में शर्म होने या आने के सवाल स्वतः समाप्त हो जाएंगे। राजा और प्रजा, दोनों नैतिक रूप से नग्न होकर घूमेंगे। कहने को लोकतंत्र होगा। लोगों को अपना राजा चुनने का अधिकार होगा। पर चुना हुआ राजा तमाम तरह के कुकर्मों पर आंखें मीचे अपने कुकर्मी सामन्तों को अभयदान प्रदान करता रहेगा। कोतवाल बलात्कारियों को सलाम ठोकेंगे। अगर कहीं पकड़े जाने की नौबत आई तो वे राज्य की मदद से विदेश भाग जाएंगे। राजस्व पर हाथ साफ करने वालों को राजा की शरण में जाने पर न केवल अभयदान मिलेगा बल्कि सामन्ती भी प्राप्त होगी। अपने कुकर्मों को छिपाने के लिए राजा मेरे नाम पर वोट मांगेगा। सामन्त राजा के साथ मेरे नाम का कीर्तन करेंगे। राजा अपने फायदे के लिए प्रजा की गैसलाइटिंग करेगा अर्थात मनोवैज्ञानिक तौर पर उसे धोखे में रखते हुए इस तरह भ्रमित करेगा कि प्रजा अपने विचारों और ख़ुद की क़ाबिलियत पर शक करने लगेगी। प्रजा के पेट में रहने वाले कीड़े उसके दिमाग़ में अपना घर बना लेंगे। राजा आत्ममुग्धता का इतना अधिक आदी होगा कि जगह-जगह उसके फोटो वाले होर्डिंग और बोर्ड लगे होंगे। यहां तक कि राज्य द्वारा बनाए जाने वाले सार्वजनिक शौचालयों के बाहर, दरवाज़ों और टॉयलेट पेपर पर भी उसके फोटो चिपके होंगे। अपनी छवि निर्माण के लिए वह झूठ का इस क़दर सहारा लेगा कि झूठ भी 'त्राहिमाम त्राहिमाम' कर उठेगा। अपनी छवि चमकाने के लिए राजा सरकारी मशीनरी से इतना प्रचार करेगा कि कालान्तर में यह अभियान प्रोपेगेंडा या अधिप्रचार में बदल जाएगा। लेकिन इसमें प्रजा भी बराबर की हिस्सेदार होगी। सतयुग से अपने उत्थान के लिए किसी अवतार की परिकल्पना में खोई रहने वाली प्रजा कलियुग में सरकारी सुविधाओं का उपभोग करते हुए अपने कत्र्तव्यों से विमुख रहेगी। अगर मुफ़्त में ज़हर भी बंटेगा तब भी लोग यह सोचकर, उसे लेने के लिए क़तारबद्ध हो जाएंगे कि लेकर रख लेते हैं, कभी न कभी तो यह काम आएगा ही।

देश दुनिया से

केजरीवाल को जमानत

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल शराब घोटाले में जेल में थे। वे इधर उधर सभी प्रकार के न्यायालयों में ज़मानत के लिए अर्ज़ी लगा रहे थे। जब जेल में दिल का दौरा पड़ने से मुख़्तार अंसारी की मौत हुई और उसके रिश्तेदारों ने कहना शुरू कर दिया कि जेल में उन्हें ज़हर दिया गया था, तो केजरीवाल ने भी कहना शुरु कर दिया था कि उन्हें भी जेल में ज़हर ही दिया जा रहा है। लेकिन उन्हें कचहरी से राहत नहीं मिली। उनके दो और साथी इसी शराब घोटाला मामले में साल भर से भी ज्यादा समय से जेल में हैं। लाख अर्ज़ियाँ लगाने के बावजूद उन्हें ज़मानत नहीं मिली। केजरीवाल की इस मामले में संलिप्तता को लेकर अभी प्रवर्तन निदेशालय जाँच कर ही रहा था कि केजरीवाल ने देश की सबसे बडी कचहरी में यही अर्ज़ी लगा दी कि उनका तो शराब घोटाले वाले मामले से कोई सम्बध नहीं है। उनको बिना किसी कारण से पकड़ लिया गया है। इसलिए उनके खिलाफ की जा रही जाँच को बन्द करके उन्हें रिहा कर दिया जाए। बाक़ी उनके वकील इस मामले में ज्यादा तर्क यह भी दे रहे थे कि चुनाव का मौसम है और केजरीवाल दिल्ली के निर्वाचित मुख्यमंत्री भी हैं, इसलिए और नहीं तो उनके मुवक्किल को चुनाव में प्रचार करने के लिए ही छोड़ दिया जाए। सबसे बडी कचहरी को उनके वकीलों का यह तर्क मज़ेदार लगा। इसलिए कचहरी ने स्वयं ही सुझाव दिया कि इसके लिए अंतरिम ज़मानत के लिए अर्ज़ी लगाओ तो देखते हैं। अब अर्ज़ी लगाने में भला कितनी देर लगती। तब अर्ज़ी पर बहस शुरु हुई। दोनों ओर से वकील कचहरी में डट गए। केजरीवाल के वकीलों का तो तर्क वही था कि 'लोगों के चुने हुए मुख्यमंत्री' जेल में हैं और चुनाव का मौसम है। केजरीवाल जेल से बाहर न निकाले गए तो देश में लोकतंत्र और संविधान दोनों ख़तरे में पड जायेंगे। यहाँ तक कहा गया कि केजरीवाल को तो पकड़ा ही इसलिए गया है ताकि वे प्रचार न कर सकें। बाक़ी शराब घोटाला तो बहाना है। इतना ही नहीं, प्रवर्तन निदेशालय की हिमाक़त तो देखें कि केजरीवाल को तब पकड़ा गया जब देश में आदर्श चुनाव संहिता लागू हो चुकी थी। वैसे ये तर्क सुन कर देश का आम आदमी तो सिर पीट रहा था। अभी तक तो यही माना जा सकता था कि चुनाव संहिता के दिनों में सरकार कोई ऐसा काम नहीं कर सकती, जिस से मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके। लेकिन अब यह भी कहा जा रहा था चुनाव संहिता के दिनों में किसी तथाकथित अपराधी को भी गिरफ्तार भी नहीं किया जा सकता। बस एक ही रट थी कि देश में लोकतंत्र की प्राण प्रतिष्ठा केजरीवाल के बाहर आने से ही हो सकती है। सरकारी वकील यह सब सुन सुन कर दाँतों तले उँगलियाँ चबा रहे होंगे। सरकारी वकील गा कहना था कि केस सुनते समय और न्याय करते समय तथाकथित अपराधियों में भेदभाव नहीं करना चाहिए। इस प्रकार तो जेल में बन्द हर विचाराधीन व्यक्ति को कोई न काम लगा ही रहेगा। उदाहरण के लिए किसान कहेगा, हजूर बिठाई गा समय आ गया है। महीना भर में चला जाएगा। इसलिए दस दिन के लिए ज़मानत दे दें, गेहूँ बीज कर वापिस आ जाऊँगा। जितना जरुरी चुनाव में प्रचार करना है, शायद उससे भी ज्यादा जरुरी खेत में गेहूँ बोना है। वैसे भी राजनीतिज्ञों के तो मज़े लग जाँएगे। चुनाव तो पाँच साल चला ही रहता है। जैसे केजरीवाल साल भर से ईडी को कह ही रहे थे, सअपने समन सम्भाल कर रखो, मुझे पाँच राज्यों के चुनाव में प्रचार करना है। चुनाव निकल गया तो ईडी ने फिर समन भेजने शुरू कर दिए तो केजरीवाल ने फिर झिड़क दिया कि आपको शराब घोटाला की पड़ी है, इधर राज्य सभा के चुनाव सिर पर मँडरा रहे हैं। ईडी फिर हाथ मलती रही। ईडी ने कहा भी कि भाई, आपको अपराधी कौन कह रहा है, आप आ कर जाँच में शामिल हो जाएँ, ताकि पता तो चले कि शराब घोटाला का मामला कैसे हुआ। लेकिन केजरीवाल तो पैरों पर पानी नहीं पड़ने दे रहे थे। कभी कहने लगे सवाल लिख कर भेज दो, सिफ़र देख लेंगे। कभी कहने लगे वर्चुअल पूछ लो। ईडी परेशान कि यदि हर व्यक्ति ईडी को ही बताने लगे कि जाँच कैसे करनी है तब तो किसी केस की जाँच हो ही नहीं सकती। केजरीवाल की इसी ड्रामेबाज़ी के चलते लोक सभा के चुनाव आ गए। तब ईडी को लगा कि कोई न कोई चुनाव तो होते रहेंगे और केजरीवाल उसी की आड लेकर जाँच का सामना करने से बचते रहेंगे। पानी सिर के ऊपर तक ही आ गया था। तब ईडी ने केजरीवाल को एक और समन भेजा और इस बार उसने और रास्ता निकाला कि इस बात का इंतज़ार न किया जाए कि वे जाँच में शामिल होने के लिए आते हैं या नहीं। इसलिए उनके घर जाकर ही पूछताछ कर ली जाए। जब ईडी के अधिकारी उनके घर पूछताछ करने पहुँचे तो उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ईडी अधिकारियों को घर के अन्दर जाने से रोकने की कोशिश भी की। लेकिन अन्ततः पिछले कई महीनों के संघर्ष के बाद केजरीवाल ईडी के सामने थे।

केजरीवाल की इस मामले में संलिप्तता को लेकर अभी प्रवर्तन निदेशालय जाँच कर ही रहा था कि केजरीवाल ने देश की सबसे बडी कचहरी में यही अर्ज़ी लगा दी कि उनका तो शराब घोटाले वाले मामले से कोई सम्बध नहीं है। उनको बिना किसी कारण से पकड़ लिया गया है। इसलिए उनके खिलाफ की जा रही जाँच को बन्द करके उन्हें रिहा कर दिया जाए। बाक़ी उनके वकील इस मामले में ज्यादा तर्क यह भी दे रहे थे कि चुनाव का मौसम है और केजरीवाल दिल्ली के निर्वाचित मुख्यमंत्री भी हैं, इसलिए और नहीं तो उनके मुवक्किल को चुनाव में प्रचार करने के लिए ही छोड़ दिया जाए। सबसे बडी कचहरी को उनके वकीलों का यह तर्क मज़ेदार लगा। इसलिए कचहरी ने स्वयं ही सुझाव दिया कि इसके लिए अंतरिम ज़मानत के लिए अर्ज़ी लगाओ तो देखते हैं।

आप का नजरिया

75 सीटों पर हो गया है दिलचस्प सीन

आम चुनाव अब अपने सेकंड हाफ में पहुंच गया है। ऐसे में अब सियासत बस चुनाव प्रचार तक सीमित नहीं रह गई है। तमाम राजनीतिक दल 4 जून की संभावित सियासी तस्वीर को समझने और decode करने में जुट गए हैं। हालांकि पक्ष-विपक्ष, दोनों पूरे आत्मविश्वास से यही बताने में लगे हैं कि अभी तक हुई वोटिंग उनके पक्ष में जाती दिख रही है। लेकिन सियासत में कई अनकहे सवालों के बीच ही आने वाले कल के भी संकेत छुपे होते हैं। चार चरणों के चुनाव के बाद जिस एक बात पर सभी सहमत हैं, वह है कि वोटिंग ने सभी का गणित बिगाड़ दिया है। इसके चलते इस बार चुनाव में बूथ मैनेजमेंट सबसे अहम फैक्टर हो गया है। बिना लहर वाले सामान्य चुनाव में वोटिंग ट्रेंड बहुत ही नियमित है। यह भी तय है कि इसमें 2019 के मुकाबले कुछ गिरावट तो होगी ही। चार राउंड के बाद दल यह तय कर रहे हैं कि किसका वोटर कम निकला है। सभी दलों में समीक्षा करने का भी दौर तेज है। हर उस जगह से फीडबैक लिए जा रहे हैं। कई सीटों पर अपेक्षाकृत कम वोट पड़े हैं तो कुछ जगहों पर उम्मीद से अधिक। पूरा सीन तो 4 जून को नतीजे के आने के बाद ही साफ होगा, लेकिन सभी इस बारे में अपने-अपने हिसाब से अर्थ तो निकाल ही रहे हैं। वोटिंग ट्रेंड का नजदीकी आकलन कर रहे समीक्षकों के अनुसार, इस बार बहुत ही अलग बात सामने आ रही है। एक ही संसदीय क्षेत्र में अलग-अलग विधानसभा से लेकर गांव-शहरी क्षेत्रों वाले इलाके में वोटिंग में बड़ा अंतर देखा जा रहा है। स्वाभाविक ही, इसका राजनीतिक संदेश बदल जा रहा है। कुछ इलाकों में BJP ने माना कि उसके मजबूत इलाकों में अधिक वोटिंग हुई, तो कहीं इसका उलटा होने का भी दावा किया गया है। ऐसे ही दावे विपक्षी दलों की ओर से किए जा रहे हैं। जाहिर है वोटिंग ट्रेंड ने आम चुनाव की जंग कांटे की बना दी है। जानकारों के अनुसार, नजदीकी मुकाबले में जो राजनीतिक दल अपने-अपने वोटरों को बूथ तक भेजने में सफल होगा, वह अधिक लाभ में रहेगा। खासकर ऐसे मुकाबले में, जहां पिछले दो चुनावों से जीत-हार का अंतर मामूली रहा है। 2019 के आम चुनाव में लगभग 75 ऐसी लोकसभा सीटें थीं, जहां टक्कर एकदम कांटे की थी। इन सीटों पर जीत-हार का अंतर 20 हजार से भी कम वोटों का था। कम वोटिंग होने से ऐसी सीटों पर बहुत असर पड़ेगा और परिणाम किसी भी तरफ झुक सकता है। आमतौर पर अधिक वोटिंग होने से ऐसा संदेश जाता है कि यह परिवर्तन के लिए उमड़ी भीड़ है जबकि वोटिंग में उदासीनता बताती है कि वोटरों में इसके प्रति उत्साह नहीं, जिसे सत्ता पक्ष अपने लिए उम्मीद के रूप में देखता है। हाल के दिनों में तमाम दूसरे चुनावों को देखें तो हर चुनाव में वोटिंग में औसतन सात से दस फीसदी की वृद्धि होती रही है। ऐसे में इन दोनों ट्रेंड के बीच भी कई बार उलटे परिणाम देखने को मिले। इस बार कई राज्यों में वोटिंग 2014 के मुकाबले या तो कम हुई या लगभग उसी अनुरूप हुई। यही कारण है कि पिछले कुछ दिनों से सभी राजनीतिक दलों ने वोटिंग के बाद अपनी रणनीतिक मीटिंग की और ग्राउंड से फीडबैक लिया। अब वोटिंग मूल रूप से हिंदी भाषी क्षेत्रों और शहरी इलाकों में होगी।

पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला, हलफनामा दाखिल करने का दिया समय

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को व्यक्तिगत पेशी से छूट दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को हलफनामा दाखिल करने के लिए समय भी दिया है। इस हलफनामे में पतंजलि को यह बताना है कि उसने भ्रामक विज्ञापनों और उन दवाओं को वापस लेने के लिए क्या कदम उठाए हैं, जिनके लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं।

भ्रामक विज्ञापन पर सेलिब्रिटी के खिलाफ भी होगी कार्रवाई – जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने बीती 7 मई को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर लोगों को प्रभावित करने वाले किसी प्रोडक्ट या सर्विस का विज्ञापन भ्रामक पाया जाता है तो इसके लिए सेलिब्रिटीज और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स को भी समान रूप से जिम्मेदार ठहराया जाए। आईएमए ने अपनी याचिका में कहा है कि पतंजलि ने कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी के खिलाफ नकारात्मक प्रचार किया। याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा पतंजलि भ्रामक दावे करके देश को धोखा दे रही है कि उसकी दवाएं कुछ बीमारियों को ठीक कर देंगी, जबकि इसका कोई ठोस प्रमाण नहीं है। हालांकि कोर्ट के आदेश बावजूद पतंजलि की तरफ से प्रिंट मीडिया में कथित भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित कराए गए। इस पर 3 जनवरी 2024 को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही करने को लेकर बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को नोटिस जारी किया।

कोर्ट ने पतंजलि को अखबारों में माफीनामा प्रकाशित करने का दिया था निर्देश – अवमानना नोटिस जारी करने के बावजूद बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की तरफ से जवाब नहीं दिया गया। इस पर कोर्ट ने दोनों को सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने माफीनामा जारी किया, लेकिन कोर्ट ने माफीनामा खारिज कर दिया। 6 अप्रैल 2024 को कोर्ट ने अखबारों में माफीनामा प्रकाशित करने का निर्देश दिया।

न्यूज ब्रीफ

आईटीआर फाइल करने से आसानी से मिलता है लोनः सालाना इनकम ढाई लाख से कम तब भी भरें इनकम टैक्स रिटर्न

नई दिल्ली। साल 2023-24 के लिए 31 जुलाई तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना है। कई लोगों का मानना है कि अगर उनकी सालाना इनकम ढाई लाख से कम है और वो टैक्स के दायरे में नहीं आते हैं तो उन्हें आईटीआर भरने की जरूरत नहीं है, लेकिन ऐसा नहीं है। अगर आप इनकम टैक्स के दायरे में नहीं भी आते हैं तब भी आपको रिटर्न फाइल करना चाहिए, क्योंकि अगर आप आईटीआर फाइल करते हैं तो इससे आपको कई फायदे होते हैं। आईटीआर फाइल करने से लोन मिलने में आसानी होती है। इसके अलावा ये वीजा के लिए भी जरूरी होता है। हम आपको आईटीआर फाइल करने के 5 फायदों के बारे में बता रहे हैं। 1. लोन मिलने में आसानी आईटीआर आपकी इनकम का प्रूफ होता है। इसे सभी बैंक और एनबीएफसी इनकम प्रूफ के तौर पर स्वीकार करते हैं। अगर आप बैंक लोन के लिए आवेदन करते हैं तो बैंक कई बार आईटीआर मांगते हैं। अगर आप नियमित तौर पर आईटीआर फाइल करते हैं तो आपको बैंक से आसानी से लोन मिल जाता है। इसके अलावा आप किसी भी फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन से लोन के अलावा दूसरी सेवाएं भी आसानी से हासिल कर सकते हैं। 2. वीजा के लिए जरूरी अगर आप किसी दूसरे देश में जा रहे हैं तो वीजा के लिए जब आप आवेदन करते हैं तो आपसे इनकम टैक्स रिटर्न मांगा जा सकता है। कई देशों की वीजा अथॉरिटीज वीजा के लिए 3 से 5 साल का आईटीआर मांगते हैं। आईटीआर के जरिए वे चेक करते हैं कि जो आदमी उनके देश में आना चाहता है कि उसका फाइनेंशियल स्टेटस क्या है। 3. टैक्स रिफंड क्लेम करने के लिए अगर आपकी आमदनी से टैक्स काटकर सरकार के पास जमा करा दिया गया है तो आप आईटीआर फाइल किए बिना उसे वापस नहीं पा सकते, भले ही आपकी आमदनी इनकम टैक्स के दायरे में नहीं आती हो। आपको अगर टैक्स रिफंड क्लेम करना है तो इसके लिए आईटीआर दाखिल करना जरूरी है। आप जब आईटीआर दाखिल करते हैं तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट उसका असेस्मेंट करता है। आपका अगर रिफंड बनता है तो वह सीधे बैंक अकाउंट में क्रेडिट कर दिया जाता है। 4. आईटीआर रसीद एड्रेस प्रूफ के रूप में भी आती है काम आईटीआर रसीद आपके पंजीकृत पते पर भेजी जाती है, जो एड्रेस प्रूफ के रूप में काम कर सकती है। इसके अलावा यह आपके लिए इनकम प्रूफ का भी काम करती है। 5. घाटे को कैरी फॉरवर्ड करना रहता है आसान अगर आप शेयर या म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं और आपको घाटा होता है तो घाटे को अगले साल कैरी फारवर्ड कराने के लिए निर्धारित समय सीमा में इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना जरूरी है, क्योंकि अगले साल आपको अगर कैपिटल गेन होता है तो यह घाटा इस फायदे से एडजस्ट होगा और आपको लाभ पर टैक्स छूट का फायदा मिल सकता है।

डाटा की बढ़ रही खपत, 24 करोड़ घरों को ब्रॉडबैंड सेवाओं से जोड़ने के लिए 4.2 लाख करोड़ की जरूरत

नई दिल्ली। देश के 24 करोड़ घरों को अगले छह साल में यानी 2030 तक तेज रफ्तार वाली ब्रॉडबैंड सेवाओं से जोड़ने के लिए 4.2 लाख करोड़ रुपये के भारी निवेश की जरूरत होगी। ईवाई ग्लोबल के दूरसंचार क्षेत्र के प्रमुख एवं भागीदार प्रशांत सिंघल ने ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम के सम्मेलन में इसका ब्योरा देते हुए कहा, फाइबर बिछाने पर 2.7-3 लाख करोड़ रुपये, बुनियादी ढांचे पर 90,000-96,000 करोड़, वाईफाई एवं इन-बिल्डिंग समाधान पर 6,600-9,000 करोड़ रुपये, डाटा सेंटर पर 9,700-14,100 करोड़ रुपये और उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाओं पर 26,000-29,000 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। चार करोड़ घरों में ही सुविधा सिंघल ने कहा, भारत में अभी चार करोड़ घर से ब्रॉडबैंड से जुड़े हैं।इनमें शहरी इलाकों में ब्रॉडबैंड की पहुंच 3.6 करोड़ घरों तक है। ग्रामीण क्षेत्रों में 30 लाख कनेक्शन हैं। इन्हें 2030 तक क्रमशः 10 करोड़ और 15.3 करोड़ घरों तक पहुंचाने की जरूरत है। बढ़ती डाटा खपत के लिए मौजूदा ढांचा पर्याप्त नहीं ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम के अध्यक्ष टीवी रामचंद्रन ने कहा, देश में फिक्स्ड ब्रॉडबैंड का मौजूदा ढांचा डाटा की बढ़ती खपत के साथ तालमेल नहीं बिठा सकता है। छह साल में फिक्स्ड ब्रॉडबैंड कनेक्शन में 20 फीसदी की न्यूनतम वार्षिक वृद्धि दर हासिल करनी होगी।

थोक महंगाई दर 13 महीने के उच्चतम स्तर पर,अप्रैल महीने में 1.26 प्रतिशत हुआ आंकड़ा

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

थोक महंगाई दर अप्रैल महीने में सालाना आधार पर 13 महीने के उच्चतम स्तर 1.26 प्रतिशत पर पहुंच गई। मार्च में यह 0.53 प्रतिशत थी। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए। जानकारों ने थोक महंगाई दर 1 प्रतिशत पर रहने का अनुमान जताया था। थोक महंगाई दर में यह इजाफा खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

आलू-प्याज की थोक कीमतों में इजाफा

अप्रैल महीने में प्याज की कीमतों की वृद्धि दर 59.75 प्रतिशत रही जो मार्च महीने में 56.99 प्रतिशत थी। वहीं आलू के मामले में कीमतों की वृद्धि दर 71.97 प्रतिशत रही, मार्च महीनें में यह 52.96 प्रतिशत थी। एक साल पहले से तुलना करें तो उस दौरान प्याज की कीमतों में 5.54 प्रतिशत की नरमी आई थी, वहीं आलू की कीमतों में 30.56 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। खाद्य पदार्थों की थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 5.52 प्रतिशत बढ़ी, मार्च महीने में यह 4.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। मासिक आधार पर मार्च महीने के 0.95 प्रतिशत की तुलना में इसमें 1.94 प्रतिशत का इजाफा हुआ। सरकार के अनुसार अप्रैल महीने में थोक महंगाई दर में इजाफा मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, बिजली, क्रूड पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस, उत्पादित खाद्य पदार्थों और अन्य उत्पादित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

क्रूड पेटोलियम के थोक भाव भी बढ़े

अप्रैल 2024 में क्रूड पेटोलियम की थोक महंगाई दर पिछले साल के 1.64 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 4.97 प्रतिशत पर पहुंच गई। प्राथमिक वस्तुओं की थोक महंगाई दर अप्रैल महीने में बढ़कर 5.01 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीनें में 4.51 प्रतिशत थी। प्राथमिक वस्तुओं के अंतर्गत खाद्य पदार्थों, सब्जियों और खनिजों की कीमतें आती हैं।

खुदरा महंगाई दर में आई नरमी

विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में 0.42 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि पिछले महीने में इसमें 0.85 प्रतिशत की गिरावट आई थी। ईंधन और बिजली की कीमतों में मार्च में 0.77 प्रतिशत की गिरावट के मुकाबले 1.38 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे पहले सांख्यिकी मंत्रालय ने खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी जारी किए, जिसके अनुसार खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर 11 महीने के निचले स्तर 4.83 प्रतिशत पर आ आ गई, जबकि पिछले महीने में यह 4.85 प्रतिशत थी।

एआई जॉब मार्केट को सुनामी की तरह प्रभावित कर रहा, आईएमएफ प्रमुख जॉर्जीवा ने यह काम करने पर दिया जोर

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने हाल ही में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जॉब मार्केट को नाटकीय रूप से बदलने वाली है। उन्होंने कहा कि यह बाजार को सुनामी की तरह प्रभावित कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगले दो वर्षों में, एआई विकसित देशों में 60 प्रतिशत नौकरियों और दुनिया भर में 40 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित कर सकता है। जॉर्जीवा ने इन परिवर्तनों के लिए तैयार होने के महत्व पर जोर दिया। उसने कहा, हमारे पास लोगों को इसके लिए तैयार करने के लिए बहुत कम समय है, इसके लिए व्यवसायों को तैयार करने में बहुत कम समय है। एआई के जरिए हम कितना उत्पादन करते हैं उसे बढ़ा सकते हैं और चीजों को और अधिक कुशल बना सकते हैं। लेकिन यह झूठी जानकारी को भी बढ़ा सकता है और आमदनी के अंतर को व्यापक बना सकता है। उन्होंने एआई का अधिकतम लाभ उठाने के लिए सावधानीपूर्वक प्रबंधन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। जॉर्जीवा ने कहा, अगर हम इसे अच्छी तरह से प्रबंधित करते हैं, तो यह उत्पादकता में जबरदस्त वृद्धि ला सकता है, लेकिन इससे अधिक गलत सूचना और निश्चित रूप से, हमारे समाज में अधिक असमानता भी हो सकती है।

मेलिंडा ने गेट्स फाउंडेशन से दिया इस्तीफा, समझौते के तहत मिलेंगे साढ़े बारह अरब डॉलर

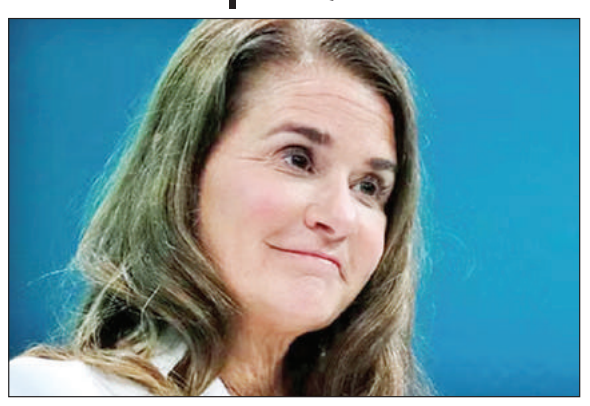

वॉशिंगटन, 14 मई (एजेंसियां) ।

दुनिया के शीर्ष अरबपतियों में शुमार बिल गेट्स की पूर्व पत्नी मेलिंडा गेट्स ने बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की सह-अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन दुनियाभर में समाज सेवा के काम करती है और आज दुनिया का शीर्ष गैर सरकारी संगठन है। मेलिंडा गेट्स का गेट्स फाउंडेशन में आखिरी दिन 7 जून होगा। मेलिंडा गेट्स ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में दी इस्तीफे की जानकारी मेलिंडा गेट्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। मेलिंडा ने लिखा कि काफी सोच-विचार के बाद मैंने बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन से इस्तीफा देने का फैसला किया है। फाउंडेशन में मेरा आखिर दिन 7 जून होगा। मेलिंडा ने लिखा कि मैंने और बिल ने मिलकर एक कमाल का संगठन बनाया है, जो दुनियाभर में असमानता से निपट रहा है। मेलिंडा ने अपने पोस्ट में लिखा कि फाउंडेशन इसके सीईओ मार्क सुजमैन के नेतृत्व में मजबूत हाथों में है। मेलिंडा ने लिखा कि अब सही वक्त है, जब मुझे आगे बढ़ना चाहिए और परोपकार के नए अध्याय में दाखिल होना चाहिए। मेलिंडा गेट्स को समझौते के तहत 12.5 अरब डॉलर मिलेंगे। वहीं मार्क सुजमैन ने बताया कि मेलिंडा गेट्स के इस्तीफे के बाद अब बिल गेट्स ही फाउंडेशन के एकमात्र अध्यक्ष होंगे। उन्होंने ये भी बताया कि अब बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेश का नाम बदलकर गेट्स फाउंडेशन किया जाएगा। मेलिंडा गेट्स को समझौते के तहत 12.5 अरब डॉलर मिलेंगे। वहीं मार्क सुजमैन ने बताया कि मेलिंडा गेट्स के इस्तीफे के बाद अब बिल गेट्स ही फाउंडेशन के एकमात्र अध्यक्ष होंगे। उन्होंने ये भी बताया कि अब बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेश का नाम बदलकर गेट्स फाउंडेशन किया जाएगा। साल 2021 में हुआ था बिल और मेलिंडा गेट्स का तलाक मेलिंडा गेट्स के इस्तीफे के बाद बिल गेट्स ने भी सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में मेलिंडा गेट्स को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। बिल और मेलिंडा गेट्स ने 27 साल की शादी के बाद साल 2021 में तलाक ले लिया था।

सोना-चांदी खरीदना हुआ और महंगा, सोना 72 हजार और चांदी 85,300 हजार के पार

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

गिरावट के बाद मंगलवार को सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72 हजार रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 85,300 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। लेकिन बाद में इनके भाव में सुधार देखा जाने लगा। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 81 रुपये की तेजी के साथ 71,936 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 182 रुपये की तेजी के साथ 85,068 रुपये पर खुला। इस समय यह 414 रुपये की तेजी के साथ 85,300 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,342.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,343 डॉलर था। जो इस समय 4.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,347.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.42 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.44 डॉलर था। इस समय यह 0.13 डॉलर की तेजी के साथ 28.57 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एफटीए भागीदारों को 14.48 प्रतिशत बढ़ा भारत का निर्यात, इन देशों से आयात में 37.97 प्रतिशत वृद्धि

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

भारत का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वाले देशों को निर्यात 2018-19 से 2023-24 के बीच यानी छह साल में 14.48 फीसदी बढ़कर 122.72 अरब डॉलर पहुंच गया। 2018-19 में भारत ने इन देशों को 107.20 अरब डॉलर का निर्यात किया था। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के मुताबिक, छह साल की इस अवधि में एफटीए भागीदारी वाले देशों से भारत का आयात 37.97 फीसदी बढ़कर 187.92 अरब डॉलर पहुंच गया। 2018-19 में भारत ने इन देशों से 136.20 अरब डॉलर का माल आयात किया था। यह वृद्धि भारत की वैश्विक व्यापार गतिशीलता पर एफटीए के महत्वपूर्ण और विविध प्रभाव को दर्शाती है।

वैश्विक व्यापार में भारत की कुल 1.8 फीसदी हिस्सेदारी

भारत का वैश्विक व्यापार में 1.8 फीसदी हिस्सा है। यह निर्यात में दुनियाभर में 17वें स्थान पर है। आयात के मोर्चे पर भारत वैश्विक व्यापार में 2.8 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 8वें स्थान पर है।2023-24 में भारत का निर्यात 3.11 फीसदी घटकर 437.1 अरब डॉलर रहा।आयात भी 5.4 फीसदी गिरकर 677.2 अरब डॉलर रहा।

यूएई को 18.25 प्रतिशत ज्यादा निर्यात

आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 में भारत ने यूएई को 35.63 अरब डॉलर का निर्यात किया। यह आंकड़ा 2018-19 के 30.13 अरब डॉलर से 18.25 फीसदी ज्यादा है। इस अवधि में यूएई से भारत का आयात 29.79 अरब डॉलर से 61.21 फीसदी बढ़कर 48.02 अरब डॉलर पहुंच गया। दोनों देशों के बीच एफटीए मई 2022 में लागू हुआ था।

इसी प्रकार, 2018-19 से 2023-24 के बीच जापान, ऑस्ट्रेलिया, 10 देशों वाले दक्षिणपूर्व एशियाई गुट आसियान और दक्षिण कोरिया के साथ भी एफटीए के बाद निर्यात-आयात में बढ़ोतरी देखने को मिली है।

उड़ान रद्द होने से अस्पताल में भर्ती पति से नहीं मिल सकी महिला, घर पहुंची मौत की खबर

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

पिछले हफ्ते एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान रद्द होने के कारण एक महिला ओमान के अस्पताल के आईसीयू में भर्ती अपने पति को मौत से पहले आखिरी बार नहीं देख सकी। उसके परिवार ने यह आरोप लगाया है। अमृता नाम की महिला ने मस्कट में अपने पति से मिलने के लिए आठ मई का टिकट बुक कराया था, लेकिन यहां हवाई अड्डे पहुंचने पर उसे बताया गया कि उड़ान रद्द हो गई है।

हवाई अड्डे पर इसका विरोध करने पर उन्हें अगले दिन एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक अन्य उड़ान का टिकट दिया गया, लेकिन दुर्भाग्य से, उसे भी रद्द कर दिया गया और उन्हें अपनी यात्रा की योजना पूरी तरह से छोड़नी पड़ी। ओमान से उनके पति की मौत की खबर उनके पास पहुंची।

अमृता की मां ने एक टीवी चैनल को बताया, यह इतना अनुचित था कि वह अपने पति को आखिरी बार नहीं देख सकी। हमने एयरलाइन से किसी और विमान में जगह देने के लिए विनती की ताकि हम उन्हें (अमृता के पति को) आखिरी बार देख सकें। लेकिन उन्होंने (एयरलाइन ने) कुछ नहीं किया।

उन्होंने यह भी कहा कि अमृता के पति ने कहा था कि वह अपनी पत्नी और बच्चों से मिलना चाहते हैं और इसीलिए परिवार ने उन्हें देखने जाने के लिए टिकट बुक कराए थे। अमृता ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि दूसरी उड़ान भी रद्द होने के बाद एयरलाइन ने उन्हें बताया कि कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगले चार दिनों के लिए उनकी उड़ानें भरी हुई हैं और वे कुछ नहीं कर सकते। उनके पति को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अमृता ने कहा, मैंने उनसे (पति से) फोन पर बात की। उनसे कहा मैं वहां पहुंचने की पूरी कोशिश करूंगी, पर ऐसा नहीं हो पाया।

एयरलाइन की ओर से इस मामले में फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

केबिन क्रू के छुट्टी पर जाने से 260 से अधिक उड़ानें रद्द हुई थीं

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन में कथित कुप्रबंधन के विरोध में चालक दल के सदस्यों की कमी के कारण एयर इंडिया एक्सप्रेस ने पिछले सप्ताह बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द कर दी थीं। कम लागत वाली एयरलाइन में केबिन क्रू के सदस्यों के असंतोष कारण ये उड़ानें दर्द की गईं। केबिन क्रू का यह असंतोष एआईएक्स कनेक्ट (पूर्व में एयर एशिया इंडिया) के साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस की विलय की प्रक्रिया शुरू होने के बाद शुरू हुआ।

बाद में 10 मई को छुट्टी पर गए केबिन क्रू के सदस्यों ने समझौते के बाद काम पर लौटने की हामी भरी, जिसके बाद एयरलाइन की ओर से केबिन क्रू के 25 सदस्यों को जारी टर्मिनेशन लेटर वापस ले लिया गया। एयरलाइन के एक सूत्र ने बताया था कि चालक दल की कमी के कारण आठ मई से 10 मई के बीच एअर इंडिया एक्सप्रेस को 260 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ी।

एयरलाइन ने 12 मई को कहा था कि वह धीरे-धीरे अपनी उड़ान सेवाओं को बहाल कर रही है और स्थिति पूर्ण रूप से सामान्य होने की उम्मीद है। उसी दिन, केबिन क्रू यूनियन ने कहा कि बीमार होने की सूचना देने वाले सभी सदस्यों ने 11 मई तक ड्यूटी ज्वाइन कर ली।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान : शांतो टीम की कप्तानी करेंगे, बांग्लादेश का पहला मैच 7 जून को श्रीलंका से

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश ने अगले महीने अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 मेंबर्स स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। बांग्लादेश बोर्ड ने यह ऐलान किया। नजमुल हुसैन शांतो वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी करेंगे। शांतो को इस साल की शुरुआत में सभी फॉर्मेट में बांग्लादेश का कप्तान बनाया गया था।

टीम में अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को भी शामिल किया गया हैं। शाकिब ने 2007 ओपनिंग एडिशन से हर टी-20 वर्ल्ड कप में खेला है। अफीफ हुसैन और हसन महमूद रिजर्व के रूप में टूर्नामेंट में जाएंगे।

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को टी-20 सीरीज में 4-1 हराया

शाकिब लगभग एक साल के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज से टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी किए हैं। शाकिब को जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के आखिरी दो मैचों में बांग्लादेश टीम में शामिल किया गया था। उन्होंने चौथे मैच में चार विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बांग्लादेश ने हाल ही जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज को 4-1 से अपने नाम किया।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश टीम

नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद (उपकप्तान), लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमुदुल्लाह, जेकर अली, तनवीर इस्लाम, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम, तंजीम हसन।

ट्रैवलिंग रिजर्व : हसन महमूद, अफीफ हुसैन।

बांग्लादेश ग्रुप डी में शामिल

बांग्लादेश टी-20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, नीदरलैंड और नेपाल के साथ के ग्रुप डी में रखा गया है। टीम का पहला मैच 7 जून को डलास में श्रीलंका के खिलाफ होगा।

न्यूज ब्रीफ

भविष्य में स्ट्राइक रेट के आधार पर टीम में चुने जाएंगे खिलाड़ी : मिलर

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर डेविड मिलर ने कहा है कि जिस प्रकार से आजकल टी20 क्रिकेट हो रहा है और स्ट्राइक रेट पर ही जोर दिया जा रहा है। उस स्थिति में आने वाले समय में खिलाड़ी बेहतर औसत नहीं बल्कि तेजी से खेलने की क्षमता के आधार पर ही चयनित किये जाएंगे। मिलर पिछले कुछ साल में फिनिशर की भूमिका में ही नजर आये हैं। इस आईपीएल सत्र में कई टीमों ने 250 से अधिक के सात स्कोर बनाए जिससे बल्लेबाज 'पावर गेम को अगले स्तर पर ले गए हैं जिससे स्ट्राइक रेट को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। मिलर ने कहा, 'हमने इस साल कुछ बड़े स्कोर देखे हैं। कुछ टीमों के साथ ही कुछ खिलाड़ियों ने जबरदस्त बल्लेबाजी की है। मैंने हमेशा देखा है कि हर कोई बल्लेबाज को औसत के आधार पर आंकता है। साथ ही कहा, 'टी20 क्रिकेट में किसी को पूरी तरह से इस आधार पर आंकना कठिन हो सकता है। शीर्ष तीन बल्लेबाजों के साथ निश्चित रूप से आप ऐसा कर सकते हैं, उन्हें बल्लेबाजी करने के लिए मिलने वाले ओवरों की संख्या पर्याप्त होती है। वहीं मध्य क्रम की बात आती है तो यह हमेशा स्ट्राइक रेट और बल्लेबाज के खेल का मैच पर पड़ने वाले प्रभाव की बात होती है ,ऐसे में मुझे लगता है कि लोगों को मैच जीतने की क्षमता के आधार पर टीमों का चयन करना होगा। वहीं अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप को लेकर मिलर का मानना है कि जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों के साथ मुकाबले कड़े रहेंगे। मैं एक बल्लेबाज हूं और बुमराह शीर्ष स्तर के गेंदबाज होने के कारण मेरे लिए खतरा बन सकते हैं। मिलर का मानना है कि उनकी टीम के पास टी20 विश्वकप में ट्रॉफी जीतने का अवसर है। यह आक्रामक बल्लेबाज इस चुनौती को लेकर उत्साहित है। उन्होंने कहा, 'इस समय हमारे पास जो टीम है, उसने पिछले कुछ वर्षों में एक साथ काफी क्रिकेट खेला है और इसमें काफी आत्मविश्वास है और काफी सफलता हासिल की है।

निकहत-मीनाक्षी और अनामिका की जीत से शुरुआत, सोनिया को मिली हार

अस्ताना। विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने एलोर्डा कप बॉक्सिंग टूर्नामेंट में जीत के साथ अभियान शुरू किया है। उन्होंने 52 भार वर्ग में स्थानीय बॉक्सर कजाखस्तान की राखिमबेरदी झानसाया को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से पराजित किया। मीनाक्षी (48) और अनामिका (50) ने भी जीत से शुरुआत की है। मीनाक्षी ने कजाखस्तान की गासीमोवा रोक्साना को 4-1 से और अनामिका ने जुंबायेवा अरालिम को पहले दौर में ही आरएससी (रेफरी ने मुकाबला रोका) कर दिया। वहीं इशमीत सिंह (75) को कजाखस्तान अरमानूली अरमात से और सोनिया (54) को चीन की चांग यूआन के हाथों 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। इस टूर्नामेंट के लिए 21 सदस्यीय टीम भेजी गई है, जिसमें कजाखस्तान, उज्बेकिस्तान, चीन, जापान जैसे देश भाग ले रहे हैं। पुरुष वर्ग में इशमीत सिंह (75 किग्रा) को कजाकिस्तान के अर्मानुली आर्मेट ने 5-0 से हराया। छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा), संजय (80 किग्रा) और गौरव चौहान (92 किग्रा से अधिक) तीन अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ चुनौती पेश करेंगे।

केकेआर की सफलता में युवा तेज गेंदबाज हर्षित की रही है अहम भूमिका

कोलकाता । आईपीएल में इस बार केकेआर की सफलता में युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा की अहम भूमिका रही है। राणा ने इस सत्र में अबतक 10 मैच में 20.75 की औसत से 16 विकेट लिए हैं। इस प्रकार वह आईपीएल की खोज साबित हुए हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ जिस प्रकार इस गेंदबाजा ने अंतिम ओवर फेंका उससे इसका आत्मविश्वास झलकता है। इस काम को उन्होंने बिना किसी दबाव के पूरा किया। अंतिम ओवर में मुम्बई को 22 रन बनाने थे और ऐसे में राणा ने पहली ही गेंद पर बल्लेबाजी कर रहे नमन धीर को पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद तीसरी गेंद पर तिलक वर्मा को आउट कर मैच में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। राणा ने अंतिम ओवर में तीन रन देते हुए दो विकेट लिए। इस तरह उन्होंने अपने चार ओवर में 34 रन देकर दो विकेट लिए। दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले राणा को केकेआर ने घायल हुए रसिख सलाम डार के विकल्प के तौर पर साल 2022 में 20 लाख रुपये में खरीदा था। वहीं अब रसिख दिल्ली के लिए खेलते हैं।

दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 19 रन से हराया

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद (57) और अभिषेक पोरेल (58) की शानदार अर्धशतकीय पारियों और उसके गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 64वें मैच लखनऊ सुपर जायंट्स को 19 रन से हरा दिया है।

209 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 44 के स्कोर तक एक के बाद एक अपने चार विकेट गवां दिये थे। क्विंटन डिकॉक (12), कप्तान के एल राहुल (5), मार्कस स्टॉयनिस (5) और दीपक हुड्डा (शून्य) और उसके आयुष बदोनी (6) रन पर आउट हुये। ऐसे संकट के समय निकोलस पूरन और कुणाल पांड्या ने पारी को संभालने का प्रयास किया। कुलदीप यादव ने कुणाल को 18 रन पर आउट कर लखनऊ को छठा झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अरशद खान ने जमकर खेलते हुए 33 गेंदों में नाबाद (58) रनों की पारी खेली। निकोलस पूरन 27 गेंदों में सर्वाधिक (61) रन बनाकर आउट हुए। युद्धवीर सिंह चरक (14) और रवि बिश्नोई दो रन बनाकर आउट हुए। लखनऊ की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 189 रन ही बना सकी और मुकाबला 19 रन से हार गई।

दिल्ली की ओर से इशांत शर्मा ने सर्वाधिक तीन विकेट लिये। खलील अहमद, अक्षर पटेल, मुकेश कुमार, कुलदीप यादव और ट्रिस्टन स्ट्रब्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को जीत के लिए 209 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां अरुण जेटली स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में जेक फ्रेजर मक्गर्क (शून्य) का विकेट गवां दिया। अशरद खान ने जेक फ्रेजर को नवीन उल हक के हाथों कैच आउट कराकर लखनऊ को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अभिषेक पोरेल और शे होप ने पारी को संभाला।

दोनों बल्लेबाजों के बीच 92 रनों की साझेदारी हुई। नौवें ओवर में रवि बिश्नोई ने शे होप को केएल राहुल के हाथों कैच आउट करा कर पवेलियन भेज दिया। होप ने 27 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (38) रन बनाये। 12वें ओवर की पहली गेंद पर नवीन उल हक ने अभिषेक पोरेल को आउटकर लखनऊ को तीसरी सफलता दिलाई। पोरेल ने 33 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए 58 रनों की पारी खेली। 17वें ओवर में कप्तान रिषभ पंत 23 गेंदों में 33 रन बनाकर आउट हुए। नवीन उल हक की गेंद पर पंत का कैच हुड्डा ने ब्राउड्री पर पकड़ा। ट्रिस्टन स्टब्स ने 25 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुये नाबाद (57) रनों की पारी खेली। अक्षर पटेल 14 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली कैपिटल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 208 का स्कोर खड़ा किया। लखनऊ की ओर से नवीन उल हक को दो विकेट मिले। अशरद खान और रवि बिश्नोई ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारतीय टीम के कोच जीवनजोत के बेटे का शानदार प्रदर्शन, कनाडा के लिए जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी टीम के कोच जीवनजोत सिंह तेजा के पुत्र हरकुंवर सिंह तेजा ने कनाडा के लिए पैन अमेरिकन यूथ तीरंदाजी चैंपियनशिप में विश्व कीर्तिमान के साथ स्वर्ण पदक जीता है। जीवनजोत वही तीरंदाजी कोच हैं, जिन्होंने उपेक्षाओं से दुखी होकर भारत छोड़ दिया था। अंतिम क्षणों में द्रोणाचार्य अवॉर्ड से नाम काटे जाने के चलते वह पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला की नौकरी छोड़ परिवार समेत कनाडा में चले गए थे।

2020 में बेटे को सिखाना शुरू की तीरंदाजी

जीवनजोत के मुताबिक उन्होंने प्रण लिया था कि जो सम्मान उन्हें नहीं मिला वह अपने बेटे के जरिए हासिल करेंगे। उन्होंने कनाडा में ही 2020 में बेटे को तीरंदाजी सिखाना शुरू किया, लेकिन भारत का मोह वह नहीं छोड़ पा रहे थे। हांगझोऊ एशियाई खेलों में तीन स्वर्ण जीतने वाली ज्योति सुरेखा और अन्य शिष्यों के दबाव में वह द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए आवेदन करते रहे। उनके शिष्यों का प्यार रंग लाया और जिस द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए 2018 में उनका नाम चयनित होने के बावजूद काटा गया, 2022 में उन्हें इस पुरस्कार के लिए चुना गया। जीवनजोत ने इसके बाद भारत आने का फैसला लिया। वह इस वक्त भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी टीम के कोच हैं।

भारत में आकर तैयारी की

जीवनजोत के मुताबिक बेटा कनाडा में ही शिक्षा अर्जित कर रहा है, लेकिन तीरंदाजी सीखने के लिए उनके पास यहां आता है। पैन अमेरिकन चैंपियनशिप के लिए वह उनके पास यहां तीन माह रहकर गया। यहां उन्होंने उसे तैयारी कराई, जिसका नतीजा यह निकला कि हरकुंवर ने अंडर-15 कंपाउंड ओपन वर्ग के मुकाबले में 720 में से 682 का स्कोर कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। फाइनल में हरकुंवर ने कोलंबिया के अल्मारियो फ्लोरेस जुआन एस्तेबान को 145-140 से पराजित किया। जीवनजोत इसी माह कोरिया में होने जा रहे विश्वकप में भारतीय टीम के साथ बतौर कोच जा रहे हैं।

श्यामनिखिल को मिला सब्र का फल, बने भारत के 85वें ग्रैंडमास्टर, 12 वर्षों तक किया था इंतजार

· **नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।**

भारत के शतरंज खिलाड़ी पी श्यामनिखिल को आखिरकार सब्र का फल मिला और वह भारत के 85वें ग्रैंडमास्टर बन गए। आठ साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू करने वाले श्यामनिखिल को तीसरे नॉर्म के साथ इस उपलब्धि के लिए 12 साल का इंतजार करना पड़ा। हालांकि उनका यह इंतजार दुबई पुलिस मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में समाप्त हुआ जहां उन्होंने अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर (जीएम) नॉर्म हासिल किया।

तीसरा नॉर्म हासिल करने में लगाया लंबा समय

श्यामनिखिल को लंबे समय से प्रतीक्षित जीएम नॉर्म पूरा करने के लिए सिर्फ एक जीत और आठ ड्रॉ की जरूरत थी, जो उन्होंने दुबई में खेले गये टूर्नामेंट में हासिल किया। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने 2012 में दो ग्रैंडमास्टर नॉर्म के साथ आवश्यक 2500 ईएलओ रेटिंग अंक हासिल कर लिए थे जो जीएम बनने के लिए न्यूनतम आवश्यकता है। उन्हें हालांकि तीसरे नॉर्म को पूरा करने के लिए 12 साल तक इंतजार करना पड़ा। श्यामनिखिल ने मुंबई मेयर्स कप 2011 में अपना पहला जीएम नॉर्म हासिल किया था। उन्होंने इसके कुछ समय के बाद 19 साल की उम्र में इंडियन चैंपियनशिप के दौरान दूसरा नॉर्म हासिल किया और फिर 2012 की शुरुआत में रेटिंग की आवश्यकता पूरी की। वह 2012 में दुबई ओपन में अपना अंतिम नॉर्म हासिल करने से चूक गए थे। वह इसके बाद अब तक कई मौकों का फायदा उठाने में विफल रहे।

सुदर्शन ने कहा-विराट, धोनी की सलाह से लाभ हुआ

मुम्बई, 14 मई (एजेंसियां) ।

गुजरात टाइटंस की ओर से इस आईपीएल सत्र में बल्लेबाज साई सुदर्शन ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहली बार 500 से ज्यादा रन बनाये हैं। सुदर्शन ने इस सत्र में टाइटंस के लिए शीर्ष क्रम में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बल्लेबाज ने 141.28 के स्ट्राइक रेट से 12 मैच में 527 रन बनाये। इस प्रकार वह सबसे अधिक रन बनाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल हो गये है। उन्होंने इस बार टी20 प्रारूप में शतक भी लगाया है। सुदर्शन ने यह भी कहा कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के साथ बातचीत से भी लाभ हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले मैच के बाद मेरी विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी से बात हुई थी। इन दिग्गजों की सलाह से भी उन्हें लाभ हुआ। इसके अलावा उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे में मिले अनुभवों से भी लाभ हुआ।

सुदर्शन और शुभमन गिल ने पहले विकेट के लिए संयुक्त रूप से सर्वाधिक 210 रन की साझेदारी की। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को टाइटंस ने 2022 सत्र में टीम के लिए पदार्पण से पहले 20 लाख रुपए के आधार मूल्य पर खरीदा था।

वहीं सुदर्शन ने कहा कि मेरी बल्लेबाजी में गत सत्र की तुलना में अधिक बदलाव नहीं आया है पर निर्णय लेने की क्षमता है। खेल के प्रति जागरूकता या समझ में सुधार हुआ है। इससे मुझे प्रदर्शन में निरंतरता में थोड़ी सहायता मिल रही है। आजकल टी20 क्रिकेट में पावर हिटिंग काफी अहम है पर सुदर्शन अपनी टाइमिंग पर ही अधिक भरोसा करते हैं। पिछले साल की तुलना में वह विश्व स्तरीय गेंदबाजों के खिलाफ अपने को बेहतर स्थिति में रखने में सफल रहे हैं। इस सत्र में जहां ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा और सुनील नारायण जैसे बल्लेबाजों ने 200 के आसपास के स्ट्राइक रेट के साथ पावर हिटिंग के जरिये रन बनाये।

स्वदेशी खिलाड़ियों के बल पर आईपीएल में वापसी करने में सफल रही आरसीबी

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

आईपीएल के इस सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की टीम खराब शुरुआत के बाद भी वापसी करने में सफल हुई है पर इसका श्रेय देश के ही खिलाड़ियों को जाता है। इस सत्र में जब मोटी रकम लेकर खरीदे गये विदेश खिलाड़ी असफल हुए तो युवा देशी खिलाड़ियों युवा यश दयाल और स्वप्निल सिंह आदि को अवसर दिय गया। इसके अलावा अनुभवी रजत पाटीदार और दिनेश कार्तिक ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। टीम को कठिन हालात से उबारने में सबसे अहम भूमिका विराट कोहली की रही। विराट ने इस सत्र में 600 से अधिक रन बनाकर टीम को बेहतर हाल में पहुंचाया। लगातार 6 मैच हार चुकी आरसीबी को हर कोई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर मान रहा था पर टीम ने हार नहीं मानी। आरसीबी ने पलटवार किया और तीन सप्ताह में 5 मैच जीत अंक तालिका में टीम पांचवें नंबर पर पहुंच गयी। आरसीबी ने आईपीएल 2024 में अपने अभियान की शुरुआत 22 मार्च को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के साथ मुकाबले से की। शुरुआत में टीम में ग्लेन मैक्सवेल, अल्जारी जोसेफ जैसे विदेशी खिलाड़ी थे जिन्हें 10 करोड़ से अधिक की रकम देकर खरीदा गया था पर वे असफल रहे। वेस्टइंडीज के जोसेफ फेल हुए तो इंग्लैंड के रीस टॉपली आए। टॉपली को बेहतरीन टी20 गेंदबाजों में शामिल किया जाता है पर वह भी टीम को पटरी पर नहीं ला पाये। इसके बाद स्वदेशी खिलाड़ियों को अंतिम ग्यारह में लाया गया। इस प्रकार युवा यश दयाल और स्वप्निल सिंह को अवसर दिया गया, इन सभी ने बेहतर प्रदर्शन किया। शुरुआती सत्र में विफल रहे रजत पाटीदार और मोहम्मद सिराज भी दूसरे दौर में लय में आ गये। विराट पहले से ही जमे हुए थे। अब उनको अन्य खिलाड़ियों का साथ भी मिल गया था। इस प्रकार देखा जाये तो जब विदेशी दिग्गज नाकाम हो गए तो आरसीबी की कमान भारतीय खिलाड़ियों ने संभाली। इस टीम की ओर से जिन 4 बल्लेबाजों ने 300 से ज्यादा रन बनाए हैं, उनमें से तीन भारतीय हैं। बल्लेबाजी की बात करें तो विराट , पाटीदार और कार्तिक ने आरसीबी को जीत की राह पर धकेला। विराट ने सबसे अधिक 661 रन बनाए हैं जबकि रजत पाटीदार ने 320 और दिनेश कार्तिक ने 301 रन बनाए हैं। टीम की ओर से 300 से ज्यादा रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज कप्तान फाफ डू प्लेसी के नाम 367 रन हैं ।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में पहुंचेंगी ये चार टीमें, हरमनप्रीत कौर ने की बड़ी भविष्यवाणी

मुम्बई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भरोसा जताया कि इस साल होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप में उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। इसके साथ ही हरमनप्रीत कौर ने अनुमान लगाया कि महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में कौनसी चार टीमें जगह पक्की कर सकती हैं। बता दें कि बांग्लादेश की मेजबानी में 3 से 20 अक्टूबर तक महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन होगा। भारत को ग्रुप ए में छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। महिला टी20 वर्ल्ड कप के 9वें संस्करण में ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड को जगह मिली है। हरमनप्रीत कौर ने कहा कि बांग्लादेश की स्थिति भारतीय टीम को रास आएगी और ऐसे में वो खिताबी जीत दर्ज करने के लिए पूरा जोर लगाएगी। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने हाल ही में बांग्लादेश का उसके घर में टी20 इंटरनेशनल सीरीज में 5-0 से क्लीन स्वीप किया।

उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपने संबोधन में आपत्तिजनक शब्द का किया इस्तेमाल, हंस पड़े लोग

वॉशिंगटन, 14 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका की राष्ट्रपति कमला हैरिस एशियाई अमेरिका लोगों से बातचीत के दौरान आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल कर गईं। हालांकि तुरंत उन्होंने इसके लिए माफी मांग ली थी। अमेरिका की पहली भारतीय-अमेरिकी और अफ्रीकी-अमेरिकी मूल की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम कई उपलब्धियां दर्ज हैं। अपनी उपलब्धियों पर बात करते हुए कमला हैरिस आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल कर गईं।

कमला हैरिस ने किया आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल - कमला हैरिस एशियन पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर कांग्रेसनल स्टडीज के एक कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम के दौरान हास्य अभिनेता जिमी ओ यंग ने कमला हैरिस के साथ बातचीत की। इस दौरान यंग ने कमला हैरिस से पहली एशियाई मूल की उपराष्ट्रपति बनने के अनुभव के बारे में सवाल किया। इस पर कमला हैरिस ने कहा कि मेरी मां कहा करतीं थी कि किसी को भी ये मत बताने देना कि तुम कौन हो, बल्कि तुम उन्हें बताना कि तुम कौन हो। आपको पता होना चाहिए कि कई बार लोग आपके लिए दरवाजे खोलते हैं, लेकिन कई बार ऐसा नहीं होता तो आपको उन दरवाजों को लात मारकर गिरा देना चाहिए।

कमला हैरिस बोलीं- मेरे जीवन पर मां का प्रभाव बहुत ज्यादा - जब कमला हैरिस ने दरवाजा तोड़ने की बात कही, उसी दौरान वह आपत्तिजनत शब्द का इस्तेमाल कर गईं। हालांकि उन्होंने तुरंत ही अपनी भाषा के लिए माफी मांग ली, लेकिन कमला हैरिस की बात सुनकर वहां मौजूद लोग जमकर हंसे। कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन भारतीय मूल की थीं और वह चेन्नई से अमेरिका पहुंची थीं। कमला हैरिस के पिता डोनाल्ड हैरिस जमैका मूल के थे। कमला हैरिस का कहना है कि उनके जीवन पर उनकी मां और उनके दादाजी का बहुत प्रभाव है। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बताया कि उनकी मां ने उन्हें और उनकी बहन को कई सलाह दीं, जिनमें से एक ये थी कि आप कई चीजों को करने वाले पहले शख्स हो सकते हैं, लेकिन आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आप ऐसा करने वाले आखिरी शख्स न रहें। राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ कमला हैरिस एक बार फिर डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से उपराष्ट्रपति पद की रेस में हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी विदेश मंत्री अचानक यूक्रेन पहुंचे, राष्ट्रपति जेलेंस्की और शीर्ष नेताओं से करेंगे मुलाकात

कीव । अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन अचानक यूक्रेन दौरे पर पहुंचे। उनकी इस यात्रा को रूस-यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष को बढ़ावा देने और अमेरिका का यूक्रेन को समर्थन देने के रूप में देखा जा रहा है। ब्लिंकन ने सोशल मीडिया के जरिए यूक्रेन की राजधानी कीव में अपने आगमन का विवरण साझा किया। अमेरिकी विदेश विभाग के आधिकारिक प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने भी ब्लिंकन की इस यात्रा से जुड़ी जानकारी साझा की। यूक्रेन के लिए रवाना हुए ब्लिंकन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में ब्लिंकन ने कहा, मैं यूक्रेन को समर्थन देने के लिए कीव लौटा हूं, क्योंकि वे रूसी आक्रमण के खिलाफ अपनी स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ रहे हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बताया कि ब्लिंकन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच रूस-यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा होने की भी संभावना है। मैथ्यू मिलर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कीव में विदेश मंत्री यूक्रेन के राष्ट्रपति और अन्य शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगे। इस दौरान नई अमेरिकी सुरक्षा और यूक्रेन की आर्थिक सुधार के लिए जारी कार्यों पर चर्चा की जाएगी। अमेरिका ने यूक्रेन की सहायता के लिए फिर बढ़ाया हाथ बता दें कि अमेरिका ने यूक्रेन के लिए 40 करोड़ सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद ही ब्लिंकन यूक्रेन के लिए रवाना हुए। पिछले महीने अमेरिका की तरफ से राष्ट्रीय सुरक्षा पूरक पारित करने के बाद यूक्रेन के लिए यह तीसरी सहायता है। इसे मिलाकर अब तक अमेरिका कीव के लिए 61 अरब डॉलर की सहायता का एलान कर चुका है। इस नए पैकेज में पैट्रियोट वायु सुरक्षा सामग्री और स्टिंगर विमान भेदी मिसाइलें शामिल हैं। इसके अलावा इस पैकेज में उच्च गतिशीलता वाले आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम और 155 मिमी एवं 105 मिमी तोपखाने के गोले भी शामिल हैं। इसके अलावा अमेरिका वलिन मिसाइल, ब्रैडली इन्फैंट्री फाइटिंग व्हीकल, एम113 आर्मर्ड पर्सनेल कैरियर, गश्ती नौकाएं और सामान्य छोटे हथियार गोला-बारूद, ग्रेनेड और विध्वंस युद्ध सामग्री भी प्रदान करा रहा है।

गुप्त धन भुगतान मामले में पूर्व राष्ट्रपति की बढ़ीं मुश्किलें, पूर्व वकील ने ट्रंप के खिलाफ दी गवाही

वॉशिंगटन । एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त भुगतान करने के मामले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। दरअसल ट्रंप के पूर्व वकील माइकल कोहेन की गुप्त धन भुगतान मामले में गवाही हुई और इस गवाही में कोहेन ने माना कि ट्रंप ने उन्हें स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसों का भुगतान करने का निर्देश दिया था। हालांकि ट्रंप इन आरोपों से इनकार कर चुके हैं। एडल्ट स्टार को गुप्त रूप से पैसों का भुगतान करने का है आरोप डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप हैं कि उन्होंने साल 2016 में राष्ट्रपति चुनाव से पहले एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त रूप से धन का भुगतान किया था। ट्रंप की तरफ से यह भुगतान स्टॉर्मी डेनियल्स से कथित तौर पर अपने निजी संबंधों को छिपाने और एडल्ट स्टार को चुप रहने के बदले दिया गया था। इस भुगतान के लिए ट्रंप पर अपने बिजनेस रिकॉर्ड में भी धांधली करने के आरोप हैं। अभियोजक ने आरोप लगाया कि ट्रंप के कहने पर माइकल कोहेन ने ही स्टॉर्मी डेनियल्स को 1,30,000 डॉलर का भुगतान किया था। कोहेन ने अपनी गवाही में कहा कि उसे जो कहा गया, उन्होंने वही किया। कोहेन ने स्वीकारी स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसों के भुगतान की बात कोहेन ने अपनी गवाही में ज्यूरी को बताया कि ट्रंप, डेनियल्स को लेकर काफी नाराज थे। उन्होंने (ट्रंप) मुझे बताया कि इससे चुनाव प्रचार में भारी गड़बड़ी हो जाएगी और महिलाएं मुझसे नफरत करेंगी। कोहेन ने ये भी बताया कि ट्रंप चाहते थे कि स्टॉर्मी डेनियल्स के वकील को पैसों का भुगतान चुनाव के बाद किया जाए, लेकिन जब अक्तूबर 2016 में स्टॉर्मी डेनियल्स की स्टोरी सार्वजनिक होने वाली थी, तो ट्रंप ने उन्हें पैसों को भुगतान को कहा। कोहेन का कहना है कि डेनियल्स को पैसों का भुगतान उसने अपनी तरफ से किया था और ट्रंप ने उन्हें बाद में पैसे देने की बात कही थी। सुनवाई के दौरान डोनाल्ड ट्रंप और उनके वकील ने कोहेन के आरोपों को नकारा और कहा कि कोहेन की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में है क्योंकि वह पहले भी झूठे बयान दे चुके हैं। कोहेन को यूएस कांग्रेस को झूठ बताने के मामले में दोषी पाया जा चुका है और उन्हें तीन साल जेल की सजा सुनाई गई है।

पीओके के हालात को लेकर ब्रिटेन में पाकिस्तानी दूतावास के बाहर लोगों का प्रदर्शन

इस्लामाबाद, 14 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में महंगाई को लेकर प्रदर्शन जारी है। बिजली बिल, टैक्स और आटे की कीमतों में भारी वृद्धि के लेकर स्थानीय लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लगातार चौथे दिन भी क्षेत्र में हड़ताल जारी रहा। इस बीच मुजफ्फराबाद में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प के कारण स्थिति तनावपूर्ण हो गई। यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने ब्रिटेन के ब्रैडफोर्ड में पाकिस्तानी वाणिज्य दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। झड़प में तीन लोगों की मौत, जबकि छह घायल हो गए जम्मू कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) क्षेत्र में बिजली के प्रावधान, गेहूं के आटे पर सब्सिडी समेत अन्य विशेषाधिकारों को समाप्त करने की मांग कर रही है।

पुलिस ने रातभर इलाके की छापेमारी की, इस दौरान कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। मुजफ्फराबाद, दादियाल, मीरपुर और पीओके के अन्य हिस्सों में कानून प्रवर्तन और प्रदर्शनकारी आपस में भिड़ गए।

पीओके में जारी है प्रदर्शन

पीओके में जारी प्रदर्शन के बीच राजनीतिक कार्यकर्ता अमजद आयूब मिर्जा ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने क्षेत्र की स्थिति पर बात करते हुए कहा, मौजूदा समय में मुज्जफराबाद की स्थिति बहुत गंभीर है। लगभग 500,000 लोग मुजफ्फराबाद और उपनगरों में बिजली बिल में टैक्स, सब्सिडी में कटौती के विरोध में और प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, विधान सभा के सदस्यों के भत्तों और विशेषाधिकारों को समाप्त करने की मांग को लेकर सकड़ों पर उतरे हैं।

अचानक प्रदर्शनकारियों ने पलटवार किया और रेंजर्स पीछे हट गए। ऐसा लग रहा था कि रेंजर्स वापस चले गए, लेकिन थोड़ी देर बार वे बड़ी संख्या में पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि गेहूं की कीमतों में प्रति माह लगभग 600-700 रुपये की कमी की गई है।

अमजब आयूब ने आगे कहा, मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। क्षेत्र में इंटरनेट की सुविधा को बंद कर दी गई है। मुज्जफराबाद में सेना के जवान हेलीकॉप्टर से उतर रहे हैं। प्रत्येक हेलीकॉप्टर में 20-25 जवान हैं।

हम एक निराशाजनक स्थिति में हैं। हम भारत सरकार से अनुरोध करते हैं कि वे विदेश मंत्रालय को पाकिस्तानी राजदूत को तलब करने और स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दे। ये पीओके में दिनदहाड़े होने वाली हत्या है। हमारी जिंदगी खतरे में है। बता दें कि तनाव को शांत करने के प्रयास में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने सभी से संयम बरतने और आपसी परामर्श से मुद्दों को हल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की मांगों को नियम के अनुसार संबोधित किया जाना चाहिए।

इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने बताया अब तक हमास के कितने लड़ाके मारे, मृतकों के आंकड़ों से नहीं हैं सहमत

तेल अवीव । इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजानिम नेतन्याहू ने दावा किया है कि गाजा में जितने लोग मारे गए हैं, उनमें से आधे हमास के लड़ाके हैं। गाजा में बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने को लेकर इजराइल दुनियाभर में आलोचकों के निशाने पर है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक गाजा में कम से कम 35,091 लोग मारे गए हैं, जिनमें महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा है। मृतकों में से आधे हमास के लड़ाके एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान बेंजामिन नेतन्याहू ने बताया कि उनके हिसाब से गाजा में अब तक 30 हजार के करीब लोग मारे गए हैं, जिनमें से आधे के करीब हमास के लड़ाके हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने आंकड़ों में ये नहीं बताया है कि मरने वालों में हमास के लड़ाके कितने हैं, लेकिन बार-बार कहा है कि मरने वालों में महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा है। नेतन्याहू ने बताया कि 14 हजार के करीब हमास के लड़ाके मारे गए हैं और करीब 16 हजार आम नागरिकों की मौत हुई है। गौरतलब है कि नेतन्याहू ने मार्च में ऐसे ही आंकड़े दिए थे। उस वक्त नेतन्याहू ने 13 हजार हमास के लड़ाकों के मारे जाने और 20 हजार से काफी कम आम नागरिकों की मौत का दावा किया था।

'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' व्हाइट हाउस में बजाया गया भारत का लोकप्रिय देशभक्ति गीत

वॉशिंगटन, 14 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के वहाइट हाउस में वार्षिक एशियाई अमेरिकी, मूल हवाईयन और प्रशांत द्वीपवासी (एएएनएचपीआई) विरासत माह का जश्न मनाया गया। इस दौरान राष्ट्रपति जो बाइडन, उप राष्ट्रपति कमला हैरिस समेत कई एशियाई और अमेरिकी वहां मौजूद थे। व्हाइट हाउस में इस खास उपलक्ष्य पर मरीन बैंड ने सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा गीत की धुन बजाई।

बता दें कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मोहम्मद इकबाल ने इस गीत को लिखा था। व्हाइट हाउस में मौजूद भारतीय अमेरिकियों के पर मरीन बैंड ने इस देशभक्ति गीत की धुन को दो बार बजाया। राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस वार्षिक कार्यक्रम के लिए भारतीय अमेरिकियों को व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया गया था। कम्युनिटी नेता ने साझा किया अपना अनुभव इस कार्यक्रम में भारतीय अमेरिकी कम्युनिटी नेता अजय जैन भुतोरिया भी मौजूद थे। उन्होंने इस कार्यक्रम को लेकर मीडिया से बात की। भुतोरिया ने कहा, व्हाइट हाउस के एएएनएचपीआई विरासत माह के उपलक्ष्य में रोज गार्डन में आयोजित किया गया समारोह एकदम अद्भुत था। सबसे अच्छी बात यह रही कि जैसे ही मैं व्हाइट हाउस में गया संगीतकारों ने 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' गीत की धुन बजाकर मेरा स्वागत किया। व्हाइट हाउस में दूसरी बार बजा भारत का लोकप्रिय देशभक्ति गीत एक साल से भी कम समय के भीतर व्हाइट हाउस में यह दूसरी बार भारत का लोकप्रिय देशभक्ति गीत बजाया गया। आखिरी बार पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा के दौरान देशभक्ति गीत बजाया गया था। कैलिफोर्निया में रह रहे कम्युनिटी नेता भुतोरिया ने आगे कहा, मुझे बेहद अच्छा लगा। व्हाइट हाउस में मेरे लिए यह गर्व का पल था। मैंने उनके साथ गाना शुरू किया और फिर मैंने उनसे इसे एक बार फिर से बजाने का अनुरोध किया। उन्होंने मेरा अनुरोध मान लिया और बताया कि वे इसे दूसरी बार बजा रहे हैं। जब प्रधानमंत्री मोदी आए थे तो उन्होंने इसे बजाया था और उसके बाद आज फिर वे इसे बजा रहे हैं। यह बेहद मनोरम दृश्य है कि आज व्हाइट हाउस में 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा' गीत सुनने को मिला। इस खास मौके पर वहां मौजूद अमेरिकी सर्जन जनरल डॉ. विवेक मूर्ति ने ड्रम बजाकर सैकड़ों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

व्हाइट हाउस पर हमले का दोषी पाया गया भारतीय मूल का युवक, नाजी विचारधारा से प्रभावित होकर किया हमला

वॉशिंगटन, 14 मई ।

अमेरिका में एक भारतीय मूल के युवक को व्हाइट हाउस पर हमले का दोषी ठहराया गया है। युवक पर एक ट्रक से व्हाइट हाउस पर हमले का दोष सिद्ध हुआ है और नाजी विचारधारा से प्रभावित होकर उसने इस हमले को अंजाम दिया। कोर्ट 23 अगस्त को उसकी सजा का एलान करेगा। दोषी युवक की पहचान साई वर्शिथ कंडुला (20 वर्षीय) के रूप में हुई है, जो मिसौरी के सेंट लुईस इलाके का रहने वाला है।

नाजी विचारधारा से प्रभावित होकर किया हमला

अमेरिका के अटॉर्नी मैथ्यू ग्रेव्स ने यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि कंडुला ने नाजी विचारधारा से प्रभावित होकर लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार को हटाकर तानाशाही लाने की मंशा से व्हाइट हाउस पर हमला किया। कंडुला ने जांच कर्ताओं के सामने स्वीकार किया कि अपने उद्देश्य को पाने के लिए वह अमेरिकी राष्ट्रपति और अन्य नेताओं की हत्या करने से भी पीछे नहीं हटता।

क्या है पूरा मामला

अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, कंडुला ने 22 मई 2023 की दोपहर को सेंट लुईस से एक विमान द्वारा वॉशिंगटन डीसी पहुंचा। डलास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा और शाम करीब साढ़े छह बजे उसने एक ट्रक किराए पर लिया। ट्रक किराए पर लेकर वह व्हाइट हाउस के लिए निकल गया। रास्ते में वह खाने और गैस के लिए रुका। रात करीब साढ़े नौ बजे कंडुला वॉशिंगटन डीसी पहुंचा और वहां एच स्ट्रीट पर नॉर्थवेस्ट और 16वीं स्ट्रीट नॉर्थवेस्ट के चौराहे पर व्हाइट हाउस की सुरक्षा में तैनात बैरिकेड से ट्रक को टकर दिया। इसके बाद कंडुला पर आरोप है कि उसने ट्रक को फुटपाथ पर चढ़ा, जिससे फुटपाथ पर चलने वाले लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

गाजा में भारतीय संकट पर भारत का कड़ा रूख, यूएन में कहा-यह स्थिति अस्वीकार

संयुक्त राष्ट्र, 14 मई (एजेंसियां) ।

भारत ने इजराइल और हमास के बीच के चल रहे युद्ध में संघर्ष कर रहे नागरिकों और उनकी मौत की कड़ी निंदा की। भारत की प्रतिनिधि ने कहा कि यह संकट अस्वीकार है। गाजा में लगभग सात महीनों से अधिक समय से संकट चल रहा है। जिसके कारण कई मानवीय संकट पैदा हो चुके हैं, और बढ़ने भी लगे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने फिलिस्तीन पर 10 वें यूएनजीए आपातकालीन सत्र में पहुंची। उन्होंने कहा कि इजराइल और हमास के बीच के संघर्ष के कारण जान-माल की हानि हुई। विशेष रूप से बच्चों और महिलाओं की हानि हुई। यह मानवीय संकट बिल्कुल अस्वीकार है। उन्होंने कहा कि इस बीच में संघर्ष कर रहे नागरिकों की मौत की हम कड़ी निंदा करते हैं। हर परिस्थिति में सभी को अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इजराइल पर हमास का हमला भी निंदनीय है। आतंकवाद और बंधक बनाने का कोई औचित्य ही नहीं है। इजराइल में आतंकवादी हमले चौंकाने वाले थे। भारत हमेशा से ही आतंकवाद के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि भारत सभी बंधकों की रिहाई मांग करता है, वह भी बिना शर्त। उन्होंने बताया कि गाजा में मानवीय स्थिति गंभीर है। स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए गाजा के लोगों को मानवीय सहायता दी जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र लगातार इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने फिलिस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता दी है। हम इस्राइली अधिकारियों द्वारा गाजा में मानवीय सहायता से ज्यादा तत्काल सहायता पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत दोनों राज्यों के बीच समझौता करवाना चाहता है। जहां फिलिस्तीनी इजराइल की सीमा के भीतर स्वतंत्र रूप से रह सकते हैं। शीघ्र ही शांति वार्ता शुरू करना है। इसी के साथ भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पूर्ण सदस्यता के लिए फिलिस्तीनी बोली के लिए अपने समर्थन की बात की। वे बोलीं कि अपनी दीर्घकालिक स्थिति को देखते हुए हम फिलिस्तीन के आवेदन पर उचित समय में सुरक्षा परिषद द्वारा उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन के आवेदन पर पुनर्विचार किया जाएगा।

इजराइल को गाजा पर परमाणु बम गिराने की इजाजत मिलनी चाहिए, अमेरिकी सांसद के बयान ने दुनिया को चौंकाया

वॉशिंगटन, 14 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के एक सांसद ने चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि इजराइल को गाजा पर परमाणु बम गिराने की इजाजत मिलनी चाहिए। अमेरिकी सांसद ने अमेरिका द्वारा जापान के नागासाकी और हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराने का भी बचाव किया और कहा कि वह एक सही फैसला था। अमेरिकी सांसद ने कहा कि इजराइल को एक यहूदी देश के तौर पर अपने आप को बचाने के लिए वो सब कुछ करना चाहिए, जो वो करना चाहता है।

अमेरिकी सांसद के बयान ने दुनिया को चौंकाया

अमेरिका के रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम इजराइल के कट्टर समर्थक माने जाते हैं। उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन के उस फैसले की भी आलोचना की,

जिसमें उन्होंने इजराइल को भेजे जाने वाले तीन हजार भारी बमों की डिलीवरी रोक दी है। एक मीडिया चैनल में लिंडसे ग्राहम ने कहा कि जब हमने एक देश के तौर पर जर्मनी और जापान से लड़ाई में पर्ल हार्बर की तबाही देखी, तो हमने इस लड़ाई को खत्म करने के लिए जापान के नागासाकी और हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराने का फैसला किया और वह एक सही फैसला था। उन्होंने कहा कि इजराइल को भी गाजा में जारी लड़ाई को खत्म करने के लिए परमाणु बम दिए जाने चाहिए। वे इस लड़ाई को हार नहीं सकते।

अमेरिका द्वारा जापान पर परमाणु बम गिराने के फैसले का भी किया समर्थन

लिंडसे ग्राहम ने कहा अमेरिका के लिए हिरोशिमा और नागासाकी पर दो परमाणु बम गिराना क्यों सही था मुझे लगता है कि वह सही था। इसलिए इजराइल को भी वो सबकुछ करना चाहिए, जिससे वह एक यहूदी देश के तौर पर बचा रहे। उन्होंने कहा गाजा में नागरिकों की मौतों के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए क्योंकि हमास ने ही आम नागरिकों को ढाल की तरह इस्तेमाल किया। ग्राहम ने कहा मुझे लगता है कि गाजा में आम नागरिकों की मौतों को तब तक कम करना संभव नहीं है।

इजराइल के हमले में भारतीय रिटायर्ड कर्नल वैभव अनिल काले की मौत, संयुक्त राष्ट्र में थे तैनात

संयुक्त राष्ट्र । दक्षिणी गाजा के रफाह शहर के खान यूनिस इलाके में हुई गोलीबारी से संयुक्त राष्ट्र के एक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि एक अन्य कर्मचारी जख्मी हो गया। मृतक कर्मचारी की पहचान भारतीय नागरिक के रूप में की गई है। उनका नाम भारतीय सेना से रिटायर्ड हो चुके कर्नल वैभव अनिल काले बताया गया है। संयुक्त राष्ट्र के उप प्रवक्ता फरहान हक की तरफ से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, 46 वर्षीय वैभव अनिल काले एक महीने पहले ही गाजा में संयुक्त राष्ट्र डिपार्टमेंट ऑफ सेफ्टी एंड सिक्योरिटी (डीएसएस) विभाग में बतौर सिक्योरिटी सर्विस कॉर्डिनेटर के तौर पर शामिल हुए थे। अनिल काले संयुक्त राष्ट्र के स्टीकर लगी गाड़ी में सफर कर रहे थे, उनकी गाड़ी पर संयुक्त राष्ट्र का झंडा भी लगा था। सूत्रों के मुताबिक, अनिल काले ने 2022 में समय से पहले ही रिटायरमेंट ले लिया था। संयुक्त राष्ट्र के बयान के मुताबिक यह हमला उस वक्त हुआ जब सुबह को अनिल काले अपने सहयोगी के साथ यूएन की गाड़ी में रफाह स्थित यूरोपियन अस्पताल जा रहे थे। संयुक्त राष्ट्र के सेक्रेटरी जनरल एंटोनियो गुटेरेस ने संयुक्त राष्ट्र कर्मी पर हुए हमले की कड़ी निंदा की और मौत पर दुख जताया है। साथ ही, मामले की जांच की मांग की है। उन्होंने मृतक परिवार को भी अपना शोक संदेश भेजा है। संयुक्त राष्ट्र के सूत्रों ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी गाड़ी पर किसने गोलीबारी की। वैभव अनिल काले के साथ एक अन्य संयुक्त राष्ट्र सहायता कर्मी भी यात्रा कर रहे थे। यह पहली बार है जब इस्राइल-गाजा संघर्ष में संयुक्त राष्ट्र के किसी कर्मी की जान गई है। वहीं, अलजजीरा की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिणी गाजा में इजराइल की गोलाबारी में अब तक कुल 190 सहायता कर्मियों की मौत हो चुकी है, जिनमें से ज्यादातर फिलिस्तीनी हैं।

ध्रुव और रवि योग में कल मनाई जाएगी जानकी नवमी

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को सीता नवमी मनाई जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माता सीता इसी दिन धरती से प्रकट हुई थीं। इसीलिए इस दिन को सीता जयंती या सीता नवमी के रूप में मनाते हैं। इसको जानकी नवमी के नाम से भी जाना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैशाख शुक्ल नवमी तिथि को सीता जी प्रकट हुईं, इसलिए इसे जानकी जयंती या सीता नवमी के नाम से जाना जाता है। इस बार गुरुवार 16 मई 2024 वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि है। यह दिन स्वयंसिद्ध अबूझ मुहूर्त है। सीता नवमी पर विशेष रूप से माता सीता की उपासना करने से व्यक्ति को विशेष लाभ मिलता है। साथ ही जीवन में आ रही सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। मान्यता है इस दिन मां सीता की विधि विधान से पूजा करने पर आर्थिक तंगी दूर होती है और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हर साल सीता नवमी वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है। यह त्यौहार रामनवमी के लगभग एक महीने बाद मनाया जाता है। इस दुर्लभ अवसर पर देवी मां सीता के साथ भगवान राम की भी पूजा करना श्रेष्ठ है। जिस प्रकार रामनवमी को अत्यंत शुभ फलदायी त्योहार के रूप में मनाया जाता है उसी प्रकार सीता नवमी को भी अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है।

भगवान श्री राम को विष्णु का रूप और माता सीता को लक्ष्मी का रूप कहा गया है। इस शुभ दिन पर अगर हम भगवान श्री राम के साथ माता सीता की भी पूजा करें तो भगवान श्री हरि और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष नवमी तिथि पर मां सीता का जन्म हुआ था। इसलिए इस दिन को सीता नवमी के रूप में मनाया जाता हैमान्यता के अनुसार मां सीता का जन्म मंगलवार के दिन पुष्य नक्षत्र में हुआ था और रामनवमी पर्व के ठीक एक महीने बाद सीता नवमी पर मनाई जाती है। इस बार सीता नवमी 16 मई को है। इस अवसर पर मां सीता की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही सुख एवं समृद्धि की प्राप्ति के लिए व्रत भी किया जाता है।

2 शुभ योग में है सीता नवमी

इस बार सीता नवमी पर दो शुभ योग बन रहे हैं। पहला ध्रुव योग प्रात:काल से लेकर सुबह 08:23 मिनट तक है। वहीं रवि योग शाम में 06:14 मिनट से अगले दिन 17 मई को प्रात: 05: 29 मिनट तक है।. सीता नवमी पर मघा नक्षत्र सुबह से लेकर शाम 06:14 मिनट तक है, उसके बाद से पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र है।

सीता नवमी की तिथि :-

नवमी तिथि का आरंभ: 16 मई ,गुरुवार, प्रात: 6:22 से
नवमी तिथि का समाप्त:17 मई, शुक्रवार, प्रात: 08:48

सीता नवमी का शुभ मुहूर्त :-

सीता नवमी का मध्याह्न मुहूर्त: प्रात:11.04 से दोपहर 01:43 तक
सीता नवमी का मध्यान क्षण 12: 23 तक है।

सीता नवमी का महत्व

सीता नवमी का दिन राम नवमी की तरह ही शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन जो राम-सीता का विधि विधान से पूजन करता है, उसे 16 महान दानों का फल, पृथ्वी दान का फल तथा समस्त तीर्थों के दर्शन का फल मिल जाता है। वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि पाने के लिए सीता नवमी का श्रेष्ठ माना गया है। सीता नवमी के दिन माता सीता को श्रृंगार की सभी सामग्री अर्पित की जाती हैं। साथ ही इस दिन सुहागिनें व्रत रखकर अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं।

माता सीता के जन्म की कथा

वाल्मिकी रामायण के अनुसार एक बार मिथिला में भयंकर सूखा पड़ा था जिस वजह से राजा जनक बेहद परेशान हो गए थे। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए उन्हें एक ऋषि ने यज्ञ करने और खुद धरती पर हल चलाने का सुझाव दिया।

राजा जनक ने अपनी प्रजा के लिए यज्ञ करवाया और फिर धरती पर हल चलाने लगे। तभी उनका हल धरती के अंदर किसी वस्तु से टकराया। मिट्टी हटाने पर उन्हें वहां सोने की डलिया में मिट्टी में लिपटी एक सुंदर कन्या मिली। जैसे ही राजा जनक सीता जी को अपने हाथ से उठाया, वैसे ही तेज बारिश शुरू हो गई। राजा जनक ने उस कन्या का नाम सीता रखा और उसे अपनी पुत्री के रूप में स्वीकार किया।

सीता नवमी पूजा विधि

सीता नवमी के दिन सुबह उठकर स्नान करें। इसके बाद मंदिर की सफाई करें और गंगाजल का छिड़काव कर शुद्ध करें। अब चौकी पर साफ कपड़ा बिछाकर मां सीता और भगवान श्रीराम की प्रतिमा विराजमान करें।

मां सीता को सोलह श्रृंगार का सामान अर्पित करें। फूल, अक्षत, चंदन, सिंदूर, धूप, दीप आदि भी चढाएं। देसी घी का दीपक जलाकर आरती करें।

पूजा के दौरान मंत्रों का जाप अवश्य करना चाहिए। इसके पश्चात मां सीता को फल, मिठाई समेत आदि चीजों का भोग लगाएं। अंत में जीवन में सुख और शांति के लिए प्रार्थना करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

बुधवार के दिन जरूर करें ये उपाय

दूर होगी दरिद्रता, खुलेंगे तरक्की के रास्ते

हिंदू धर्म में प्रत्येक दिन का कोई न कोई महत्व जरूर होता है। सप्ताह का हर दिन किसी न किसी देवी या देवता को जरूर समर्पित होता है। बुधवार का दिन भगवान श्री गणेश को समर्पित है। कहा जाता है कि भगवान श्री गणेश प्रथम पूज्य देव हैं।

किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले मंगलकर्ता भगवान गणेश की पूजा जरूर की जाती है। धर्म शास्त्रों में मान्यता है कि जिस जगह विघ्नविनाशक का वास होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि, शुभ-लाभ और मां लक्ष्मी भी विराजती हैं। इनकी कृपा से सब मंगल ही मंगल होता है। बुधवार के दिन गणपति बप्पा की पूजा से जातकों की बुद्धि कुशाग्र होती है। इसके अलावा बुधवार के दिन कुछ उपाय करने से विघ्नहर्ता श्री गणेश की कृपा प्राप्त होती है। तो चलिए जानते हैं बुधवार के दिन भगवान गणेश की कृपा पाने के लिए क्या उपाय करने चाहिए...

कहा जाता है कि गणपति बप्पा को हरा रंग बेहद प्रिय है। ऐसे में यदि आपका बुध कमजोर है, तो हमेशा अपने पास हरे रंग का रुमाल रखें। साथ ही बुधवार के दिन किसी जरूरतमंद को हरी मूंग की दाल या हरे वस्त्रों का दान करें। इस दिन हरे रंग के कपड़े पहनना भी शुभ होता है।

विघ्नहर्ता श्री गणेश की कृपा पाने के लिए बुधवार के दिन पूजा करते समय भगवान गणेश के माथे पर सिंदूर लगाकर तिलक करें। इसके बाद अपने माथे पर भी लगाएं। ऐसा करने से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी।

भगवान गणेश को मोदक बेहद प्रिय हैं, इसलिए उनकी पूजा में मोदक का प्रसाद अवश्य रखा जाता है। यदि आप जीवन में परेशानियों का सामना कर रहे हैं तो बुधवार के दिन भगवान गणेश की पूजा के दौरान उन्हें लड्डू का भोग जरूर लगाएं।

गणेश जी को दूर्वा अत्यंत प्रिय है। ऐसे में प्रत्येक बुधवार को 21 दूर्वा गणेश जी को जरूर चढ़ाएं। इससे आपके जीवन में कभी परेशानियां नहीं आएंगी और गणेश जी का आशीर्वाद आप पर सदैव बना रहेगा।

नौकरी में तरक्की चाहते हैं तो मासिक दुर्गाष्टमी पर करें ये उपाय

मां दुर्गा को शक्ति और समृद्धि की देवी माना जाता है । नौकरी की तलाश में लोगों का मानना है कि उनकी पूजा करने से उन्हें मनचाही नौकरी मिल सकती है। ज्योतिष शास्त्र में कुछ उपाय बताए गए हैं जिनके बारे में कहा जाता है कि ये नौकरी प्राप्ति में सहायक होते हैं। मासिक दुर्गाष्टमी, जो हर महीने कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है, देवी दुर्गा की पूजा का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस दिन, भक्त देवी दुर्गा से अपनी मनोकामनाएं पूरी करने की प्रार्थना करते हैं। आप नौकरी की तलाश में हैं, तो मासिक दुर्गाष्टमी के दिन कुछ विशेष उपाय करने से आपको शीघ्र ही मनचाही नौकरी मिल सकती है।

मां दुर्गा के टोटके

अपनी राशि के अनुसार मां दुर्गा के स्वरूपों का ध्यान करें। उदाहरण के लिए, मेष राशि के जातक मां दुर्गा के शैलपुत्री स्वरूप का ध्यान कर सकते हैं, वृषभ राशि के जातक मां दुर्गा के ब्रह्मचारिणी स्वरूप का ध्यान कर सकते हैं, और इसी तरह। ध्यान करते समय, मां दुर्गा से प्रार्थना करें कि वे आपको नौकरी प्राप्त करने में मदद करें।

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं दुर्गायै नमः मंत्र का 108 बार जाप करें। यह मंत्र मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए माना जाता है।

आप अपनी राशि के अनुसार मां दुर्गा के विशिष्ट मंत्र का भी जाप कर सकते हैं।

मासिक दुर्गाष्टमी या हर शुक्रवार के दिन पीले रंग का वस्त्र पहनकर मां दुर्गा की पूजा करें। पीला रंग ग्रह शुक्र का रंग है, जो नौकरी और करियर से जुड़ा हुआ है। मां दुर्गा की प्रतिमा पर हल्दी का तिलक लगाएं और अपने माथे पर भी हल्दी का तिलक लगाएं। हल्दी को शुभ माना जाता है और यह ग्रह बृहस्पति का प्रतीक है, जो ज्ञान और शिक्षा का कारक है।

रविवार का व्रत रखें और मां दुर्गा की पूजा करें। रविवार सूर्य देव का दिन है, जो करियर और सफलता का प्रतीक है। दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। यह मां दुर्गा की स्तुति का एक पवित्र ग्रंथ है। माना जाता है कि इसका पाठ करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और मनोकामनाएं पूरी करती हैं।

गरीबों और जरूरतमंदों को दान करें। यह पुण्य का कार्य है और इससे मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं। नियमित रूप से मां दुर्गा के मंदिर में दर्शन करें और उनकी पूजा करें।

नौकरी प्राप्ति के लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि आप कड़ी मेहनत करें, अपने कौशल का विकास करें और नौकरी के लिए आवेदन करते रहें। मां दुर्गा की पूजा और ज्योतिषीय उपायों से आपको आत्मविश्वास और सकारात्मकता मिलेगी, जो नौकरी प्राप्ति में आपकी मदद कर सकते हैं। मां दुर्गा आपको नौकरी की तलाश में सफलता प्रदान करें।

भगवान बदरीनाथ ने दिए शुभ संकेत

मूर्ति पर लगा घृत कंबल नहीं सूखा यानी देश खुशहाल रहेगा

श्रद्धालुओं के भारी उत्साह और भगवान नारायण के जयकारों के बीच 12 मई को बदरीनाथ धाम के कपाट खोल दिए गए।।.कपाट खुलते ही धाम के अंदर कुछ ऐसा नजारा दिखा, जिसे तीर्थ पुरोहित बेहद शुभ संकेत मान रहे हैं... क्या है ये शुभ संयोग। कैसे आम लोगों की जिंदगी में आएगी खुशहाली, देश में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहेगी। कपाट खुलते ही बड़ी संख्या में वहा मौजूद श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाए। खुल गए कपाट। जय जय बदरी विशाल। श्रद्धालुओं के जयकारे से बदरीनाथ धाम गूंज रहा है।

12 मई को भू-बैकुंठ बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही तीर्थ पुरोहितों, ने जो देखा उसे बेहद शुभ संकेत माना जा रहा है। इस शुभ संयोग को पूरे देश के लिए अच्छा माना जा रहा है। कपाट खुलते ही पहले दर्शन अखंड ज्योति के हुए। ये 6 महीने से जल रही है। इसके

बाद मुख्य रावल ईश्वर प्रसाद नम्बूदरी सबसे पहले गर्भगृह में गए।।वहां उन्हें भगवान की मूर्ति पर पिछले साल लगाया गया घी और कंबल ठीक उसी हालत में मिला, जैसा कपाट बंद करते वक्त था।ये देखने के बाद परंपरानुसार भविष्यवाणी की गई कि इस साल देश में कहीं भी सूखा नहीं पड़ेगा और खुशहाली होगी। शीत ऋतु में बदरीनाथ धाम के कपाट 6 महीने के लिए बंद किए जाते हैं। जब कपाट बंद होते हैं तब भगवान बदरीनाथ को घृत कंबल ओढ़ाया जाता है। इस घृत कंबल में घी का लेप लगाया जाता है। 12 मई को जब बदरीनाथ मंदिर के कपाट खोले गए तो घृत कंबल पर लगा घी का लेप कमतापमान के में भी सूखा नहीं था। बल्कि जैसा लगाया था वैसा ही मिला।

मंदिर की क्या है विशेषता

धार्मिक मान्यता है कि घृत कंबल से अगर घी सूख जाता है तो हिमालय क्षेत्र में सूखे और देश में मुसीबत आती है। बदरीनाथ धाम मंदिर में भगवान विष्णु की बद्रीनारायण स्वरूप की 1 मीटर की मूर्ति स्थापित है। इसे श्री हरि की स्वंय प्रकट हुई 8 प्रतिमाओं में से एक माना जाता है। इस मंदिर का वर्णन स्कंद पुराण और विष्णु पुराण में भी मिलता है?

शंकराचार्य के वंशज होते हैं मंदिर के पुजारी

बदरीनाथ धाम मंदिर कपाट का ताला तीन चाबियों से खोला जाता है।। इनमें एक टिहरी राजदरबार, दूसरी चाबी बद्री-केदार मंदिर समिति के पास और तीसरी चाबी बद्रीनाथ धाम के रावल और पुजारियों के पास होती है, जिन्हें हक-हकूकधारी कहा जाता है। मूर्ति पर जो घृत कंबल लपेटा जाता है। उसे भारत के पहले गांव माणा की महिलाएं तैयार करती हैं। बद्रीनाथ के पुजारी शंकराचार्य के वंशज होते हैं, जो रावल कहलाते हैं। केरल के राघवपुरम गांव में नंबूदरी संप्रदाय के लोग रहते हैं। इसी गांव से रावल नियुक्त किए जाते हैं। रावल आजीवन ब्रह्मचारी रहते हैं।

मृणाल सेन ने भारतीय सिनेमा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दिलायी विशिष्ट पहचान

भारतीय सिनेमा जगत में मृणाल सेन का नाम एक ऐसे फिल्मकार के तौर पर शुमार किया जाता है, जिन्होंने अपनी फिल्मों के जरिये भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाई।

14 मई 1923 को फरीदाबाद अब बंगलादेश में जन्में मृणाल सेन ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा फरीदाबाद से हासिल की। इसके बाद उन्होंने कलकता के मशहूर स्काटिश चर्च कॉलेज से आगे की पढ़ाई पूरी की। इस दौरान वह कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने लगे । कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद मृणाल सेन की रूचि फिल्मों के प्रति हो गयी और वह फिल्म निर्माण से जुड़े पुस्तकों का अध्यन करने लगे। इस दौर में वह अपने मित्र ऋतविक घटक और सलिल चौधरी को अक्सर यह कहा करते कि भविष्य में वह अर्थपूर्ण फिल्म का निर्माण करेगे लेकिन परिवार की आर्थिक स्थित खराब रहने के कारण उन्हें अपना यह विचार त्यागना पड़ा और मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव के रूप में काम करना पड़ा । लेकिन कुछ दिनों के बाद उनका मन इस काम में नही लगा और उन्होंने यह नौकरी छोड़ दी। फिल्म के क्षेत्र में मृणाल सेन अपने करियर की शुरूआत कोलकाता फिल्म स्टूडियो में बतौर ऑडियो टेकनिशियेन से की। बतौर निर्देशक मृणाल सेन ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 1955 में प्रदर्शित फिल्म रात भौर से की। उत्तम कुमार अभिनीत यह फिल्म टिकट खिड़की पर बुरी तरह नाकाम साबित हुयी।

वर्ष 1958 में मृणाल सेन की नील आकाशे नीचे फिल्म प्रदर्शित हुयी। फिल्म की कहानी एक ऐसे चीनी व्यापारी वांगलु पर आधारित होती है जिसे कलकता में रहने वाली बसंती अपने वामपंथी विचारधारा के जरिये प्रभावित करती है और वह अपने देश जाकर अपने साथियों के साथ मिलकर जापानी सेना विरूद्ध साथ छेड़े गये मुहिम में शामिल हो जाता है । फिल्म में वांगलु के किरदार की भूमिका में काली बनर्जी ने निभायी जबकि बसंती का किरदार मन्जू डे ने निभायी। यूं तो फिल्म के सारे गीत लोकप्रिय हुये लेकिन खास तौर पर हेमंत मुखर्जी की आवाज में रचा बसा यह गीत ..वो नदी रे एकती कथा सुधाई रे तोमारे ..श्रोताओं के बीच आज भी शिद्धत के साथ सुने जाते हैं। फिल्म जब प्रदर्शित हुयी तो फिल्म में वामपंथी विचारधारा को देखते हुये इसे दो महीने के लिये बैन कर दिया गया। फिल्म की सफलता के बाद वह कुछ हद तक बतौर निर्देशक अपनी पहचान बनाने में कामयाब हुये।

मृणाल सेन की अगली फिल्म बैसे श्रवण वर्ष 1960 में प्रदर्शित हुयी। फिल्म की कहानी वर्ष 1943 में बंगाल में हुये भयंकर अकाल की पृष्ठभूमि पर आधारित होती है जिसमें लगभग पांच लाख लोग अकाल और भूखमरी से मारे गये थे । फिल्म की कहानी की मुख्य पात्र माधवी मुखर्जी ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया जो अपनी उम्र से काफी बड़े युवक के साथ शादी कर अपना वैवाहिक जीवन बीता रही थी इसी बीच द्वितीय विश्वयुद्ध और अकाल ने उसका वैवाहिक जीवन बिखर जाता है। बाद में महिला खुद को फांसी लगा लेती है। फिल्म बैसे सावन की सफलता के बाद मृणाल सेन ने पांच अन्य फिल्मों का भी निर्माण किया लेकिन ये सभी न तो व्यवसायिक तौर पर सफल हुयी और ना ही समीक्षकों को पसंद आई।

इसके बाद मृणाल सेन ने वर्ष 1966 में उड़िया भाषा में माटिर मनीषा फिल्म का निर्माण किया लेकिन यह फिल्म भी टिकट खिड़की पर असफल साबित हुयी। इन फिल्मों की असफलता के बाद निर्माताओं ने उनसे मुंह मोड़ लिया और अपनी फिल्मों में बतौर निर्देशक काम देना बंद कर दिया।

वर्ष 1969 में एन.एफ.डी.सी की सहायता से मृणाल सेन ने फिल्म भुवन सोम का निर्माण किया। फिल्म की कहानी भुवन सोम नामक एक ऐसे कठोर और अनुशासनप्रिय अधिकारी पर आधारित होती है जिसे गांव जाने का मौका मिलता है और वहां के वातावरण में उसकी छवि में परिवर्तन हो जाता है और वह सबसे समान भेदभाव बरतने लगता है। फिल्म में भुवन सोम के किरदार में उत्पल दत्त ने निभायी। इस फिल्म से जुड़ा रोचक तथ्य यह भी है कि इसी फिल्म में अमिताभ बच्चन ने पहली बार अपनी आवाज दी थी। भुवन सोम के बाद मृणाल सेन ने इंटरव्यू 1971, कोलकाता 711972, और पदातिक 1973 जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन किया। इन फिल्मों के बाद उनकी छवि एक ऐसे फिल्मकार के रूप में बन गयी जो अपनी फिल्म में वामपंथी विचारधारा से प्रभावित राजनीति को अपनी फिल्म के जरिये पेश करते थे ।

वर्ष 1976 में प्रदर्शित फिल्म मृगया मृणाल सेन के सिने करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में एक है।

मृणाल सेन की **भुवन शोम** से हुई थी अमिताभ बच्चन के सिने कॅरियर की शुरूआत

बॉलीवुड के महनायक अमिताभ बच्चन ने अपने सिने करियर की शुरूआत मृणाल सेन की फिल्म भुवन शोम से की थी। उनके निर्देशन में बनी फिल्म भुवन शोम वर्ष 1969 में प्रदर्शित हुयी थी। यह फिल्म बलाई चंद मुखोपाध्याय की बंगाली कहानी पर आधारित है। इस फिल्म में उत्पल दत्त ने भुवन शोम की भूमिका निभायी थी। अमिताभ बच्चन भुवन शोम के नरेटर बने।अमिताभ बच्चन ने अपनी आवाज दी थी, 'ये तो आपकी मर्जी है कि आप उन्हें भला कहें या बुरा। इस लाइन के साथ अमिताभ ने मृणाल सेन की आइकॉनिक फिल्म भुवन शोम की ओपनिंग की थी।फिल्म भुवन शोम में अमिताभ बच्चन ने नेरेशन किया था जबकि ऑन स्क्रीन पहली बार अमिताभ फिल्म सात हिंदुस्तानी में दिखे। इस फिल्म को बेस्ट फीचर फिल्म, बेस्ट डायरेक्टर और बेस्ट एक्टर कैटेगरी में तीन नेशनल अवॉर्ड्स भी मिले।

मरून शिमरी गाउन पहनकर सनी लियोन ने गिराई बिजलियां, फोटोज ने मचाया बवाल

बॉलीवुड की खूबसूरत हसीनाओं का जिक्र हो और सनी लियोन का नाम न आए, ऐसा कैसे हो सकता है. अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के दम पर बॉलीवुड में छाई रहने वाली सनी लियोन सोशल मीडिया पर भी छाई रहती हैं. किलर अदाओं से लोगों के दिलों पर राज करने वाली सनी लियोन जैसे ही कोई पोस्ट शेयर करत हैं, वैसे ही लाइक और कमेंट करने वालों की होड़ लग जाती है.प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली सनी लियोन को देखने के लिए उनके चाहने वाले बेताब बैठे रहते हैं. वह कुछ भी शेयर करती हैं, लाइक्स-कमेंट्स करने वालों की भरमार हो जाती है. हाल ही में सनी लियो ने एक बार फिर चाहने वालों को शानदार विजुअल ट्रीट दी है.लेटेस्ट शेयर की गई फोटोज में सनी लियोन ने मरून शिमरी गाउन पहन रखा है. बॉडीकॉन गाउन में सनी लियोन का लुक देखकर लोगों के दिल धड़के जा रहे हैं. शेयर की गई फोटोज में सनी लियोन शिमरी गाउन में बेहद ग्लैमरस और हॉट लग रही हैं. वह इतनी ज्यादा अट्रैक्टिव लग रही हैं कि उनसे आपकी नजरें एक मिनट के लिए नहीं हटेंगी.इन फोटोज में सनी लियोन ने अपने कर्वी फिगर को बड़ी ही खूबसूरती से फ्लॉन्ट किया है. उनका लुक अप्सरा से कम नहीं लग रहा है. सनी ने अपनी फोटोज को शेयर करते हुए एक हार्ट और फायर इमोजी कैप्शन दिया है.सनी लियोन ने अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए हाई हील पहनी हैं और कानों में इयररिंग्स कैरी किए हैं. सनी की इन फोटोज को 222 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं।

आदिशक्ति वर्कशॉप ने मुझे गहरी समझ दी : अपूर्वा अरोड़ा

हाल ही में स्ट्रीमिंग सीरीज फैमिली आज कल में नजर आने वाली अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ऑरोविले में आदिशक्ति वर्कशॉप में भाग लेने के बाद रविवार को मुंबई लौट आईं। अपूर्वा ने वर्कशाप में अपनी दिनचर्या के बारे में बात की और कहा कि इससे उन्हें एक कलाकार के रूप में खुद के बारे में गहरी समझ मिली है।अभिनेत्री ने आदिशक्ति वर्कशॉप में भाग लेने की इच्छा मन में रखी थी। हालांकि उनका व्यस्त कार्यक्रम और अपने काम के प्रति प्रतिबद्धता हमेशा उनकी योजनाओं में बाधा बनती थी। इस बार अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह वर्कशॉप के लिए समय निकालने में सफल रहीं।अपने अनुभव पर बात करते हुए अपूर्वा ने कहा कि यह बेहद समृद्ध और परिवर्तनकारी था, जिससे उन्हें अभिनय और जीवन पर एक नया दृष्टिकोण मिला।अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अपूर्वा ने बताया, मैं वर्षों से आदिशक्ति वर्कशॉप में भाग लेना चाहती थी, लेकिन मेरी कार्य प्रतिबद्धताओं ने मुझे कभी ऐसा करने की अनुमति नहीं दी। इस बार मैंने इसे प्राथमिकता दी और मुझे खुशी है कि मैंने ऐसा किया। वर्कशॉप ने न केवल मेरे अभिनय कौशल को बढ़ाया है, बल्कि कलाकार के रूप में मुझे गहरी समझ भी दी है। यह वास्तव में जीवन बदलने वाला अनुभव था।उन्होंने ऑरोविले में रहने के दौरान की अपनी दिनचर्या भी शेयर की, साथ ही अपनी सीखने की प्रक्रिया के बारे में भी बात की।उन्होंने कहा, मैंने कई अलग-अलग तरह की कक्षाएं लीं, जिनमें केरल का मिझावु ड्रम बजाना सीखना, पानी के भीतर सांस लेने के व्यायाम और कलरीपायट्टु सीखने के साथ चरित्र निर्माण में सहायता के लिए विभिन्न उपकरण सीखने पर ध्यान केंद्रित किया।हम सुबह 7 बजे रिपोर्ट करते थे। कक्षाएं सुबह 9 बजे तक चलती हैं, कभी-कभी देर तक भी चलती थीं। बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक होते थे, लेकिन वह ज्यादातर काम करने और अगली कक्षा के लिए तैयारी करने में व्यतीत होता था।अपूर्वा अगली बार रोहन सिप्पी के निर्देशन में बनी फिल्म अनरियल में नजर आएंगी।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में जलवा बिखेरेंगी ऐश्वर्या राय और अदिति राव हैदरी

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री ऐश्वर्या राय और अदिति राव हैदरी, कान्स फिल्म फेस्टिवल में जलवा बिखेरेती नजर आयेंगी।

14 से 25 मई तक फ्रांस के कांस शहर में 77वें कांस फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। इस साल फेस्टिवल के प्रतिष्ठित (पाल्मे डी'ओर) कैटेगरी में इंडियन फिल्ममेकर पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमैजिन एज लाइट' प्रदर्शित की जाएगी। कान्स फिल्म फेस्टिवल का एक्सक्लूसिव कंटेंट फ्रांस में फ्रांस टेलीविजन पर मौजूद होगा। फेस्टिवल के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर भी इसकी लाइव स्ट्रीमिंग होगी, जहां पर आप इस फेस्टिवल को देख सकेंगे।इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल की थीम है- 'मेनी वेज टू बी एन आइकन।' इसका मतलब है, 'एक आइकन बनने के कई तरीके।'

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 में ऐश्वर्या राय और अदिति राव हैदरी रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेरेंगी।

इससे पहले ऐश्वर्या राय कान्स फिल्म फेस्टिवल में जूरी मेंबर भी शामिल हो चुकी हैं।कांस के रेड कारपेट को फैशन वर्ल्ड में काफी अहम माना जाता है। यहां वॉक करने वाले सेलेब्स फिल्मों के प्रमोशन के साथ नए डिजाइनर्स के आउटफिट्स भी शोकेस करते हैं। इसके साथ ही फ्रांस को भी अपनी संस्कृति को पेश करने का मौका मिलता है।ऐश्वर्या राय बच्चन वर्ष 2002 से अब तक तकरीबन हर साल कांस में शामिल होती आई हैं।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में 20 मई को लॉन्च होगा कन्नप्पा का टीजर

विष्णु ने जारी किया फिल्म का नया पोस्टर

कन्नप्पा विष्णु मांचू की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को और खास बनाने के लिए विष्णु मांचू पूरी मेहनत कर रहे हैं। फिल्म में कई दिग्गज सितारों की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। विष्णु मांचू तेजी से अपनी फिल्म पर काम कर रहे हैं और लगातार बड़ी जानकारियां साझा कर रहे हैं। बीते दिन उन्होंने बताया था कि फिल्म से जुड़ी कोई बड़ी घोषणा करने वाले हैं, जिसके बाद से फैंस लगातार बड़े अपडेट पर नजरे टिकाएं बैठे थे। आखिरकार अब फैंस का इंतजार खत्म हो चुका है। फिल्म को लेकर विष्णु ने बड़ा एलान किया है।निर्माताओं के जरिए दिए गए संकेत के बाद फैंस कयास लगा रहे थे कि वे आज प्रभास के किरदार का खुलासा करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, बल्कि उन्होंने फिल्म के बहुप्रतीक्षित टीजर को लेकर बड़ी घोषणा कर दी।

अमेरिकन सीरीज ड्यून: प्रोफेसी में काम करेंगी तब्बू

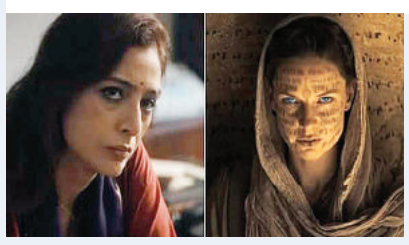

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री तब्बू अमेरिकन सीरीज ड्यून: प्रोफेसी में काम करती नजर आ सकती हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि लाइफ ऑफ पाई और द नेमसेक जैसी इंग्लिश फिल्मों में काम करने के बाद तब्बू अब अमेरिकी टीवी की दुनिया में अपना डेब्यू करने जा रहीं हैं।तब्बू को पॉपुलर अमेरिकन फिक्शन सीरीज ड्यून: प्रोफेसी में एक बड़ी भूमिका मिली है।इस शो में एमिली वॉटसन, ओलिविया विलियम्स, ट्रैविस फिमेल, जोहदी मे, मार्क स्ट्रॉन्ग, सारा-सोफी बौस्नीना, जोश ह्यूस्टन, क्लो ली, जेड अनौका, फोओलीन कनिंघम, एडवर्ड डेविस, एओइफ हिंड्स, क्रिस मेसन और शालोम ब्रुने फ्रैंकलिन मुख्य भूमिकाओं में हैं। कहा जा रहा है कि तब्बू इस सीरीज में सिस्टर फ्रांसेस्का की भूमिका निभाती नजर आएंगी।सीरीज का पहला भाग 2019 में आया था, जिसका टाइटल था ड्यून: द सिस्टरहुड। प्रीक्वल सीरीज 'ड्यून: प्रोफेसी' ब्रायन हर्बर्ट और केविन जे एंडरसन द्वारा लिखित नॉवेल सिस्टरहुड ऑफ ड्यून से प्रेरित है। एलिसन शापकर एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ङ,छ,के,को,ह

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आप अचानक गुलाबों की ख़ुश्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे।कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आपका कोई खास ही आज आपके साथ विश्वासघात कर सकता है। जिसकी वजह से आप दिनभर परेशान रह सकते हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। दफ़्तर में आपको पता लग सकता है कि जिसे आप अपना दुश्मन समझते थे, वह दरअस्ल आपका शुभचिंतक है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीका बदलकर पहल करें। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी खर्च कर सकते हैं। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धन आपके लिए ज़रुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। अपने जज़्बात दूसरों के साथ साझा करने से फ़ायदा मिलेगा। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक–मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे। रिश्तेदारों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में परेशानी पैदा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। अगर आप हर किसी की मांग पूरी करने की कोशिश करेंगे, तो सिर्फ़ नाकामी आपके हाथ लगेगी। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आज जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। बढ़िया खाना, रोमानी पल और जीवनसाथी का साथ यही ख़ास है आज।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 15 मई 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी अहोरात्र
नक्षत्र : आश्लेषा दोपहर 03:25 तक
योग : वृद्धि प्रातः 07:40 तक
करण : विष्टि सायं 05:19 तक
चन्द्रराशि : कर्क सायं 03:25 तक
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:37 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36, सूर्यास्त 06:31 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी , बुधाष्टमी , भद्रा सायं 05:18 से , गण्डमूल चालू है , बगलामुखी जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बारूद डिपो विस्फोट में शहीद हुए नंदू सिंह का हुआ अंतिम संस्कार

पैतृक गांव में दी गई अंतिम विदाई

झुंझुनू, 14 मई (एजेंसियां)। लेह–लद्दाख में सेना के बारूद डिपो में विस्फोट में शहीद हुये राजस्थान में झुंझुनू जिले के जवान का मंगलवार को अंतिम संस्कार किया गया। जिले के सूरजगढ़ के रहने वाले नंदूसिंह एक साल पहले ही सेना में भर्ती हुये थे। वह सूरजगढ़ गवर्नमेंट कॉलेज में छात्रसंघ अध्यक्ष भी रहे। गत आठ मई को वह विस्फोट में घायल हो गये थे। सोमवार को चंडीगढ़ में इलाज के दौरान वह शहीद हो गये। आज सुबह उनकी पार्थिव देह उनके गांव पहुंची, तो ग्रामीणों ने उन्हें शहीद का दर्जा देने की मांग की थी। अपनी मांगों को लेकर उनके परिवार एवं ग्रामीणों ने करीब तीन घंटे तक सीकर–लोहारू हाईवे भी जाम रखा। प्रशासन से सहमति के बाद करीब चार किलोमीटर की तिरंगा यात्रा निकाली गयी। इसके बाद उनके

पैतृक गांव स्यालू कलां में उनका अंतिम संस्कार किया गया।जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल सुरेश कुमार जांगिड़ ने बताया कि नंदू सिंह आर्मी के एम्यूनिशन डिपो में ट्रेड्समैन थे। यह पोस्ट डिफेंस सिविलियन कैटेगिरी में आती है। इस तरह के हादसों में इन्हें शहीद का दर्जा देने का प्रावधान नहीं है। इसके अलावा सर्विस से जुड़े अन्य सभी परिलाभ नंदू सिंह के परिजनों को मिलेंगे। एसडीएम दयानंद ने धरने पर बैठे ग्रामीणों को आयुध डिपो से शव के साथ आये सैन्यकर्मी और जिला सैनिक कल्याण अधिकारी से बात की। उन्होंने बताया कि नंदूसिंह राजपूत को नियमानुसार विभिन्न मद से कुल लगभग 90 लाख रुपये का फंड दिया जायेगा, इसके अलावा परिजनों को पेंशन भी मिलेगी। लेह में दर्ज प्राथमिकी के बारे में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी की सेना के अधिकारियों से हुई वार्ता के बाद बताया गया कि वह एक सामान्य प्रक्रिया है, प्राथमिकी नंदूसिंह के विरुद्ध नहीं है। प्रशासन से हुई वार्ता के बाद ग्रामीणों ने धरना वापस ले लिया।

पुलिस मुठभेड़ में गैंगस्टर सागर गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

हनुमानगढ़, 14 मई (एजेंसियां)। जिले के टिब्बी थाना क्षेत्र में कुछ दिनों से छिपे बैठे कुख्यात गैंग टिल्लू ताजपुरिया के एक गैंगस्टर को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान पकड़ लिया। टिब्बी के साबुआना में दिल्ली की क्राइम ब्रांच और हनुमानगढ़ जिला विशेष टीम के संयुक्त ऑपरेशन के दौरान गिरफ्तारी से बचने के लिए गैंगस्टर ने पुलिस टीम पर फायरिंग भी की। जवाबी फायरिंग में गैंगस्टर सागर घायल हो गया। उसे बाद में जिला चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया।

गैंगस्टर सागर के पैर में गोली लगी थी। एसपी विकास सांगवान ने बताया कि दिल्ली पुलिस को एक मर्डर के मामले में टिल्लू ताजपुरिया गैंग के गैंगस्टर सागर की तलाश थी। दिल्ली क्राइम ब्रांच को सूचना मिली की सागर हनुमानगढ़ जिले में टिब्बी के साबुआना में छुपा हुआ है। इस पर दिल्ली की क्राइम ब्रांच की टीम हनुमानगढ़ पहुंची और उनसे संपर्क कर सहयोग मांगा। जिस पर जिला विशेष टीम और क्राइम ब्रांच दिल्ली की टीम ने साबुआना में दबिश दी।

हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला सागर यहां रूप सिंह पुत्र गुरदास सिंह के घर पर छुपा हुआ था। सागर को जैसे ही घेराबंदी की भनक लगी तो उसने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस दल पर फायरिंग शुरू कर दी।

कोटा से लापता हुआ कोचिंग छात्र यूपी के कुशीनगर में मिला

कोटा, 14 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की कोचिंग सिटी कहे जाने वाले कोटा से लापता हुए कोचिंग छात्र को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में बरामद कर लिया है। बिहार के मुंगेर जिले के तारापुर थाना इलाके के मोहनगंज गांव निवासी कोचिंग छात्र अमन कुमार सिंह (19) रविवार को अचानक लापता हो गया था। वह यहां अपने छोटे भाई रौनक सिंह राजपूत (16) के साथ कोटा के कुन्हाड़ी थाना इलाके में एक मकान में पेइंग गेस्ट के रूप में रह कर नीट की कोचिंग कर रहा था और गत पांच मई को परीक्षा भी दे चुका था, लेकिन रविवार को देर रात वह एक पत्र में यह संदेश छोड़कर लापता हो गया कि उसे कोटा बैराज (चम्बल नदी के किनारे) के आसपास तलाश कर लेना।कोचिंग छात्र अमन कुमार सिंह के इस पत्र से सब सकते में आ गये। उसके भाई रौनक सिंह राजपूत ने पहले मकान मालिक के साथ आसपास के इलाके में तलाश किया लेकिन जब कहीं नहीं मिला तो कुन्हाड़ी थाने में लिखित में रिपोर्ट पेश की जिसे पुलिस ने काफ़ी गंभीरता से लिया और व्यापक पैमाने पर लापता कोचिंग छात्र अमन कुमार सिंह की तलाश शुरू की।

पुलिस अधीक्षक (शहर) डॉ अमृता दुहन ने मंगलवार को बताया कि कोचिंग छात्र अमन कुमार सिंह अपना मोबाइल फोन भी कमरे में ही छोड़ गया था, इसीलिये उसे ट्रेस करने में दिक्कत तो थी लेकिन पुलिस ने हार नहीं मानी और न केवल विभिन्न सरकारी एजेंसियों की नावों और गोताखोरों की मदद से अमन कुमार सिंह की न केवल चम्बल नदी में काफी तलाश करवाई, बल्कि पूरे इलाके,बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि के सीसीटीवी कैमरों की जांच की।पुलिस को विभिन्न स्रोतों के जरिये जांच–पड़ताल करने के बाद सोमवार को कोचिंग छात्र अमन कुमार सिंह के उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में होने की जानकारी मिली तो कोटा पुलिस अधीक्षक डॉ. दुहन ने तत्काल कुशीनगर के पुलिस अधीक्षक से फ़ोन पर बातचीत कर उन्हें कोटा से लापता कोचिंग छात्र की कुशीनगर में रुके होने की जगह चिह्नित कर भेजी जिसके आधार पर कुशीनगर ने कोचिंग छात्र अमन कुमार सिंह को दस्तयाब कर लिया, जिसे कोटा लाने के लिये पुलिस टीम कुशीनगर रवाना हो गयी है, और उसकी बरामदगी के बाद कोटा पुलिस ने राहत की सांस ली है।

अभी कोटा का एक और कोचिंग छात्र लापता है, जिसे भी कोटा पुलिस तलाश कर रही है। नीट की पांच मई को हुई प्रवेश परीक्षा के अगले ही दिन एक और कोचिंग छात्र गंगापुर जिले के बामनवास निवासी राजेन्द्र मीणा भी परीक्षा देने के बाद लापता हो गया था और इसके पहले उसने परिवारजनों के नाम संदेश छोड़ा था कि अब पढ़ाई नहीं करनी है, इसलिये पांच साल के लिये घर छोड़ रहा हूं। इस छात्र का भी अभी सुराग नहीं मिला है।

जमीनी विवाद में कार सवार युवक पर चार राउंड फायरिंग कर भागे बदमाश

नीमकाथाना,14 मई (एजेंसियां)। जिले के गावड़ी मोड़ पर स्थित एवीवीएनएल कार्यालय के पास भूमि विवाद को लेकर स्कार्पियो गाड़ी पर थार गाड़ी में सवार होकर आए करीब 5 से 6 बदमाशों ने फायरिंग कर दी। फायरिंग की इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई फायरिंग के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। स्कार्पियो गाड़ी में सवार पीड़ित युवक प्रदीप सैनी गावड़ी बाईपास से गावड़ी मोड़ पर 8 लाख रुपए के चेक देने के लिए आ रहा था। तभी गावड़ी मोड़ से गावड़ी की तरफ जा रही थार गाड़ी में सवार कुलदीप मीणा ने चलती स्कार्पियो गाड़ी पर फायरिंग कर दी। थार गाड़ी में करीब 5 से 6 बदमाश सवार थे। फायरिंग करने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। वहीं स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार पीड़ित युवक डीएसपी ऑफिस में चला गया।

कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश की सभा में भिड़े फौजी व रतेरा के समर्थक

भिवानी, 14 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस में गुटबाजी के चलते कार्यकर्ताओं की आपस में नोंकझोंक और जुतम पैजार थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामला मंगलवार को बवानीखेड़ा विधानसभा क्षेत्र का है। हिसार लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश उर्फ जेपी की नुक्कड़ सभा के दौरान होर्डिंग्स पर रामकिशन फौजी का फोटो देख सतबीर रतेरा समर्थक भड़क उठे। दोनों ही समर्थकों के बीच नोंकझोंक हुई तो कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश भी तमतमा उठे। मंच से ही जयप्रकाश ने बोल दिया कि मैं करवाउंगा तुम्हारी जिंदाबाद।

दरअसल जेपी का बवानीखेड़ा हल्का के गांव चांग, बलियाली, खरक में नुक्कउ.सभाएं थी। इस दौरान उनके साथ पूर्व विधायक रामकिशन फौजी भी मौजूद थे। नुक्कड़ सभा में होर्डिंग्स पर रामकिशन फौजी के फोटो लगे देख कांग्रेस नेता सतबीर रतेरा के समर्थकों में उबाल आ गया।

इसी दौरान नारेबाजी कर रामकिशन फौजी के खिलाफ हुटिंग की गई। उधर रामकिशन फौजी के समर्थकों ने भी कोई कसर नहीं

छोड़ी और नारेबाजी करने लगे। इसे देख कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश को भी गुस्सा आ गया। जयप्रकाश ने अपने अंदाज में कहा कि जो करना है कर लो, मैं करवाऊंगा थारा जिंदाबाद। आराम से खड़े रहो, कदे चक्कर मैं पड़ रहे हो, क्या बदतमीजी है ये क्या तमाशा बना राख्या है, मैं सबेरे का कहण लाग रहया सू, मैं बताऊंगा थामने, सारी रात का रखा है। ये लोग जेपी को वोट देने आए हैं, कदे किसे कै गलतफहमी हो, बकवास करते हो, आदमी की तरह समझा लिया।

बतां दे कि सोमवार को भी भिवानी के पार्टी कार्यालय में हरियाणा प्रभारी बावरिया के सामने ही कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए थे। जिसके बाद खुद बावरिया ने ही माहौल को संभाला और कार्यकर्ताओं को शांत कराना पड़ा था। लगातार कांग्रेस कार्यकर्ताओं की आपसी झड़प और नेताओं की गुटबाजी के बीच चुनावी माहौल गर्माता जा रहा है।

हरियाणा कांग्रेस में नहीं खत्म हो रही गुटबाजी, बड़े नेताओं की एंट्री पर ही साथ दिखेंगे कांग्रेसी

चंडीगढ़,14 मई (एजेंसियां)। दो धड़ों में बंटी हरियाणा कांग्रेस में हाईकमान के आदेश के बाद भी गुटबाजी खत्म नहीं हो पा रही है। दसों सीटें जीतने के दावे करने वाली कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता अपने–अपने चहेतों के प्रचार में ही जुटे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के निर्देश के बावजूद हुड्डा खेमा सिरसा जाने से बच रहा है, जबकि कुमारी सैलजा के साथ रणदीप सुरजेवाला और किरण चौधरी सिरसा पर फोकस किए हुए हैं। ऐसे में संभावना है कि केंद्रीय नेतृत्व के नेताओं के हरियाणा में आने के बाद ही सभी कांग्रेसी एक मंच पर आएंगे।

अब राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की रैलियों को लेकर भी दोनों धड़ों में राजनीति शुरू हो गई है। 15 मई के बाद तीनों नेताओं की हरियाणा में रैलियां होनी तय हैं, लेकिन अभी स्थान तय नहीं हो पाए हैं। हरियाणा में कांग्रेस इंडिया गठबंधन के तहत चुनाव लड़ रही है। इसमें कुरुक्षेत्र की सीट आम आदमी पार्टी को दी गई है, जबकि नौ सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी मैदान में हैं।

नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदे–शाध्यक्ष उदयभान सिरसा छोड़कर आठ सीटों पर नामांकन भरवाने गए और यहां प्रचार और जनसभाएं भी कर रहे हैं। हुड्डा गुट ने सिरसा से दूरी बनाई हुई है। यहां से हुड्डा की धुर विरोधी कुमारी सैलजा प्रत्याशी हैं। न तो हुड्डा सैलजा के नामांकन के समय सिरसा पहुंचे और न यहां प्रचार के लिए अभी तक उनका कोई शेड्यूल आया है। यहां सैलजा के साथ नामांकन के दौरान रणदीप सुरजेवाला, किरण चौधरी और हाल ही में कांग्रेस में आने वाले चौधरी बीरेंद्र सिंह थे।

फिलहाल किरण चौधरी और सुरजेवाला सैलजा के लिए प्रचार कर रहे हैं। हरियाणा के प्रभारी दीपक बाबरिया यह रिपोर्ट कांग्रेस आलाकमान को दे चुके हैं। इसके बाद ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सभी दिग्गज नेताओं को फोन करके एकजुटता का पाठ पढ़ाया था। इसका असर ये रहा कि टिकट कटने से नाराज कैप्टन अजय यादव, करण सिंह दलाल, चौधरी बीरेंद्र सिंह और किरण चौधरी अपने–अपने हलकों में प्रत्याशियों के लिए प्रचार में तो जरूर जुटे, लेकिन हुड्डा और एसआरके खेमे में खींचतान अभी जारी है।

कांग्रेस सूत्रों का दावा है कि राहुल और प्रियंका गांधी की रैलियों को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं, लेकिन अभी तक स्थान तय नहीं हो पाए हैं। हुड्डा खेमा अपने समर्थक प्रत्याशियों के हलकों में रैलियों की योजना बना रहा है, जबकि एसआरके गुट सिरसा में कांग्रेस के किसी बड़े नेता की रैली की तैयारी कर रहा हैं। बताया जा रहा है कि इसी सप्ताह बड़े नेताओं की रैलियों के स्थान को लेकर कांग्रेस की बैठक होगी और उसमें ही स्थान तय किए जाएंगे।

हरियाणा में दो करोड़ एक लाख 87 हजार मतदाता करेंगे मतदान

चंडीगढ़, 14 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की कुल संख्या दो करोड़ एक लाख 87 हजार 911 है, जिसमें एक करोड़ छह लाख 52 हजार 345 पुरुष, 94 लाख 23 हजार 956 महिला महिला मतदाता शामिल हैं।

इसके अलावा 467 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं, जो चुनाव का पर्व–देश का गर्व के महोत्सव में अपने मत का प्रयोग करेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर वोट का महत्व होता है। कभी–कभी उम्मीदवार की जीत का कारण भी एक वोट बन जाता है। इसलिये प्रत्येक मतदाता को अपने मत का प्रयोग अवश्य करना चाहिये। मतदाता के बिना लोकतंत्र का पर्व अधूरा है। चुनाव आयोग का कार्य निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव प्रक्रिया को पूरी करवाना है। असली कार्य तो मतदाताओं को ही अपना मत डाल कर करना है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के 19 हजार 812 स्थायी मतदान केंद्र बनाये गये हैं। इसके अलावा 219 अस्थाई मतदान केंद्र भी बनाये गये हैं। लू को देखते हुये सभी मतदान केंद्रों में अतिरिक्त प्रबंध किये जायेंगे। मतदाताओं का स्वागत शादी समारोह की तरह किया जायेगा, इनका स्वागत बीएलओ करेंगे। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निवेदनकर्ता होंगे, जबकि पीठासीन अधिकारी एवं समस्त मतदान दल सदस्य दर्शनाभिलाषी होंगे। इसके अलावा,मतदाता अपने उम्मीदवार की पृष्ठभूमि के बारे जानकारी लेने के लिये केवाईसी एप डाउनलोड कर सकता है।

कांग्रेस सरकार ने अपने कुप्रबंधन से शिक्षा क्षेत्र को किया बर्बाद: अरुण शाहपुर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद के पूर्व सदस्य अरुण शाहपुरा ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी को सत्ता में आए एक साल पूरा हो गया है और सरकार ने अपने कुप्रबंधन से शिक्षा क्षेत्र को बर्बाद कर दिया है।

यहां मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्कूली शिक्षा प्रणाली के तहत राज्य पाठ्यक्रम में 1 करोड़ से अधिक छात्र पढ़ रहे हैं। 10वीं की परीक्षा में 9 लाख छात्र शामिल हुए थे। कर्नाटक सरकार के शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा इसे प्रबंधित करने में पूरी तरह से विफल रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि उन्होंने 1 करोड़ बच्चों का भविष्य खतरे में डाल दिया है। 10वीं कक्षा की परीक्षा देने वाले 9 लाख छात्र और अभिभावक चिंतित हैं। केएसईएपी के माध्यम से परीक्षा आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि उन्होंने परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। लेकिन अफसोस की बात यह है कि आजादी के

बाद सबसे खराब परीक्षा मधु बंगारप्पा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान हुई। उन्होंने दिशाहीन शिक्षा का निर्माण किया है। इस सरकार ने यह कहकर शुरुआत की है कि वह पाठ्यपुस्तक के पाठों को फाड़ देगी। शिक्षा एवं पाठ्यक्रम का निर्धारण शिक्षा विशेषज्ञों के स्तर एवं विभाग स्तर पर किया जाता था। लेकिन, पिछले साल कैबिनेट में इस पर फैसला हुआ। उन्होंने कन्नड़ के 10 पाठ और सामाजिक विज्ञान के 10 पाठ हटा दिए, पहली बार वर्तमान मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने राजनीतिकरण करना शुरू कर दिया। शिक्षा मंत्री कठपुतली हैं। पूरे कर्नाटक चुनाव में अब कांग्रेस पार्टी की कमान चाणक्य के हाथ में है। ये चाणक्य ही हैं जो कांग्रेस की नीति को परिभाषित कर रहे हैं। किसी भी विद्यालय में बच्चों तक पाठ नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि 5वीं कक्षा, 8वीं कक्षा, 9वीं कक्षा, 11वीं कक्षा की परीक्षा होगी या नहीं, यह सवाल हर सुबह अभिभावकों के लिए सिरदर्द माना जाता था। हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट, डिविजनल बेंच में इस मुद्दे पर सवाल उठाया गया। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस सरकार को प्रशासन चलाने वालों के लिए इतना कड़ा निर्णय लेने से पहले अदालत में उठाए जाने वाले कदमों की सामान्य जानकारी है। उन्होंने 1 करोड़ बच्चों और उनके माता-पिता पर दबाव डालने के लिए सरकार की आलोचना की। इस सरकार ने इन परीक्षाओं को लेकर कोई कड़ा रुख नहीं अपनाया है। जो लोग 10वीं कक्षा और पीयूसी के लिए 3 परीक्षाएं (10-1,2,3) और (पीयू-1,2,3) देने के लिए कह रहे हैं, उन्होंने बच्चों और अभिभावकों के तनाव और भ्रम के बारे में नहीं सोचा है। उन्होंने आपत्ति जताई कि इससे बहुत भ्रम पैदा हो गया है कि कौन सी परीक्षा, किसने परीक्षा लिखी और किसने इसका मूल्यांकन किया। इसको लेकर विभाग भी स्पष्ट नहीं है। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश महासचिव एवं पूर्व विधायक पी. राजीव, प्रदेश प्रवक्ता सुरभि होदिगेरे उपस्थित थीं।

महाप्रबंधक ने सतर्कता और सूझबूझ के लिए कर्मचारियों को किया सम्मानित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव ने मंगलवार को प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ एक सुरक्षा बैठक की।

इस महत्वपूर्ण बैठक के बाद, विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को सेफ्टी मैन ऑफ द मंथ पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने कर्तव्य में खुद को प्रतिष्ठित किया है और अपनी अनुकरणीय सुरक्षा चेतना और दिमाग की उपस्थिति दिखाई है, जिससे दक्षिण पश्चिम रेलवे में असामान्य दुर्घटनाएं टल गईं। पुरस्कार विजेताओं में बोरे गौड़ा आर, कीमैन कुनिगल, शेखर एल लमानी, गैंगमेट क्यूलेम, शैलेन्द्र कुमार, लोको पायलट, जीतेन्द्र जांगिड़, सहायक लोको पायलट, एम एस लक्ष्मीशा, लोको पायलट गुड्स, मुतीउल्ला खान, वरिष्ठ सहायक लोको पायलट मैसूर, के शिवकुमार, तकनीशियन हरिहर, लक्ष्मप्पा एस एलिगर, तकनीशियन, जे मोहम्मद सादिक, कनिष्ठ अभियंताहरिहर, विरुपक्षैया, कीमैन निदवंडा और पवन कुमार, तकनीशियन-द्वितीय कैसलरॉक शामिल हैं। इस मौके पर अपर महाप्रबंधक के.एस. जैन एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खगड़िया में भीषण सड़क हादसा, दो दोस्तों की मौत

पटना (एजेंसियां)।

खगड़िया में दो वाहनों की टक्कर में दो युवक की मौत हो गई है। जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों बेहतर इलाज के लिए जिले से बाहर रेफर किया गया है। घटना मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे की बताई गई है। मृत युवक की पहचान सहरसा जिला अंतर्गत सोनबरसा थाना क्षेत्र के सोहा गांव निवासी सुधांशु कुमार और उसके दोस्त कुक्कू कुमार के रूप में हुई है। जबकि ट्रक का चालक और उपचालक घायल हो गए हैं। घटना बेलदौर थाना क्षेत्र स्थित बेला नौवाद एनएच 107 पर हुई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि पिकअप चालक तेज गति से वाहन चला रहा था। तेज रफ्तार

होने के कारण उसने अपने वाहन से नियंत्रण खो दिया और सामने से आ रही ट्रक में जा टकराया। लोगों का कहना है कि जैसे ही वहां टक्कर हुई वैसे ही पिकअप चालक वाहन से निकलकर फरार हो गया। जबकि पिकअप वाहन में बैठे दो लोगों में एक की मौत घटना स्थल पर दूसरे की मौत इलाज के दौरान हुई है। वहीं इस घटना में ट्रक चालक और उप-चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनका इलाज किया जा रहा है।

तमिलनाडु के राज्यपाल ने पत्नी के साथ श्रवणबेलगोला का किया दौरा

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि और उनकी पत्नी लक्ष्मी ने मंगलवार को हासन के चन्नारायपटना तालुक में जैनियों के प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्रवणबेलगोला का दौरा किया।

उन्होंने विंध्यगिरि जैन मठ का दौरा किया और अभिनव चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी से मुलाकात की। द्रष्टा ने जोड़े का सत्कार किया और उन्हें पुस्तकें दीं। इस अवसर पर बोलते हुए, रवि ने कहा कि उन्होंने एक छात्र के रूप में इस स्थान के बारे में

पढ़ा था और इस स्थान पर जाकर उन्हें खुशी हुई, जो गोमतेश्वर प्रतिमा और इसके ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। उन्होंने 2030 में होने वाले प्रतिमा के अगले महामस्तकाभिषेक के दौरान फिर से इस स्थान पर आने की इच्छा भी व्यक्त की।

आरा में प्रखंड प्रमुख के बेटे की गोली मारकर हत्या

महागठबंधन के प्रत्याशी ने लगाया बड़ा आरोप

पटना (एजेंसियां)।

आरा में सदर प्रखंड प्रमुख के बेटे की हत्या कर दी गई। अपराधियों ने उसे छह गोली मारी। घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत के साथ तनाव का माहौल कायम हो गया है। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सारंगपुर गांव के पास आरा-बक्सर फोरलेन 922 का है। मृतक की पहचान आरा सदर प्रखंड के प्रमुख जयकुमारी देवी के 22 वर्षीय पुत्र अखिलेश पासवान के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि अखिलेश पासवान की मां प्रखंड प्रमुख हैं। अखिलेश ही अपनी मां के सारे कामों की देखभाल करता था और सोमवार को सुबह वो अपने घर से

किसी काम के लिए आरा सदर ब्लॉक गया हुआ था। देर शाम तक वापस नहीं लौटा तो परिजन खोजबीन शुरू की। मंगलवार अहले सुबह करीब चार बजे के आसपास पुलिस को सूचना मिली कि एक लाश सड़क किनारे पड़ी है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। लाश की पहचान कर परिजनों को सूचना दी। पुलिस का कहना है कि हत्यारों की तलाश में छापेमारी चल रही है। कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

मृतक के पिता रमई राम ने बताया कि घर से वो ब्लॉक का काम करने निकला था लेकिन वापस नहीं आया। पुलिस के जरिये हमलोगों को जानकारी मिली कि मेरे बेटे की हत्या हुई है। उसे छह गोली मारी गई है। पिता ने हत्या का कारण बताया कि राजनीतिक दुश्मनी में मेरे विपक्षियों ने ही इसकी हत्या कर दी। क्योंकि अखिलेश अपनी मां के सारे काम को देखता था।वहीं परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे महागठबंधन के लोकसभा प्रत्यासी सुदामा प्रसाद ने कहा कि नीतीश कुमार और बीजेपी की सरकार में कोई सुरक्षित नही है। आए दिन हत्या-लूट जैसे अपराधों की संख्या बढ़ती जा रही है और पुलिस प्रसाशन हाथ पर हाथ धरे बैठी है। आचार संहिता के बावजूद भी यहां अपराध थमने का नाम नहीं ले रहा। जनप्रतिनिधियों को पुलिस प्रसाशन द्वारा परेशान किया जा रहा है। लेकिन क्षेत्र में हो रही आपराधिक घटनाओं पर अंकुश नहीं लगाया जा रहा है। हमलोग मांग करते है कि पुलिस अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करें और बिहार सरकार परिजनों को 20 लाख का मुआवजा दे।

कोर्ट ने आईपीएस सहित नौ पुलिस अधिकारियों पर प्राथमिकी करने का दिया आदेश

मुंगेर (एजेंसियां)।

खगड़िया सीजेएम कोर्ट में खगड़िया एसपी को सीवान के एसपी अमितेश कुमार और नालंदा के एसडीपीओ सुमित कुमार पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। इस मामले में साथ 7 अन्य पुलिस अधिकारी भी आरोपित हैं, जिनके विरुद्ध भी एफ़्रआईआरइन दर्ज करने का आदेश जारी किया गया है। कोर्ट ने यह फ़्रैसला मानसी थाना के तत्कालीन एसआई अम्लेंदु कुमार की याचिका की सुनवाई पर किया है, जिसमे एसआई ने आरोप लगाया था कि मानसी थाना में फर्जी दरोगा का खुलासा करने के बाद उसके साथ मारपीट की गी थी और उसे जान से मारने की धमकी दी गई थी। कोर्ट ने यह आदेश बीते 6 मई को दिया है। मामले में कोर्ट द्वारा एसपी खगड़िया के माध्यम से संबंधित थाना पुलिस को अनुसंधान व प्राथमिकी दर्ज करने की बात कही है।

मामले में एसआई अम्लेंदु कुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीजेएम कोर्ट ने कहा है कि परिवाद में प्रार्थी की तरफ़्र से जो परिवाद पत्र दिया गया है, उसका अनुसंधान जरूरी है। सीजेएम ने अपने आदेश में कहा है कि सुनवाई के बाद

परिवाद पत्र में उल्लिखित कथन एवं लगाये गये आरोप का प्रथम दृष्ट्या पुलिस के द्वारा अनुसंधान कराना आवश्यक प्रतीत होता है। उक्त परिवाद पत्र धारा 156 (3) द.प्र.सं. के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक, खगड़िया के माध्यम से संबंधित थाना को अनुसंधान एवं प्राथमिकी दर्ज करने के लिये भेजा जाता है।

बीते वर्ष 2021 में खगड़िया जिले के मानसी थाना में एक फ़्रर्जी दरोगा का खुलासा हुआ था, जिसमें बेगूसराय जिले के रहने वाले विक्रम कुमार पर फर्जी योगदान करने का आरोप लगा था। मामले का खुलासा मानसी थाना में पद स्थापित तत्कालीन एसआई अम्लेंदु कुमार के द्वारा किया गया था। खुलासे के बाद आनन-फ़्रानन में खगड़िया पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी। उसके बाद खगड़िया एसपी के द्वारा इस कांड के खुलासा करने वाले एसआई अमरेंद्र कुमार को निलंबित कर दिया था।

मानसी थाना के तत्कालीन एसआई अम्लेंदु कुमार ने खगड़िया सीजेएम कोर्ट में याचिका दायर करते हुए आरोप लगाया था कि उसके साथ मारपीट की गई है, और उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। इस संबंध में अम्लेंदु कुमार ने बताया कि बीते वर्ष 2021 में उन्होंने फर्जी दरोगा के मामले में उच्च अधिकारियों को सूचना दी थी, जिसके बाद मानसी थाना में प्राथमिकी दर्ज कर फ़्रर्जी दरोगा विक्रम कुमार और एक अन्य को गिरफ्तार किया गया था। परिवाद पत्र में उनका आरोप है कि इस खुलासे के बाद उनपर इस कांड को लेकर दबाव बनाया जा रहा था। उनके अनुसार 26 जून 2022 को सदर अस्पताल खगड़िया में उनके साथ मारपीट की गई थी। साथ ही बार-बार उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है। जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने ये अहम फ़्रैसला सुनाया है।

खगड़िया सीजेएम कोर्ट में जिन पुलिस पदाधिकारी पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है, उनमें उस समय के तत्कालीन एसपी अमितेश कुमार जो इस समय सीवान के एसपी हैं, तत्कालीन एसडीपीओ सुमित कुमार जो वर्तमान में नालंदा जिले में पदस्थापित हैं, खगड़िया पुलिस लाइन के तत्कालीन मेजर महेंद्र प्रसाद यादव, तत्कालीन पुलिस निरीक्षक पवन कुमार, तत्कालीन मुफ़सिल थाना अध्यक्ष अमलेश कुमार, तत्कालीन चित्रगुप्त नगर थाना अध्यक्ष संजीव कुमार, मानसी थाना के तत्कालीन एसआई निलेश कुमार सहित तत्कालीन मानसी थाना अध्यक्ष दीपक कुमार और तत्कालीन नगर थाना अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह का नाम शामिल है। बता दें कि इस मामले में खगड़िया एसपी और नालंदा एसपी के वर्जन जानने के लिए उनके सरकारी नंबर पर संपर्क किया गया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं किया गया।

मुंगेर में मतदाताओं को बरगलाने के आरोप में हिरासत में लिए गए राजद नेता

कई बूथों पर हुआ पथराव

मुंगेर (एजेंसियां)।

बिहार के मुंगेर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में आज सोमवार को चौथे चरण के तहत मुंगेर, जमालपुर, लखीसराय, सूर्यगढा, बाढ़, मोकामा में 2,029 मतदान केंद्रों पर मतदान जारी है। सुबह सात बजे से मतदान शुरू हुआ, उसके बाद से मतदाता धीरे-धीरे संख्या में मतदान करने के लिए पहुंच रहे हैं। वहीं, मुंगेर विधानसभा और जमालपुर विधानसभा के एक-एक जगह पर पिंक बूथ और दिव्यांग मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

इसी बीच मुंगेर लोकसभा क्षेत्र के मध्य विद्यालय नौलकखा मतदान केंद्र से राजद के प्रदेश महासचिव पंकज यादव को पुलिस ने हिरासत में लिया है। उन पर मतदाताओं को बरगलाने का आरोप लगा है।

हालांकि पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। पंकज यादव को कासिम बाजार थाने में रखा गया है। चुनाव को लेकर भारी संख्या में अर्धसैनिक बल और पैरामिलिट्री फ़्रोर्स की तैनाती मतदान केंद्र पर की गई है।

इसके साथ ही लोकसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 145 और 146 पर असामाजिक तत्वों ने पथराव कर किया। बताया जा रहा है कि बीएलओ द्वारा पर्ची न दिए जाने से लोग नाराज थे। वहीं, पथराव की घटना के बाद पुलिस ने लाठी चार्ज कर दिया। इस कार्रवाई में पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में ले लिया। इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश बना हुआ है।

स्थानीय लोगों द्वारा बताया गया कि मतदान केंद्र संख्या 145 और 146 पर बीएलओ द्वारा पर्ची नहीं दी गई थी। इसलिए स्थानीय युवकों द्वारा इंटरनेट के माध्यम से मतदात-ाओं को मतदाता पर्ची उपलब्ध कराई जा रही थी। तभी क्षेत्र में भ्रमण कर रहे पुलिस पदाधिकारी के द्वारा युवकों पर लाठी चार्ज किया गया और 2 युवकों को हिरासत में लिया गया। इसके बाद असामाजिक तत्वों द्वारा मतदान केंद्र पर पथराव किया गया है, जिसमें कई लोग घायल हो गए। घटना के बाद मतदान केंद्र के आसपास भारी संख्या में पुलिस बल के जवानों को तैनात कर दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com